MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SOU
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 26 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-143

डंपिंग यार्ड में 500 गौमाताओं की लाशें!

शर्म से डूब मरो गौ भक्तों

जैसलमेर, 25 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में जैसलमेर की कचरा डंपिंग साइट पर रविवार को करीब पांच सौ से ज्यादा की संख्या में गायों के सड़े हुए शव मिलने के वीडियो सामने आए हैं। डंपिंग यार्ड में नगर परिषद के मृत पशुओं के अधिकृत हड्डी ठेकेदार द्वारा इन मरी हुई गायों के शवों का निस्तारण न करने से आम जन में नाराजगी का माहौल व्याप्त है। मृत गायों के शवों के वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने से गो प्रेमियों में यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

उधर, जैसलमेर जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने इस संबंध में मामले को गंभीरता से लेते हुए तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा नगर परिषद कमिश्नर लजपाल सिंह सोढा ने भी इस मामले में संज्ञान लेते हुए यार्ड के मृत पशुओं के ठेकेदार को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। फिलहाल नगर परिषद ने मृत पशुओं को डंपिंग यार्ड से हटाकर निस्तारण कर दिया है।

जमीनी हकीकत: गौ रक्षा के दावों पर उठे सवाल

विभिन्न मंचों से गौ रक्षा के बड़े-बड़े नारे सुनाई देते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कई बार बेहद दर्दनाक तस्वीर पेश करती है। जैसलमेर से सैकड़ों की संख्या में मरी हुई गायों की सामने आई तस्वीरें यही सवाल खड़ा कर रही हैं कि आखिर गायों की देखभाल और संरक्षण के दावे कितने मजबूत हैं। बदहाल हालत में बेसहारा घूमती गायें और उनकी खराब स्थिति सरकारी व्यवस्थाओं पर सवाल उठाती नजर आ रही हैं। लोग कह रहे हैं कि गाय के नाम पर राजनीति करने वालों को इन हालातों पर भी ध्यान देना चाहिए। गौशालाओं, चारे, पानी और उपचार की बेहतर व्यवस्था की मांग एक बार फिर तेज हो गई है।

विचलित करने वाली दर्दनाक तस्वीरें

जैसलमेर जिला मुख्यालय से करीब 7 किमी दूर रामगढ़ मार्ग पर नगर परिषद का एक डंपिंग यार्ड बना हुआ है। बीते शनिवार को कुछ गो प्रेमी उस तरफ गए तो वहां का चौंकाने वाला नजारा देखकर वे विचलित हो गए। उस क्षेत्र में करीब 500 से ज्यादा मृत गायों के शव चारों ओर बिखरे हुए पड़े थे। आज जब मृत गायों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो आम जन व गो प्रेमियों में नाराजगी का माहौल व्याप्त हो गया।

गो प्रेमी हुक्मदान ने बताया कि मृत गायों का खौफनाक मंजर सचमुच शर्मनाक व मन को विचलित करने वाला दृश्य है, क्योंकि जिस धरती पर गौ माता को पूजने की बातें होती हैं, वहीं आज उन्हें कचरे में मरने के लिए छोड़ दिया गया। कहां हैं भक्ति की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले गौ भक्त, जन प्रतिनिधि अधिकारी? ये वीडियो देखेंगे तो मन विचलित जरूर होगा।

उधर नगर परिषद कमिश्नर लजपाल सिंह सोढा ने इस सनसनीखेज मामले को काफी गंभीरता से लिया है। उन्होंने मृत पशुओं के हड्डी ठेकेदार गोपाराम पुत्र दुदाराम गांव सुवाला, पोस्ट बालासर, तहसील-शिव, जिला-बाड़मेर को इस लापरवाही पर नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

अब्राहम ट्रंप अकॉर्ड

पाकिस्तान के सामने धर्म संकट

नयी दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अरब के मुस्लिम देशों से एक नई मांग की है। ट्रंप ने कहा है कि सऊदी अरब, यूएई, कतर, मिस्र, जॉर्डन, बहरीन, पाकिस्तान और तुर्की जैसे मुस्लिम देशों को अब्राहम अकॉर्ड में जरूरी रूप से शामिल होना चाहिए। ट्रुथ सोशल पर एक लंबी पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने सऊदी अरब, पाकिस्तान, तुर्की, जॉर्डन और अन्य देशों से ईरान के साथ एक बड़े समझौते के हिस्से के तौर पर अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होने का आह्वान किया है।

अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर ट्रंप ने कहा कि वह सभी देशों से अनिवार्य रूप से अनुरोध कर रहे हैं कि वे तुरंत अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करें। ट्रंप ने अपने पोस्ट में सऊदी अरब, क़तर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र और जॉर्डन का ज़िक्र किया है। ट्रंप ने यूएई और बहरीन का भी जिक्र किया। ये दोनों देश उन देशों में शामिल हैं जिन्होंने इजरायल के साथ समझौते सामान्य करने के लिए इस पर हस्ताक्षर किए थे।

अब्राहम अकॉर्ड क्या है? इसकी क्या अहमियत है? अगर इस समझौते में मुस्लिम देश शामिल हो जाएंगे तो इससे क्या हो जाएगा? आइए समझते हैं।

अब्राहम अकॉर्ड 2020 में अमेरिका की पहल पर हुआ वह समझौता है, जिसके तहत कई अरब देशों ने इजरायल के साथ औपचारिक रिश्ते बनाए और इसे मान्यता दी। इस समझौते में सबसे पहले यूएई और बहरीन शामिल हुए, बाद में मोरक्को और सूडान भी जुड़े। इसका मकसद अरब-इजरायल दुश्मनी कम करना, व्यापार और रक्षा सहयोग बढ़ाना तथा ईरान के प्रभाव को संतुलित करना था। अगर सऊदी अरब इसमें शामिल होता है, तो इसे सबसे बड़ा कूटनीतिक बदलाव माना जाएगा, क्योंकि सऊदी इस्लामी दुनिया का प्रभावशाली केंद्र है। इससे इजरायल को पूरे अरब जगत में व्यापक स्वीकार्यता मिल सकती है।

पाकिस्तान ने आज तक इजरायल को आधिकारिक मान्यता नहीं दी है। पाकिस्तान की स्थापना मुस्लिम पहचान और फिलिस्तीन समर्थन की राजनीति से जुड़ी रही है। इसलिए अगर पाकिस्तान कभी अब्राहम अकॉर्ड में शामिल होता है, तो उसके कई बड़े मायने होंगे। अब्राहम अकॉर्ड में पाकिस्तान के शामिल होने का मतलब है फिलिस्तीन कॉज की तिलांजली। ये इतना नाजुक मसला है कि पाकिस्तान में विद्रोह की आग भड़क सकती है।

पाकिस्तान के शामिल होने का मतलब होगा कि वह पहली बार इजरायल को मान्यता देगा। इससे उसकी पारंपरिक फिलिस्तीन समर्थक नीति बदलती दिखेगी और घरेलू राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा हो सकता है। इजरायल को मान्यता देने का मतलब है कि पाकिस्तान अपनी फिलिस्तीन नीति को लेकर नरम होगा, लेकिन उसका यह कदम उसके इस्लामी पहचान से सीधा टकराएगा।

पाकिस्तान की धार्मिक तंजीमें इजरायल से जबर्दस्त नफरत करती हैं। ऐसी कोई भी कोशिश पाकिस्तान में हिंसा और विद्रोह को जन्म दे सकती है। अब पाकिस्तान को तय करना पड़ेगा कि वह ट्रंप की बात माने अथवा इजरायल को मान्यता देकर आंतरिक अशांति के चक्रव्यूह में फंस जाए। यह पाकिस्तान की राजनीति में बेहद अहम शिफ्ट होगा।

▶8पर

पद्म ग्रहिता का मोदी को साष्टांग प्रणाम

धर्मेंद्र सहित 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कार

नयी दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। इसमें धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया, लेकिन पद्मश्री से नवाज़े गए पुडुचेरी के एक शख्स ने जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साष्टांग प्रणाम किया, वह चर्चा में बना हुआ है

पुडुचेरी के प्रसिद्ध सिलंबम गुरु के. पजानिवेल को देश में पारंपरिक मार्शल आर्ट में उनके अहम योगदान के लिए पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस समारोह में जैसे ही पुरस्कार के लिए उनके नाम का ऐलान किया गया, उन्होंने सम्मान लेने जाने से पहले जमीन पर लेट कर साष्टांग की मुद्रा में प्रधानमंत्री मोदी को प्रणाम किया। के. पजानिवेल पुडुचेरी के मशहूर सिलंबम के कोच हैं। वे प्राचीन तमिल युद्ध कला सिलंबम को बचाने, सिखाने और दुनिया भर में लोकप्रिय बनाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बचपन से सिलंबम सीखना शुरू किया और बाद में इसे अपना जीवन मिशन बना लिया। उन्होंने इस प्राचीन मार्शल आर्ट को पुनर्जीवित किया। उन्होंने 5000 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। सिलंबम दरअसल तमिलनाडु की एक प्राचीन मार्शल आर्ट है, जिसमें बांस की लाठी का इस्तेमाल किया जाता है। इसे करीब 5000 साल पुरानी युद्ध कला माना जाता है।

राष्ट्रपति भवन में 66 हस्तियों का सम्मान

बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कला, साहित्य, चिकित्सा, विज्ञान और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों को सोमवार को देश के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान से सम्मानित किया।

▶8पर

इथेनॉल-आधारित स्टोव लाँच

गडकरी बोले- एलपीजी से भी सस्ता

नयी दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। देश के कुछ हिस्सों से रसोई गैस (एलपीजी) की किल्लत को लेकर खबरें आ रही हैं, जबकि सरकार का कहना है कि स्थिति सामान्य है और देश में रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। लेकिन हॉर्मुज़ रूट बाधित होने की वजह से परेशानी ज़रूर बढ़ी है, क्योंकि बड़े पैमाने पर रसोई गैस आयात की जाती है।

इस बीच केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक नई इथेनॉल-आधारित स्टोव तकनीक का लॉन्च किया है। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में इस नई टेक्नोलॉजी के स्टोव को पेश करते हुए गडकरी ने दावा किया कि इसमें कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की तुलना में खाना पकाना सस्ता पड़ेगा। साथ ही यह पर्यावरण के अनुकूल भी है। भारत के बढ़ते बायोफ्यूल मिशन में इसे एक मील के पत्थर के रूप में देखा जा रहा है। यह स्टोव तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है। इस तकनीक की सबसे खास बात यह है कि यह स्टोव सीधे इथेनॉल से नहीं, बल्कि इथेनॉल में पानी मिलाकर काम करता है। इन दोनों के मिश्रण से एक स्वच्छ कुकिंग फ्लेम पैदा होती है। यह तकनीक पारंपरिक एलपीजी सिलेंडरों और केरोसिन की तुलना में सुरक्षित, कम लागत वाला और प्रदूषण मुक्त विकल्प दे रही है। दरअसल, पिछले एक दशक में भारत ने इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम में काफी बेहतरीन काम किया है।

▶8पर

कर्नाटक में बड़े बदलाव की आहट!

सीएम की कुर्सी पर खड़गे?

नयी दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक कांग्रेस में एक बार फिर नेतृत्व बदलाव की चर्चाएं तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को दिल्ली बुलाया गया है, जहां मंगलवार सुबह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर अहम बैठक होगी। इस बैठक में राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। 2023 में जब कांग्रेस ने कर्नाटक में बड़ी जीत हासिल की, तो पार्टी के सामने एक मुश्किल थी। दो बड़े नेता थे जो मुख्यमंत्री बनना चाहते थे। पहले हैं सिद्धारमैया। बुजुर्ग, अनुभवी, और अहिंदा यानी पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक और दलित समुदाय के बड़े चेहरे। दूसरे हैं डीके शिवकुमार। पार्टी के लिए पैसा जुटाने वाले, संगठन चलाने वाले, और वोक्कालिगा समुदाय के बड़े नेता जिन्होंने मुश्किल वक्त में पार्टी थामे रखी। कांग्रेस हाईकमान ने एक फॉर्मूला निकाला। सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाया और शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री। साथ में शिवकुमार को एक वादा भी दिया गया कि लीडरशिप का मामला बाद में देखा जाएगा। शिवकुमार को बताया गया था कि केरल चुनावों के बाद लीडरशिप का सवाल सुलझाया जाएगा। केरल चुनाव हो चुके हैं। यानी वो वक्त अब आ गया है। इसीलिए यह दिल्ली बैठक बेहद जरूरी हो गई है। सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों को दिल्ली बुलाया गया है। बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर सुबह 11 बजे होगी। राहुल गांधी भी इसमें शामिल रहेंगे। यह कोई रूटीन मीटिंग नहीं है।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

एडवोकेट मोइजुद्दीन हत्याकांड : आलम खान हिरासत में

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) पुलिस ने रविवार को हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और वक्फ कार्यकर्ता ख्वाजा मोइजुद्दीन की सनसनीखेज हत्या के सिलसिले में महबूब आलम खान और उनके बेटे मुजाहिद अली खान को हिरासत में ले लिया है। हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार की देखरेख में गठित विशेष जांच टीमों ने दोनों का सुराग लगाते हुए उन्हें बेंगलुरु से दबोचा और पूछताछ के लिए आबिड्स एसीपी कार्यालय लेकर आई।

हालांकि, पुलिस ने अभी तक आधिकारिक तौर पर उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन इस कार्रवाई के बाद एआईएमआईएम समर्थकों और दिवंगत अधिवक्ता के अनुयायियों द्वारा विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मृतक अधिवक्ता लंबे समय से वक्फ संपत्तियों को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे। पुलिस को अंदेशा है कि यह हत्या एक सोची-समझी कांट्रैक्ट किलिंग (सुपारी देकर हत्या) है, जिसे पकड़े जाने से बचने के लिए तेलंगाना के बाहर से बुलाए गए भाड़े के हत्यारों द्वारा अंजाम दिया गया।

सीसीटीवी से खुलासा: 5 दिनों तक रेकी

पुलिस द्वारा नामपल्ली और आसपास के इलाकों के कई सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच के बाद इस मामले की

तफ्तीश में तेजी आई। सूत्रों के मुताबिक, फुटेज से पता चला है कि अज्ञात संदिग्धों ने हमले से पहले करीब पांच दिनों तक मो-इजुद्दीन के आवास के पास रेकी (निगरानी) की थी। पुलिस टीमों ने इस अपराध में कुल छह लोगों की संलिप्तता की पहचान की है, जिनमें से दो उस एसयूवी में सवार थे जिससे वारदात को अंजाम दिया गया, जबकि अन्य मोटरसाइकिल पर उनके पीछे चल रहे थे। अधिवक्ता को टक्कर मारने के बाद हमलावर पीवीए-नआर एक्सप्रेसवे का उपयोग करते हुए शमशाबाद की ओर भाग गए। पुलिस का मानना है कि इस पूरी साजिश को बेहद सटीक और पूर्व नियोजन के साथ अंजाम दिया गया है, जो किसी पेशेवर सुपारी गैंग की संलिप्तता की ओर इशारा करता है।

वारदात में इस्तेमाल एसयूवी बरामद, खरीदार की तलाश तेज

पुलिस ने उस एसयूवी को बरामद कर लिया है जिससे अधिवक्ता के वाहन को टक्कर मारी गई थी, और उसके पंजीकृत मालिक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पूछताछ के दौरान मालिक ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने करीब छह महीने पहले ही यह वाहन बेच दिया था, लेकिन खरीदारों ने ट्रांसफर और री-रजिस्ट्रेशन की औपचारिकताएं पूरी नहीं की थीं।

अधिकारियों को संदेह है कि इस हत्याकांड के मास्टरमाइंड्स ने जानबूझकर ऐसे वाहनों और गुर्गों का इस्तेमाल किया जिन्हें आसानी से उनसे न जोड़ा जा सके।

▶8पर

ट्रंप के रहस्यमयी पोस्ट से अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर संशय

टूटने वाली है अमेरिका-ईरान वार्ता

वाशिंगटन

मिडिल ईस्ट में जारी भारी तनाव और कयासों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक हालिया रहस्यमयी संदेश ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खलबली मचा दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अलविदा लिखते हुए एक नाटकीय एआई जनरेटेड तस्वीर साझा की है।

इस तस्वीर में ईरानी झंडों वाले जहाजों पर भीषण विस्फोट होते दिख रहे हैं, हवा में मलबा उड़ रहा है और उनके ऊपर अमेरिकी ध्वज वाला एक ड्रोन दिखाई दे रहा है। डोनाल्ड ट्रंप का यह चौंकाने वाला पोस्ट ऐसे बेहद संवेदनशील समय में आया है, जब दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयास अपने अंतिम चरण में माने जा रहे थे।

हैरानी की बात यह है कि इस पोस्ट से महज एक दिन पहले खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया था कि शांति समझौते पर काफी हद तक सकारात्मक बातचीत हो चुकी है और अब अमेरिका, ईरान व अन्य संबंधित देशों के बीच सिर्फ अंतिम सहमति बनना बाकी है। ट्रंप के इस शुरुआती सकारात्मक बयान के तुरंत बाद भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी नई दिल्ली में संवाददाताओं से बात करते हुए उम्मीद जताई थी कि अगले कुछ ही घंटों में दुनिया को दोनों देशों के बीच समझौते की कोई बड़ी और अच्छी खबर मिल सकती है।

राजनयिक स्तर पर इस वार्ता को लेकर दोनों पक्षों में सतर्कता देखी जा रही थी। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने भी वाशिंगटन के साथ मेल-मिलाप की दिशा में आगे बढ़ने की बात स्वीकार की थी। हालांकि, उन्होंने साथ ही यह स्पष्ट कर दिया था कि इसका मतलब यह कतई नहीं है कि दोनों देश सभी महत्वपूर्ण और जटिल मुद्दों पर तुरंत किसी अंतिम समझौते पर पहुंच जाएंगे।

ईरान का मुख्य इरादा पहले एक ढांचागत समझौता ज्ञापन तैयार करने का था, ताकि उसके बाद अगले 30 से 60 दिनों के भीतर पूरी रूपरेखा के साथ अंतिम समझौते को अमलीजामा पहनाया जा सके।

अब ट्रंप के इस नए अलविदा वाले पोस्ट और युद्ध को दर्शाने वाली हिंसक तस्वीर ने वैश्विक नीति विश्लेषकों के बीच यह बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या पर्दे के पीछे चल रही यह महत्वपूर्ण शांति वार्ता अचानक रुक गई है या पूरी तरह विफल हो चुकी है। फिलहाल वाशिंगटन और तेहरान, दोनों ही पक्षों की ओर से इस पोस्ट को लेकर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण या खंडन जारी नहीं किया गया है, लेकिन इस रहस्यमयी संदेश के बाद से युद्धविराम की उम्मीदों को लेकर अनिश्चितता का बाजार बेहद गर्म हो गया है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी का दावा- ईरान परमाणु कार्यक्रम रोकने को तैयार

वाशिंगटन। अमेरिका से शांति समझौते के तहत ईरान सैद्धांतिक रूप से परमाणु कार्यक्रम रोकने को तैयार हो गया है। इस समझौते में अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के निपटान का प्रावधान शामिल किया गया है। ईरान ने मध्यस्थ देशों और वार्ताकारों से इसके लिए सहमति जता दी है। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह दावा किया है। रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इस अधिकारी ने कहा कि अमेरिका और ईरान अंतिम समझौते की दिशा में काफी आगे बढ़ गए हैं। ईरान सैद्धांतिक रूप से ऐसे सौदे पर सहमत हो गया है, जिसमें अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के निपटान का प्रावधान है। दोनों देशों के बीच सिद्धांतों पर भी व्यापक सहमति बन गई है। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने वार्ताकारों से कहा है कि समय अमेरिका के पक्ष में है। इसलिए समझौते के लिए जल्दबाजी न करें। इससे पहले शनिवार को मध्य पूर्व के नेताओं के साथ बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ शांति समझौता काफी हद तक तय हो चुका है। कुछ शर्तों पर बातचीत चल रही है। इस बीच व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने संकेत दिया है कि समझौते को अंतिम रूप देने में कुछ दिन लग सकते हैं।

बीएलए ने ली बलूचिस्तान में ट्रेन विस्फोट की जिम्मेदारी

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक यात्री ट्रेन से जुड़े शटल को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट के बाद सुरक्षा चिंताएं और बढ़ गई हैं। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने लेने का दावा किया है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बलों ने तलाशी और जांच अभियान तेज कर दिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह विस्फोट क्वेटा क्षेत्र में उस समय हुआ जब जाफर एक्सप्रेस से जुड़ा एक शटल अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ रहा था। धमाके के कारण ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और कुछ को गंभीर नुकसान पहुंचा। प्रारंभिक जानकारी में बड़ी संख्या में लोगों के हताहत और घायल होने की बात कही जा रही है, हालांकि आधिकारिक स्तर पर आंकड़ों की पुष्टि लगातार अपडेट की जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार, ट्रेन में सुरक्षा बलों से जुड़े कर्मियों की आवाजाही भी बताई जा रही थी। घटना के बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। उधर, हमले के संबंध में बीएलए की ओर से जारी कथित बयान में हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है। हालांकि ऐसे दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि होना अभी बाकी है। पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां और प्रशासनिक अधिकारी पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। बलूचिस्तान लंबे समय से सुरक्षा चुनौतियों और अलगाववादी गतिविधियों का केंद्र रहा है।

छोटे कीड़े भी महसूस कर सकते हैं दर्द : अध्ययन

लंदन। ज्यादातर लोग मानते हैं कि कीड़े केवल जैविक मशीनों की तरह होते हैं और उन्हें दर्द का अहसास नहीं होता। हालांकि अब एक नई वैज्ञानिक रिसर्च ने इस धारणा को चुनौती दे दी है। हाल ही में घरेलू झींगुरों पर की गई एक स्टडी में ऐसे संकेत मिले हैं, जो बताते हैं कि छोटे कीड़े भी दर्द महसूस कर सकते हैं। अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों ने घरेलू झींगुरों यानी हाउस क्रिकेट्स के व्यवहार का बारीकी से निरीक्षण किया। रिसर्च में पाया गया कि जब झींगुर के एंटीना यानी मूंछ पर हल्की गर्मी दी गई, तो उसने केवल झटका देकर प्रतिक्रिया नहीं दी, बल्कि इंसानों की तरह अपनी चोट वाली जगह को बार-बार साफ और सहलाया। वैज्ञानिकों के अनुसार यह व्यवहार किसी सामान्य रिफ्लेक्स से कहीं अधिक था। विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे इंसान जलने के बाद अपने हाथ को मलते हैं या ठंडे पानी के नीचे रखते हैं, उसी तरह झींगुर भी अपनी तकलीफ कम करने की कोशिश करता दिखाई दिया। यह अध्ययन इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि अब तक दर्द महसूस करने की क्षमता मुख्य रूप से इंसानों, स्तनधारियों, पक्षियों और मछलियों तक सीमित मानी जाती थी। अब वैज्ञानिक बिना रीढ़ की हड्डी वाले जीवों यानी इनवर्टिब्रेट्स पर भी गंभीरता से शोध कर रहे हैं। रिसर्च के लिए वैज्ञानिकों ने 40 नर और 40 मादा झींगुरों को चुना। इन्हें तीन अलग-अलग समूहों में बांटा गया। पहले समूह के एंटीना पर 65 डिग्री सेल्सियस तापमान वाला गर्म प्रोब लगाया गया। यह तापमान दर्द पैदा करने के लिए पर्याप्त था, लेकिन इससे स्थायी नुकसान नहीं होता था।

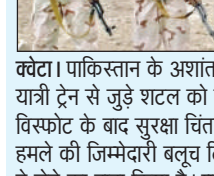

एफिल टावर को लगी जंग, रुस का एयरबेस हुआ तबाह जमीन पर तबाही का मंजर

टाइम ट्रैवलर ने बताई 2050 की दुनिया!, वीडियो कर रहा लोगों को परेशान

लंदन

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक रहस्यमयी वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक व्यक्ति खुद को टाइम ट्रैवलर बता रहा है। उसका दावा है कि वह साल 2050 से आया है और उसने तीसरे विश्व युद्ध के बाद की तबाही की दुनिया देखी है। वीडियो में वह दुनिया की ऐसी तस्वीर दिखा रहा है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं और डरे हुए भी हैं। यह वीडियो टिकटाक अकाउंट से शेयर किया गया है। इस अकाउंट पर पहले भी कई रहस्यमयी और एआई से बने वीडियो पोस्ट किए जा चुके हैं, लेकिन इस बार शेयर किए गए वीडियो ने लोगों का ध्यान खींचा है। वीडियो में दावा किया गया है कि भविष्य में दुनिया पूरी तरह बदल चुकी है और बड़े-बड़े शहर वीरान हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो की शुरुआत पेरिस के मशहूर एफिल टावर से होती है। टाइम ट्रैवलर होने का दावा करने वाला शख्स कहता है कि वह साल 2050 में पेरिस में है। वह कैमरे में एक जंग लगा हुआ एफिल टावर दिखाता है। आसपास कोई इंसान दिखाई नहीं देता। सड़कें खाली हैं और जगह-जगह टूट-फूट नजर आ रही है। वीडियो में वह कहता है- कुछ बहुत बड़ा हुआ है। यहां अब कोई नहीं है। इसके बाद वह नोट्रे डेम कैथेड्रल दिखाता है, जो बेहद पुराना और टूटा हुआ दिखाई देता है। वीडियो में कहा गया है कि इमारतों पर बेलें उग चुकी हैं और पूरा शहर सुनसान हो गया है। सड़कों पर घास उगी हुई दिखाई दे रही है, जैसे कई सालों से वहां कोई इंसान न आया हो। एक जगह वह जमीन पर पड़ा रेड बुल का खाली कैन उठाता है और दिखाता है कि दुनिया अब पूरी तरह उजड़ चुकी है। वीडियो का माहौल डरावना बनाने के लिए उसमें धीमा और भयावह संगीत भी जोड़ा है। इसके बाद वीडियो रूस के एक सैन्य एयरबेस की तरफ जाता है। यहां टूटे हुए और गोलियों के निशान वाले विमान दिखाई देते हैं। टाइम ट्रैवलर शख्स दावा करता है कि तीसरे विश्व युद्ध के बाद यह एयरबेस पूरी तरह नष्ट हो गया। कई विमानों पर जंग लगी हुई दिखाई देती है और आसपास कोई गतिविधि नजर नहीं आती। वीडियो में एक बड़ा जहाज भी दिखाया जाता है, जो रेगिस्तान के बीच फंसा नजर आता है। वहां पानी नहीं है और चारों तरफ सिर्फ सूखी जमीन दिखाई दे रही है। वीडियो में आवाज आती है- दुनिया खाली हो चुकी है, सिर्फ हवा बची है। हालांकि कई लोग इस वीडियो को सिर्फ एआई तकनीक और एडिटिंग का कमाल बता रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स का कहना है कि यह केवल मनोरंजन और लोगों का ध्यान खींचने के लिए है, क्योंकि वीडियो में दिखाई गई कई चीजें एआई से बनी हुई लगती हैं। फिर भी यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लाखों लोग इसे देख चुके हैं। कुछ लोग इसे मजेदार मान रहे हैं, जबकि कुछ लोग भविष्य को लेकर चिंता जता रहे हैं। यह वीडियो ऐसे समय वायरल हुआ है जब दुनिया में कई जगह तनाव बढ़ रहा है।

रुस के ओकुनेवो को अब लोग कहने लगे साइबेरिया का मिनी इंडिया

मास्को। सोशल मीडिया पर आजकल रूस के साइबेरिया क्षेत्र का एक छोटा सा गांव तेजी से चर्चा में बना हुआ है। यहां तापमान अक्सर माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, लेकिन इसके बावजूद गांव में भगवान शिव और भगवान श्रीकृष्ण के भजन गूंजते रहते हैं। कड़ाके की ठंड और बर्फ से ढके इस इलाके में भारतीय संस्कृति, भक्ति संगीत और आध्यात्मिक माहौल लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है।रूस के ओम्स्क क्षेत्र में स्थित ओकुनेवो गांव को अब लोग साइबेरिया का मिनी इंडिया और रूस का हिंदू गांव कहकर बुलाने लगे हैं। चारों ओर फैली बर्फ, शांत वातावरण और बेहद ठंडी जलवायु के बीच भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं की मौजूदगी इस जगह को खास बनाती है। गांव में एक कृष्ण मंदिर भी मौजूद है, जिसका संबंध इंटरनेशनल सोसाइटी फार कृष्णा कान्शसनेस यानी इस्कान से बताया जाता है। यहां नियमित रूप से हरे कृष्ण महामंत्र का जाप किया जाता है और भगवान शिव की पूजा भी बड़े श्रद्धाभाव से होती है। गांव में रहने वाले लोग योग, ध्यान और वैदिक दर्शन से जुड़ी गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। आध्यात्मिक शांति और सुकून की तलाश में कई लोग यहां पहुंचते हैं। हाल ही में एक भारतीय ट्रैवलर द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो के बाद यह गांव इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गया।

रूस ने यूक्रेन पर हाइपरसोनिक ओरेशनिक मिसाइल से किया हमला

कीव

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव सहित कई इलाकों पर अब तक का सबसे भीषण संयुक्त हवाई हमला किया है। इस हमले के दौरान रूस ने अपनी सबसे शक्तिशाली और घातक हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल ओरेशनिक का इस्तेमाल किया। चार साल से जारी इस युद्ध में यह तीसरी बार है जब रूस ने इस बेहद आधुनिक हथियार से यूक्रेन को निशाना बनाया है। इस चौतरफा हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि राजधानी कीव में सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन, गोदाम और एक स्कूल सहित कई महत्वपूर्ण इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, बिला त्सेरक्वा शहर पर दागी गई यह ओरेशनिक मिसाइल पारंपरिक के साथ-साथ परमाणु युद्धक सामग्री ले जाने में भी पूरी तरह सक्षम है। रूसी भाषा में ओरेशनिक का अर्थ हेजलनट का पेड़ होता है। यह मिसाइल आवाज की रफ्तार से 10 गुना तेजी से (मैक 10 की स्पीड से) अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती है, जिससे इसे हवा में रोक पाना बेहद मुश्किल होता है।

इसके अलावा, यह इतनी विनाशकारी है कि जमीन के नीचे तीन से चार मंजिलों की गहराई में बने बंकरों को भी आसानी से नेस्तनाबूद कर सकती है। रूस ने इससे पहले नवंबर 2024 में निप्रो शहर पर और उसके बाद पश्चिमी लवीव क्षेत्र में इसका प्रयोग किया था।

यूक्रेन की वायु सेना के मुताबिक, रूस के इस विशाल हवाई हमले में लगभग 600 ड्रोन और जमीनी, समुद्री व हवाई रास्तों से दागी गईं 90 मिसाइलें शामिल थीं। यूक्रेन ने दावा किया है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने मुस्तैदी दिखाते हुए 549 ड्रोन और 55 मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया, जबकि करीब 19 मिसाइलें अपने सटीक लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम रहीं। शनिवार रात से शुरू हुए इस हमले के चलते समूचे कीव में हवाई हमले के सायरन गूंजते रहे और शहर के कई हिस्सों से धुएं का गुबार उठता देखा गया।

दूसरी तरफ, रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने ओरेशनिक और अन्य मिसाइल प्रणालियों के जरिए यूक्रेन के सैन्य कमान केंद्रों, वायुसेना अड्डों तथा सैन्य-औद्योगिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। रूसी प्रशासन का कहना है कि यह बड़ी कार्रवाई उनके नागरिक केंद्रों पर यूक्रेन द्वारा किए गए हालिया हमलों का करारा जवाब है। दोनों देशों की तरफ से दावों और पलटवार का दौर जारी है, जिसने इस क्षेत्रीय संकट को एक बार फिर बेहद गंभीर मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है।

ईरान में किसी को नहीं पता मोजतबा खामेनेई कहां छुपे हैं

वाशिंगटन। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई कहां छुपे हैं, यह उनके देश के अधिकारियों तक को पता नहीं है। ऐसा अमेरिकी अधिकारियों का कहना है। इन अधिकारियों ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के हवाले से कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता किसी अज्ञात जगह पर छुपे हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले की जानकारी रखने वाले अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की उन पर नजर है। मोजतबा खामेनेई असल में किसी अज्ञात जगह पर छुपे हुए हैं। वहां बाहरी दुनिया से उनका संपर्क बहुत कम है और उन तक पहुंचने का एकमात्र जरिया संदेशवाहकों का एक जटिल जाल है। इसलिए ट्रंप प्रशासन के साथ काम करने के लिए अधिकृत ईरानी अधिकारियों को अपनी ही सरकारी व्यवस्था के भीतर संवाद करने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यही एक मुख्य कारण है कि ईरान के साथ संभावित समझौतों का विवरण सामने आने में देरी हो रही है। ईरान सरकार के सर्वोच्च पदों पर बैठे अधिकारियों को भी यह नहीं पता होता कि वे कहां हैं और उनके पास उनसे सीधे संपर्क करने का कोई जरिया नहीं होता।

नेपाली मूल की महिला की संदिग्ध मौत

घरेलू विवाद के बाद पार्क में मिली लाश

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के बाग अंबरपेट इलाके में सोमवार तड़के संदिग्ध हालात में एक महिला की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान नेपाल मूल की कला सावंत के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुँचकर जाँच शुरू कर दी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, महिला का शव कॉलोनी के अंदर बने एक पार्क में मिला। पुलिस इस मामले को संदिग्ध मौत मानकर जाँच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, कला सावंत अपने पति शेर बहादुर सावंत के साथ सेंट्रल एक्साइज कॉलोनी, बाग अंबरपेट में रहती थी। शेर बहादुर सावंत एक अपार्टमेंट में वॉचमैन के तौर पर काम करता है। बताया जा रहा है कि रविवार रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी घरेलू झगड़े के बाद महिला तनाव में थी। सोमवार सुबह उसका शव पार्क में मिलने से परिवार और आसपास के लोग सन्न रह गए।

जाँच में जुटी पुलिस को शुरुआती तौर पर मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालाँकि अधिकारियों का कहना है कि हर एंगल से जाँच की जा रही है। पुलिस को शक है कि घरेलू विवाद के चलते महिला ने यह कदम उठाया हो सकता है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है ताकि मौत की सही वजह सामने आ सके। पुलिस आसपास के लोगों और परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ कर रही है।

फिलहाल पुलिस ने इस मामले में संदिग्ध मौत का केस दर्ज कर लिया है। जाँच अधिकारी घटनास्थल से मिले सबूतों और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर आगे की कार्रवाई कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जाँच पूरी होने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी। इस घटना ने इलाके के लोगों को भी झकझोर कर रख दिया है।

एक मिनट में जड़ दीं 50 चप्पलें...

ललितपुर, 25 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में बस स्टैंड पर उस समय हंगामा मच गया, जब प्रेमी के साथ भाग रही पत्नी को उसके पति ने पकड़ लिया और जमकर मारपीट शुरू कर दी। पति और उसके परिजनों ने प्रेमी और पत्नी की चप्पलों से जमकर पिटाई कर दी। बीच सड़क पर हंगामा और मारपीट होते देख मौके पर आम लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रेमी और पत्नी की चप्पलों से जमकर मारपीट का वीडियो भी किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। फिलहाल हंगामा की सूचना पाकर मौके पर पहुँची पुलिस ने दोनों को अपने साथ ले गई। जाखलौन थाना इलाके का यह मामला है। कस्बे में रहने वाली एक महिला अपनी ससुराल से चोरी-छिपे अपने प्रेमी के साथ घर से भाग गई। जब इसकी जानकारी जैसे ही उसके पति को मिली तो उसने अपने परिजनों सहित घर से 22 किलोमीटर दूर तक पीछा करके उसे ललितपुर बस स्टैंड पर पकड़ लिया। जहाँ प्रेमी और पत्नी को उसकी सास ने एक मिनट में 50 बार चप्पल मारी। यही नहीं, अपने प्रेमी को पिटता हुआ देख बहू ने जब बचाने की कोशिश की तो सास ने अपनी बहू को भी चप्पलों से जमकर पीट दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट विवाद सुलझने के आसार, खत्म होगा पश्चिम एशिया का संकट

तेहरान

पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव अब सुलझने की कगार पर पहुंच गया है। अमेरिका और इजरायल के साथ जारी गतिरोध के बीच अब ईरान ने भी शांति समझौते को लेकर बेहद सकारात्मक संकेत दिए हैं। तेहरान की ओर से स्पष्ट किया गया है कि वह वैश्विक व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट को फिर से पूरी तरह खोलने के लिए तैयार है। हालांकि, स्थिति को पूरी तरह से युद्ध-पूर्व के सामान्य स्तर पर लाने में करीब एक महीने यानी 30 दिनों का समय लग सकता है।

इस संभावित शांति समझौते के तहत दोनों पक्षों के बीच 60 दिनों के युद्धविराम विस्तार पर सहमति बनने की चर्चा है। इस अवधि के दौरान होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह सुरक्षित और टैक्स-मुक्त रखा जाएगा, जैसा कि तनाव शुरू होने से पहले था। ईरान की ओर से यह प्रस्ताव भी रखा गया है कि जैसे ही अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट के बाहर से अपनी नाकेबंदी हटाएगा, वैसे ही ईरान भी इस मार्ग को पूरी तरह सक्रिय कर देगा। इसके अलावा, ईरान इस समुद्री मार्ग में बिछाई गई बारूदी माइन्स को हटाने में भी सहयोग करने के लिए राजी हो गया है। इसके बदले में अमेरिका ईरान को कुछ आर्थिक प्रतिबंधों से छूट दे सकता है, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिर से अपना कच्चा तेल बेच सके। वैश्विक स्तर पर इस समझौते को लेकर हलचल तेज है। भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ मीडिया से बात करते हुए संकेत दिए कि ईरान के साथ बातचीत सकारात्मक दिशा में बढ़ रही है और आने वाले कुछ ही घंटों में दुनिया को एक बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। हालांकि, इसके साथ ही अमेरिका ने अपना पुराना रुख भी स्पष्ट रखा है कि किसी भी समझौते की स्थिति में ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस शांति समझौते के मुख्य मसौदे के तहत अमेरिका और उसके सहयोगी देश तेहरान को यह भरोसा देंगे कि वे उस पर हमला नहीं करेंगे। बदले में ईरान भी अमेरिकी सहयोगियों की सुरक्षा को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा। वर्तमान में इस प्रस्तावित समझौते की समीक्षा ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा की जा रही है। वहां से मंजूरी मिलने के बाद इसे अंतिम मुहर के लिए सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह मुजतबा खामेनेई के पास भेजा जाएगा। यदि दोनों पक्षों में अंतिम सहमति बनती है, तो यह पश्चिम एशिया सहित पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप की नासमझी और बडो के प्रति गलत व्यवहार परिवारिक के माहौल को बिगाड़ सकता हैं . यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए संयमित रहने की जरुरत हैं वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है.कर्ज लेने से बचें। धार्मिक ग्रंथ का स्वाध्याय करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज काम बनता हुआ दिख रहा हैं रुका हुआ सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा , छात्रों के लिए समय अच्छा हैं इस समय मे किया हुआ कार्य उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी , आप की जान–पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. शिवलिंग पर केशर मिश्रित दूध चढाए । काम से फुर्सत लेकर कुछ रिलैक्स करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप के रुके हुए काम मे परिवार का सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच–समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है.आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. दाम्पत्यजीवन सुखमय हैं स्वास्थ्य का देखभाल करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह कुछ ऐसा वाद विवाद होगा जिससे पारिवारिक सदस्यो का मन विचलित हो सकता है. आप को सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार–व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. छोटे बालक को दूध की सेवा करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप का भाग्य प्रबल हैं आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं मानसिक शांति के लिए आप को परिवार के साथ धर्म युक्त यात्रा करनी होगी ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

समय आज अनुकूल हैं आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. छात्रो का शिक्षकों के साथ करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे गाय को गेहूं का भूसा खिलाए ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शिवलिंग पर दूध चढाए एवं पंचाक्षर मंत्र का जप आप को कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन–जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं। कुछ नया और सकारात्मक काम आप को मान प्रतिष्ठा देगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खर्च ज्यादा होगा घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा जिससे मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है.यात्रा पर दही का प्राशन करके ही निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आय का स्रोत बढेगा आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. शारीरीक कष्ट बनेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा सीनियर भी काम का अधिक प्रेशर देंगे पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच–विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.बस हनुमानजी को सिन्दूर तेल चढ़ाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज समय नक्षत्र आप के लिए अनुकूल हैं बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से मुलाकात होगी कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.भोजन पर नियंत्रण रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को परिवार के प्रति जिम्मेदारी पूर्ण रवैया अपनाना पडेगा परिवार के साथ रुखा व्यवहार करने से परेशानी मे आ सकते हैं . यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है.किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा–प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी , शिव मंत्र का जप करें ईष्ट का स्मरण करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 मई 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी अहोरात्र तक
नक्षत्र : हस्त अहोरात्र
योग : सिद्धि रात्रि 03:09 तक
करण : वणिज सायं 05:45 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघडिया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 05:45 से , अधिक मास चालू है

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्री जगन्नाथ सेवा समिति के पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का पंचम दिवस संपन्न

श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान हुआ गोल्डन टेम्पल परिसर

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेम्पल में श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा आयोजित पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का पंचम दिवस श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। समिति के मानद मंत्री एवं प्रेस एवं विज्ञापन संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि समिति द्वारा 21 मई से 27 मई 2026 तक आयोजित इस महायज्ञ में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

सोमवार के यज्ञ के कार्यक्रम संयोजक शंकर लाल अग्रवाल रहे। वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों के मध्य यज्ञ संपन्न हुआ, जिसमें अनेक श्रद्धालु परिवारों ने यजमान के रूप में भाग लिया।

सोमवार को यज्ञ के यजमानों में श्री बुधराम जी द्वारका प्रसाद जी परिवार से राहुल अग्रवाल–प्रेरणा अग्रवाल, श्री दिनेश कुमार जी प्रणय कुमार जी परिवार से प्रणय अग्रवाल–रशिका अग्रवाल, बंसल मार्बल परिवार से सत्यभूषण बंसल–मंजू बंसल, श्री अमर लाल जी अमन कुमार जी परिवार से अमन अग्रवाल–साक्षी अग्रवाल, श्री गोवर्धनदास जी पुरुषोत्तम लाल जी परिवार से राजेश अग्रवाल–रीता अग्रवाल, श्री त्रिलोक चंद जी बिशन लाल जी भालवाले परिवार से घनश्याम दास अग्रवाल–गार्गी अग्रवाल तथा श्री नारायण लाल जी पंकज कुमार बहेती परिवार से पंकज बहेती–प्रियंका बहेती उपस्थित रहे।

प्रसाद के यजमानों में श्री छंगामल प्रमोद कुमार जी सरायवाले, श्री मुरारीलाल जी मांसाराम जी, श्री धनराज जी सोनी तथा श्री अमरनाथ जी अजय कुमार जी दोचानिया शामिल रहे।

कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, महेश कुमार डाकोतिया, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्री गुलाब चंद अग्रवाल, सुशील केडिया, कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार अग्रवाल, भूमि पूजन संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्य अजय कुमार दोचानिया, सीए सुरेश कुमार अग्रवाल, किशन दास डागा, परामर्शदाता मुकुंद लाल सोंथालिया, महेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले एवं सुरेंद्र कुमार गोयल उपस्थित रहे।

अन्य गणमान्य महानुभावों में मगन लाल सरायवाला, अशोक कुमार सरायवाला, मनसाराम अग्रवाल, वेद प्रकाश मनोकामना, सुनील कुमार अग्रवाल, के.पी. अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, राहुल सिंघल एवं वैभव गुप्ता आदि उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त विट्ठलदास अग्रवाल, मनोज कुमार लालाजी, बजरंग लाल शर्मा, विजय कुमार थंबी, नारायण बाहेती एवं जवाहरलाल सोलंकी ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। महिलाओं में संतोष अग्रवाल, माया अग्रवाल, प्रेमा बाहेती, शकुंतला सोलंकी, सीता अग्रवाल, शिखा अग्रवाल, गीता अग्रवाल एवं सरला डागा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।समिति के संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शंकरलाल अग्रवाल ने समस्त सनातन धर्मप्रेमियों से महायज्ञ में पधारकर यज्ञ दर्शन करने एवं प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

श्री राम नाम आराधना महिला मण्डल एवं कृष्ण गोपाल सेवा समिति द्वारा अल्पाहार वितरण कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री राम नाम आराधना महिला मण्डल एवं कृष्ण गोपाल सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में कुल्फी–आइसक्रीम अल्पाहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भावना के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं महिला सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जीव दया मित्र मण्डल की अध्यक्ष सरस्वती बाई राठी एवं कान्ता बाई काकड़ा द्वारा कृष्ण गोपाल सेवा समिति के अध्यक्ष कपिल कुमार अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, मनोज कुमार गुप्ता, खुश अग्रवाल, सिद्धार्थ पन्तयम, आनन्द चौकड़ा, गोपी किशन चौकड़ा एवं कन्हैयालाल चौकड़ा का लॉ फॉर काऊ मोमेंटो एवं पूर्व शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।कार्यक्रम में डॉ. शैलेश वाणिया 'शैल', ओमप्रकाश राठी, गोवर्धन राठी, तारा बाई शर्मा, प्रेम बाई दायमा, दुर्गा शर्मा, बीता बाई वर्मा, लीला देवी तोष्णीवाल, किशन देवी, शोभा बंग, दिलीप बंग, निबिल तोतला, गोपाल राठी, जयश्री सुदर्शन, कान्ता बाई कंठ तिवाड़ी, राखी कौशिक, उपासना कौशिक, मागीबाई जाजे, सुरेश राधाकिशन बागड़, रोशनलाल जार, सुरेश जाट, अरुणा जाट, चन्नु प्रकाश शर्मा, अनु शर्मा, दिव्या रोहा, संदीप कुमार बाहेती, पियुष जैन, चम्पा भाठी, संतोष रेखा मान्ली, मंगला राठी, छाया राठी एवं सीए गोविन्द राठी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त पूजा बंग, शरद बंग, पुरुषोत्तम राम, सुनीता राठी, तारा राठी, सोनू जानू, संगीता जाजू, प्रभा सोनी, लता मिया, सरोज दरक, ओकात दरक, अजित कुमार जायसवाल, आशिष तोतला, पुष्पा बाई वर्मा, मंजु वर्मा, प्रेमलता वर्मा, पुष्पाबाई मालागी एवं शीतल राठी ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।कार्यक्रम में लता लाहोटी, सुशीला बाई मुंदड़ा, लक्ष्मीकान्ता काबरा, सरला भहड़ एवं अन्य सहयोगी सदस्यों की उपस्थिति रही। आयोजनकर्ताओं ने सभी सहयोगियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा एवं जीव दया के कार्यों में सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया।

शेयर रिक्लेम का भव्य उद्घाटन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव ने किया शुभारंभ

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदरगुड़ा स्थित शेयर रिक्लेम कार्यालय का उद्घाटन समारोह हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रामचंद्र राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और विधिवत पूजा–अर्चना के साथ कार्यालय का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर स्थानीय कॉर्पोरेटर सुरेखा ओम प्रकाश विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में भाजपा नेता विमल डालिया, श्रीराम सारडा, रामनिवास सारडा, नारायण सारडा, लड्डू यादव सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने सारडा परिवार को नए कार्यालय के शुभारंभ पर बधाई देते हुए व्यवसाय की सफलता एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। उपस्थित जनों ने नए कार्यालय की प्रगति एवं निरंतर सफलता की शुभेच्छाएं व्यक्त कीं।

राधे–राधे ग्रुप की सेवा भावना से जुड़ना हम सभी का सौभाग्य : विनोद तोषनीवाल

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित सेवा कार्यक्रम में श्रद्धा, सेवा और समर्पण का सुंदर वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में उपस्थित सेवकों ने मानव सेवा को ही सच्ची ईश्वर सेवा बताते हुए समाज में सकारात्मक संदेश देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए विनोद तोषनीवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह सौभाग्य है कि हमें इस सेवा अभियान से जुड़कर जरूरतमंदों की सहायता करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धर–सूवाले, विनोद तोषनीवाल, प्रवीण विजयवर्गीय, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, मोहित अग्रवाल, रेनू गुप्ता एवं रेनू शर्मा सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

श्री राजमतीजी म.सा. राजुल आदि ठाणा–3 का चातुर्मास मंगल प्रवेश 24 जुलाई को

जैन श्री संघ मलकपेट की बैठक में चातुर्मास तैयारियों को लेकर विभिन्न समितियों का गठन

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन श्री संघ मलकपेट के मार्गदर्शकों, पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक संघ अध्यक्ष सुरेश गादिया की अध्यक्षता में बम्ब सिंघी भवन, मलकपेट में आयोजित की गई। संघ के मंत्री अशोक सिंघवी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि सभा का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ। तत्पश्चात संघ के वरिष्ठ श्रावक स्वर्गीय राजेन्द्र जी गादिया के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो लोगस का जाप किया गया। संघ मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2026 में जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य परम पूज्य गुरुदेव श्री मिश्री मलजी म.सा. मधुकर एवं श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनय मुनिजी म.सा. भीम की आज्ञानुवर्ती जिनशासन चंदिका परम पूज्य गुरुणी मैया श्री लक्ष्मी प्रकाशजी म.सा. की सुशिष्या, जिनशासन दीपिका मधुर व्याख्याणी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. राजुल, मुस्कान प्रिय एवं स्पष्ट वक्ता श्री विनयश्री जी म.सा. तथा नवदीक्षित श्री जीव्याश्री जी म.सा. आदि ठाणा–3 का चातुर्मास बम्ब सिंघी भवन में आयोजित होगा। चातुर्मास को भव्य रूप प्रदान करने हेतु संघ द्वारा पारस डोसी, दिलीप गादिया एवं गिरिराज सिंघी को प्रधान संयोजक तथा गौतमचंद चाणोदिया को स्वागत अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया, जिसका सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।

संघ अध्यक्ष सुरेश गादिया ने बताया कि महासती मंडल का चातुर्मास मंगल प्रवेश 24 जुलाई 2026 को बम्ब सिंघी भवन, मलकपेट में होगा। मंगल प्रवेश शोभायात्रा श्री भूरालालजी पूनमचंदजी संदीपकुमारजी कोचेटा परिवार, मलकपेट वालों के निवास स्थान से प्रारंभ होकर दयानंद नगर एवं आनंद नगर मार्ग से होते हुए बम्ब सिंघी भवन पहुंचेगी, जहां धर्मसभा आयोजित की जाएगी।

इस अवसर पर कोचेटा परिवार द्वारा अल्पाहार की व्यवस्था रहेगी। धर्मसभा में महासती मंडल द्वारा जिनवाणी एवं प्रवचन प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के पश्चात श्री भागचंदजी ज्ञानचंदजी कोचेटा परिवार द्वारा गौतम प्रसादी का आयोजन रखा गया है। श्री संघ की ओर से लाभार्थी परिवार का आभार व्यक्त किया गया।

चातुर्मास को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया।

धन संग्रह समिति में कुशलराज पोकरणा, योगेश सिंघी, पुखराज तातेड़, प्रदीप डोसी, पूनमचंद कोचेटा, प्रेम कोठारी एवं पवन नाहर को शामिल किया गया। भोजन व्यवस्था समिति में पारसमल भंडारी, गणपतराज सिंघवी, राजेंद्र कोठारी, राजेश खींवासरा, छतरसिंह श्यामसुखा एवं मनोहर सिंघी को जिम्मेदारी सौंपी गई। आवास व्यवस्था समिति में संजय सिंघवी, तीर्थ सिंघवी, विमल पितलिया एवं राजेश रायसोनी को शामिल किया गया। वहीं विहार सेवा समिति में कमल सिंघवी, योगेंद्र गादिया, अभिषेक कोठारी, श्री पाल समदड़िया एवं अक्षय कोठारी को दायित्व प्रदान किया गया। व्यवस्था समिति में राजेश आंचलिया को जिम्मेदारी दी गई। इन समितियों में सेवा देने वाले अन्य श्रावक–श्राविकाओं को भी जोड़ा जाएगा।बैठक में सुरेश गादिया, अशोक सिंघवी, गिरिराज सिंघी, गौतमचंद कोठारी, अशोक कोठारी, कमल सिंघवी, पूनमचंद कोचेटा, गौतमचंद चाणोदिया, पुखराज तातेड़, सीए कांतिलाल कोठारी, पारस डोसी, दिलीप गादिया, प्रेम कोठारी, गणपतराज सिंघवी, संजय सिंघवी, राजेंद्र कोठारी, राजेश खींवासरा, तीर्थ सिंघवी, योगेंद्र गादिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अर्जुन को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने सहे थे इस योद्धा के 12 तीर

महाभारत में वर्णित एक ऐसी ही कहानी है कर्ण और अर्जुन के युद्ध के समय की।

महाभारत युद्ध में कर्ण और अर्जुन आमने-सामने थे। युद्ध बहुत भयंकर होता जा रहा था। दोनों योद्धा एक-दूसरे पर शक्तियों का प्रयोग कर रहे थे। कर्ण ने अर्जुन को हराने के लिए सर्प बाण चलाने का निर्णय किया। इस बाण को कर्ण ने वर्षों से अर्जुन पर प्रहार के लिए रखा था। वास्तव में ये बाण पाताललोक में अश्वसेन नाम का नाग था, जो अर्जुन को अपना शत्रु मानता था। इसका कारण ये था कि खांडववन में अर्जुन ने उसकी माता का वध किया था। अश्वसेन तभी से अर्जुन को मारने के लिए मौके की तलाश में था।

कर्ण को सर्प बाण का प्रयोग करते देख अश्वसेन खुद बाण पर विराजित हो गया। कर्ण ने अर्जुन पर तीर से निशाना बनाया। अर्जुन बाण का रूप धारण किए नाग को पहचान नहीं पाए जबकि अर्जुन का रथ चला रहे भगवान कृष्ण ने अश्वसेन को तत्काल ही पहचान लिया। अर्जुन के प्राणों की रक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपने पैरों से रथ को दबा दिया। रथ के पहिए जमीन में धंस गए। घोडे बैठ गए और तीर अर्जुन के गले की बजाय उसके मस्तक पर जा लगा। इससे उसका मुकुट छिटककर धरती पर जा गिरा।

इस तरह श्रीकृष्ण ने अपने पार्थ अर्जुन को बचा लिया। अर्जुन और भगवान कृष्ण रथ के धंसे पहिए निकालने के लिए नीचे उतरे। तभी मौका देखकर कर्ण ने अर्जुन पर वार शुरू कर दिया और कृष्ण को 12 तीर मारे। पूरी सृष्टि के रचयिता भगवान श्रीकृष्ण ने उन बाणों के घाव को सह लिया। भगवान ने अर्जुन को अश्वसेन के बारे में बताया। अर्जुन ने छह तीरों से अश्वसेन के टुकड-टुकडे कर दिए और इस तरह भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं पीडा सहते हुए अपने परमप्रिय अर्जुन को बचा लिया।

महाभारत के युद्ध को इतिहास के सबसे भीषण रक्तपात वाले युद्धों में से एक माना जाता है। इस युद्ध से जुडी हुई कहानियां आज भी याद की जाती है। देखा जाए तो 18 दिनों तक चले इस युद्ध से हम आज भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। श्रीकृष्ण ने युद्ध के समय दुविधा में घिरे अर्जुन को गीता सार द्वारा जीवन की कई महत्वपूर्ण घटनाओं से लडने की शिक्षा दी थी।

धन की देवी लक्ष्मी की ये 5 बातें जानकर खुल जाएंगे किस्मत के दरवाजे

हिंदू धर्म में देवी लक्ष्मी का स्थान बहुत बड़ा है, हर घर में लक्ष्मी की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि अगर लक्ष्मी आप पर मेहरबान रहे तो आपके घर में धन, सुख की वर्षा जरूर होगी। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे देवी लक्ष्मी से जुडी ऐसी 5 रोचक बातें जो आपके भाग्य बदल सकती हैं।

1. देवी लक्ष्मी को पुराणों में भगवान विष्णु की पत्नी का दर्जा हासिल है। इन्हें धन की देवी के रुप में पूजा जाता है। इनका प्रतीक है अक्षय कलश जिसे देवी लक्ष्मी ने अपने हाथों में ले रखा है। यह कलश आप इनकी हर मूर्ति में देख सकते हैं। इसी कलश से वह धन की वर्षा करती हैं।

2. देवी लक्ष्मी को कमला नाम से भी जाना जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि वह कमल पर विराजमान रहती हैं। साथ ही इनके हाथों में कमल के फूल भी हैं। कमल पर यह इसलिए विराजमान रहती हैं क्योंकि इनका जन्म सागर में हुआ था ऐसी मान्यता है।

3. देवी लक्ष्मी की मूर्तियों में हाथी होते हैं। दरअसल यह गज लक्ष्मी का स्वरुप होता है। इस तस्वीर का मतलब है कि देवी जल और जीवन को दर्शा रही हैं। जल से इनका संबंध कृषि और जीवन से है, वहीं हाथी वर्षा का प्रतीक है।

4. अक्सर आपने सुना होगा लक्ष्मी के साथ ही अलक्ष्मी का भी वास होता है। देवी लक्ष्मी की बडी बहन अलक्ष्मी हमेशा देवी लक्ष्मी के साथ रहती हैं, इसलिए जहां भी केवल धन का वास होता है वहां सुख ज्यादा देर नहीं टिक पाती। ऐसे में हमें विष्णु की पूजा करनी चाहिए, उनके पूजन से अलक्ष्मी दूर होती है।

5. देवी लक्ष्मी का वाहन हाथी है। हाथी को गणेश जी का भी स्वरूप माना जाता है जो शुभता को दर्शाता है यानी जहां शुभ कर्म होंगे वहां लाभ भी होगा और लक्ष्मी भी होगी।

कुंती के जन्म से जुडा है ये रहस्य, जिसने बदल दी महाभारत की कहानी

कुंती के यहां ऋषि दुर्वासा पधारे और कुंती ने उनकी खूब सेवा की। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर ऋषि दुर्वासा ने कुंती को आशीर्वाद दिया कि वो जिस भी देवता का ध्यान करके मंत्र का उच्चारण करेगी, उस देवता के समान ही उसे पुत्र की प्राप्ति होगी।

महाभारत में कई चरित्र ऐसे हैं जिन्हें हमेशा से सवालों के घेरे में रखा जाता है। पांडवों और सूर्यपुत्र कर्ण की मां के रूप में कुंती द्वारा लिए गए कई निर्णयों को गलत ठहराया जाता है। जैसे महारथी और दानशील कहलाए जाने वाले कर्ण को स्वीकार न करके नदी में बहा देने की घटना को आज भी अधिकतर लोग सही नहीं मानते।

जबकि एक गलतफहमी के कारण दंड के रूप में द्रौपदी का विवाह पांचों भाईयों से करवा देने के निर्णय को भी अधिकतर लोग, खासकर आधुनिक बुद्धिजीवी वर्ग द्वारा आलोचना की जाती है, लेकिन इन सब बातों से ऊपर उठकर गहराई से सोचें तो महाभारत के अधिकतर पात्र स्वयं पूर्वजन्म या बचपन में कई भीषण समस्याओं से गुजर चुके थे, जिसके कारण उनका व्यक्तित्व और कर्म प्रभावित हुए। कुंती भी इस बात का अपवाद नहीं है।

क्या आप कुंती के जन्म से जुडे रहस्य के बारे में जानते हैं। वास्तव में आज भी कितने ही लोग कुंती का असली नाम नहीं जानते। इसका कारण ये भी है कि महाभारत पर बने टीवी सीरियल्स में कुंती के जन्म से जुडी हुई कहानी को विस्तार से नहीं दिखाया गया। चलिए, हम आपको बताते हैं राजकुमारी कुंती के जन्म से जुडे हुए रहस्य के बारे में।

पृथा था राजकुमारी कुंती का नाम

यदुवंश के प्रसिद्ध राजा शूरसेन श्रीकृष्ण के पितामह थे, जिनकी पृथा नामक एक पुत्री थी। शूरसेन के फुफेरे भाई कुंतीभोज की कोई सन्तान नहीं थी, इसलिए शूरसेन ने कुंतीभोज को वचन दिया कि उनकी पहली संतान को उन्हें गोद दे देंगे। फलस्वरूप पृथा शूरसेन की पहली पुत्री थी जिसे कुंतीभोज ने गोद लिया था। जिसके बाद पृथा का नाम कुंती पड गया। इस प्रकार कुंती को मिला मंत्र द्वारा संतान उत्पत्ति का वरदान।

एक बार कुंती के यहां ऋषि दुर्वासा पधारे और कुंती ने उनकी खूब सेवा की। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर ऋषि दुर्वासा ने कुंती को आशीर्वाद दिया कि वो जिस भी देवता का ध्यान करके मंत्र का उच्चारण करेगी, उस देवता के समान ही उसे पुत्र की प्राप्ति होगी।

इस तरह कुंती ने सबसे पहले सूर्यदेव की स्तुति की, जिससे उन्हें महारथी कर्ण संतान के रूप में प्राप्त हुए। इसके बाद पांडु से विवाह होने के लिए बाद उन्हें युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन की प्राप्ति हुई।

ध्यान रखें सोमवार को बिल्बपत्र पेड से नहीं तोडना चाहिए

ध्यान रखें सोमवार को बिल्बपत्र पेड से नहीं तोडना चाहिए। इसके साथ ही चतुर्थी, अष्टमी, नवमीं, चतुर्दशी और अमावस्या को बिल्बपत्र तोडना शास्त्रों में निषेध माना गया है। श्रावण माह में शिवलिंग पर बिल्बपत्र अर्पित करने बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने पर शिवभक्त की मनोकामना जरूर पूरी होती है। यदि बिल्बपत्र की जड का जल अपने सिर पर लगाएं तो इससे सारे तीर्थों के दर्शन का पुण्य लाभ मिलता है।

बिल्बपत्र को शिवलिंग पर अर्पित करने के कुछ नियम होते हैं। यदि आप इनका पालन करते हैं तभी यह शुभकारक है। ध्यान रखें सोमवार को बिल्बपत्र पेड से नहीं तोडना चाहिए। इसके साथ ही चतुर्थी, अष्टमी, नवमीं, चतुर्दशी और अमावस्या को बिल्बपत्र तोडना शास्त्रों में निषेध माना गया है। श्रावण सोमवार को गंध, फूल, धतूरे से जो बिल्ववृक्ष की जड की पूजा करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही श्रावण सोमवार के दिन यदि कोई कुंवारी कन्या व्रत रखें तो उसे उत्तम वर की प्राप्ति होती है।

स्त्रियों को खुश रखने के ये हैं अचूक उपाय

यदि घर की स्त्री प्रसन्न है तो जिंदगी भी सुख पूर्वक गुजरती है। मनु स्मृति में स्त्रियों को खुश रखने के लिए तीन अचूक उपाय बताए गए हैं। हालांकि आधुनिक समय में इनकी व्याख्या अलग हो सकती है।

मनु स्मृति के विचारों को हिंदू धर्म के आधार के तौर पर देखा जाता रहा है। इस पौराणिक ग्रंथ में कई रीति-रिवाज, संस्कारों के बारे में विस्तार से बताया गया है। स्त्रियों के बारे में भी इस ग्रंथ में बताया गया है, कि उन्हें कैसे प्रसन्न रखा जा सकता है। मनुस्मृति के अनुसार, जिस घर के पुरुष अपनी पत्नी, माता या बहन को अच्छे वस्त्र प्रदान करते हैं, उस घर पर भगवान हमेशा प्रसन्न रहते हैं। ऐसे घर में हमेशा सुख-शांति बनी रहती है और सभी कामों में सफलता मिलती है। जिस घर की महिलाएं खुश रहती हैं, वहां देवताओं का निवास माना जाता है। महिलाओं को आभूषण प्रिय होते हैं। हर मनुष्य को अपने घर की महिलाओं को गहने उपहार में देना चाहिए। जिस घर की महिलाएं अच्छे कपडे और गहनों से श्रृंगार करती है, वहां कभी दरिद्रता नहीं रहती। ऐसे घर में हमेशा खुशहाली और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। पुराणों में महिलाओं का सम्मान करने की बात कही गई है। जिस घर में महिलाओं से बुरी तरह से बात की जाती है या उनका सम्मान नहीं किया जाता, ऐसे घर में भगवान भी नहीं रहते।

यहां भगवान से की गई प्रार्थना की स्वयं अनुभूति होती है

यहां दशहरे में लंकापति रावण को नहीं जलाया जाता है, क्योंकि रावण ने यहां भगवान शंकर की तपस्या की थी। यही नहीं आज तक जिस ने भी यहां रावण के पुतले को जलाने का प्रयास किया। उसे भारी हानि उठानी पडी।

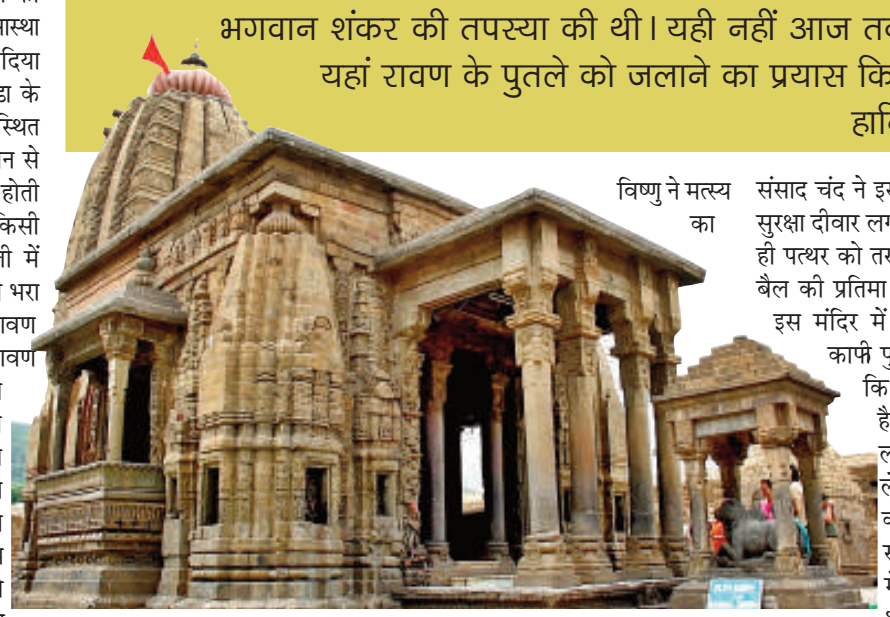

हिमाचल प्रदेश के चप्पे-चप्पे में आस्था की झलक मिलती है। यहां की संस्कृति, देवी-देवताओं पर गहरी आस्था के कारण ही इसे देवभूमि का नाम दिया गया है। देवभूमि के जिला कांगडा के बैजनाथ में ऐतहिासिक शिव मंदिर स्थित है। जहां शिव भगवान से सच्चे मन से की गई प्रार्थना की स्वयं अनुभूति होती है कि कहीं प्रार्थना की गई है और किसी ने उसे सुना है। शिखराकार शैली में निर्मित यह मंदिर कई रहस्यों से भी भरा हुआ है। यहां दशहरे में लंकापति रावण को नहीं जलाया जाता है, क्योंकि रावण ने यहां भगवान शंकर की तपस्या की थी। यही नहीं आज तक जिस ने भी यहां रावण के पुतले को जलाने का प्रयास किया। उसे भारी हानि उठानी पडी। इसी मंदिर के आसपास किसी सुनार को भी अपना व्यवसाय खोलने की इजाजत नहीं है। जो दुकान चलाता है, वह दुकान ही नष्ट हो जाती है।

मंदिर से जुडी एक परंपरा जिसे अखरोट मार यानी अखरोटो की बरसात भी कहते हैं, बेहद रोचक है। इस परंपरा को हर साल बैकुठ चौदस के दिन निभाया जाता है। इस बार बैंकुठ चौदस 24 नवंबर को है। इस परंपरा के तहत शाम ढलते ही बैजनाथ शिव मंदिर की छत से हजारों अखरोटों की बरसात की जाती है। इन अखरोटों को नीचे मंदिर परिसर में खडे लोग प्रसाद के रूप में एकत्रित करते हैं। यह परंपरा सदियों से निभाई जा रही है। इस बार भी 11 हजार अखरोटों की बरसात यहां की जाएगी।

इसलिए मनाई जाती है परंपरा

मंदिर के पुजारी सुरेंद्र आचार्य बताते हैं कि इस परंपरा को मनाने के पीछे पौराणिक कथा है कि शंकासुर नामक राक्षस ने देवताओं पर जीत हासिल की मगर देवताओं की शक्ति से पार न पा सका। जब उसे पता चला के देवता वेद मंत्रों के कारण उस पर भारी पड रहे हैं तब उसने वेद मंत्रों को छीनकर जल में प्रवाहित कर दिया। उसके बाद भगवान विष्णु ने मत्स्य का रूप धारण कर वेद मंत्रों को वापस लाकर देवताओं को सौंप दिया। इसी खुशी में पहले यहां आभूषणों की बारिश की जाती थी। इसे कई दशक पहले बंद कर दिया गया था तथा इसके स्थान पर अब अखरोटों की बारिश की जाती है।

नौवीं शताब्दी में निर्मित है मंदिर

पठानकोट-मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे में स्थित यह मंदिर नौंवी शताब्दी में निर्मित है। इसका निर्माण उस समय मयूक और अहूक नाम के दो भाइयों ने करवाया था। कांगडा के अंतिम राजा संसाद चंद ने इस मंदिर की मरम्मत व सुरक्षा दीवार लगवाई थी। मंदिर में एक ही पत्थर को तराश कर बनाई गई नंदी बैल की प्रतिमा आकर्षण का केंद्र है। इस मंदिर में स्थापित शिवङ्क्षलग काफी पुरानी है। कहा जाता है कि यह वही शिवङ्क्षलग है, जिसे लंकापति रावण लंका ले जा रहा था लेकिन एक शर्त पूरी न करने के कारण यह यहीं स्थापित हो गई थी। बाद में रावण ने यहीं तपस्या भी की थी।

शिवरात्रि व घृत पर्व भी है आकर्षण का केंद्र

मंदिर में शिवरात्रि और घृत पर्व भी आकर्षण का केंद्र है। यहां हर साल शिवरात्रि का महोत्सव राज्य स्तर पर पांच दिन मनाया जाता है। इसके अलावा मकर संक्रांति के दिन यहां घृत पर्व शुरू होता है। इसमें शिवङ्क्षलग के ऊपर सात दिन तक कई क्विंटल देशी घी को फिर से मक्खन का रूप देकर घृत चढाया जाता है। इसे बाद में लोग चर्म रोगों से मुकित के लिए लगाते है।

क्या कभी सोंचा है कि भगवान के सामने अगरबत्ती क्यूं जलाते हैं

क्या आपको पता है कि हम किसी धार्मिक समारोह में अगरबत्ती क्यों जलाते हैं। इसके एक से ज्यादा कारण हैं। यह एक हिन्दू प्रथा है जो सदियों से चली आ रही है। हर हिन्दू प्रथा के पीछे कुछ न कुछ ठोस कारण होते हैं। चलिए अगरबत्ती जलाने के पीछे क्या कारण है यह भी जानें।

आध्यात्मिक कारण: अगरबत्ती जलाने के पीछे आध्यात्मिक कारण है। ऐसा मानते हैं कि अगरबत्ती से जो धुंए के छल्ले निकलते हैं वह हमारी पूजा को सीधे भगवान के पास ले जाते हैं। यह आपके विचार को सुंदर और पवित्र रखते हैं।

अगरबत्ती का धुआं किस तरह ले सकता है आपकी जान

अगरबत्ती के पूरे जलने पर वातावरण में अच्छी खुशबू फैलती है और राख पीछे छूट जाती है। यह एक हिन्दू प्रथा है जो इंसान के स्वभाव को दर्शाता है। यह इंसान को दूसरों के लिए कुर्बानी देना सिखाता है। यह अपनी आकांक्षा को छोडकर दूसरों की जिंदगी में उजाला करना सिखाता है। इसलिए हम धार्मिक समारोह में अगरबत्ती जलाते हैं।

मनोवैज्ञानिक कारण:

अगरबत्ती को कई रोगोपचार में भी इस्तमाल करते हैं। जब आप अगरबत्ती जलाते हैं तो इसकी खुशबू से दिमाग पर हीलिंग और आरामदेह प्रभाव पडता है। आप मानसिक तौर पर रिलैक्स हो जाते हैं और जब आप किसी धार्मिक समारोह में बैठते हैं तो आप अपनी परेशानी को भूल जाते हैं।

भगवान की पूजा में आपका दिल और दिमाग लगता है। जब आप पूरे मन से पूजा करते हैं तो यह समाधि का काम करता है और इससे तनाव दूर होता है।

माहौल बनाता है:

हिन्दू प्रथा में जब आप अगरबत्ती जलाते हैं तो यह आपके आस पास की गन्दी बदबू को हटाता है। यह किसी धार्मिक समारोह के लिए सही माहौल बनाता है। अगरबत्ती के सुगंध मात्र से आप यह समझ सकते हैं कि कोई धार्मिक अनुष्ठान चल रहा है। इससे कीडे मकौडे भी दूर भागते हैं।

दूसरे कारण: अगरबत्ती सिर्फधार्मिक प्रथा का ही हिस्सा नहीं हैं, यह कई दशकों से चीन, इजिप्ट, तिब्बत की प्रथाओं में चला आ रहा है। वह इसका इस्तमाल धार्मिक समारोह में ही नहीं पर निजी चीज जैसे एरोमा थेरेपी में भी करते आ रहे हैं। इसलिए अगली बार जब आप अगरबत्ती जलाते हैं तो यह ध्यान रखिये कि यह आपको एक से अधिक रूप में फायदा पहुंचाता है।

अगरबत्ती के पूरे जलने पर वातावरण में अच्छी खुशबू फैलती है और राख पीछे छूट जाती है। यह एक हिन्दू प्रथा है जो इंसान के स्वभाव को दर्शाता है। यह इंसान को दूसरों के लिए कुर्बानी देना सिखाता है। यह अपनी आकांक्षा को छोडकर दूसरों की जिंदगी में उजाला करना सिखाता है। इसलिए हम धार्मिक समारोह में अगरबत्ती जलाते हैं।

मोटी महिलाओं के बच्चों में होता है

ऑटिज्म का खतरा

मोटापे और मधुमेह की शिकार महिला के गर्भ में पल रहे शिशु में छठे महीने के दौरान आकार बढ़ने की पांच गुणा ज्यादा संभावना होती है। एक अध्ययन के अनुसार ऐसी महिलाओं के गर्भस्थ शिशू में ऑटिज्म का खतरा भी चार गुना बढ़ जाता है।

महिलाओं पर शोध के बाद सामने आया नतीजा

मोटापे और मधुमेह से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के बच्चों के 'ऑटिज्म' के साथ जन्म लेने का खतरा चार गुना अधिक रहता है। ये बात अनुसंधानकर्ताओं ने 1998 से 2014 के बीच मां और बच्चे की 2700 से अधिक जोड़ियों का अध्ययन करके पता लगाई है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह दोनों से ग्रस्त होने वाली मां जिन बच्चों को जन्म देती है, उनमें ऑटिज्म का खतरा स्वस्थ मां से पैदा हुए बच्चों की तुलना में चार गुना अधिक होता है। वहीं गर्भवती महिला को इनमें से कोई एक समस्या, मोटापा अथवा मधुमेह होने पर बच्चों में ऑटिज्म का खतरा दोगुना होता है।

क्या है ऑटिज्म

ऑटिज्म एक ऐसा रोग है, जिसमें रोगी बचपन से ही परिवार, समाज तथा बाहरी माहौल से जुड़ने की क्षमताओं को गंवा देता है। यह एक तरह का न्यूरोलॉजिकल डिसॉर्डर है, जो बातचीत और दूसरे लोगों से व्यवहार करने की क्षमता को सीमित कर देता है। इसे ऑटिस्टिक स्पैक्ट्रम डिसॉर्डर कहा जाता है, क्योंकि प्रत्येक बच्चे में इसके अलग-अलग लक्षण देखने को मिलते हैं। इनमें से कुछ बच्चे बहुत जीनियस होते हैं या उनका आईक्यू सामान्य बच्चों की तरह होता है, लेकिन उन्हें बोलने और सामाजिक व्यवहार में दिक्कत होती है। कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सीखने-समझने में परेशानी होती है और वे बार-बार एक ही तरह का व्यवहार करते हैं।

मेटाबालिक हेल्थ पर बुरा असर पड़ने का नतीजा

जनरल में प्रकाशित अपने लेख में कहा कि यह बहुत आश्चर्यजनक नहीं है। कई अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह से भ्रूण के विकास और उनके मेटाबोलिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि गर्भवती महिलाओं में मोटापा और मधुमेह जन्म लेने वाले बच्चे के तंत्रिका तंत्र के विकास पर भी प्रभाव डालता है। अध्ययन से हालांकि यह साबित नहीं होता है कि मां का मोटापा और मधुमेह बच्चे में ऑटिज्म की बीमारी का कारण बन सकता है। डा. वांग का कहना है कि इसे साबित करने के लिए अभी और अध्ययन की जरूरत है।

एक्टिव रहें, धीमी शुरुआत करें

जो लोग आमतौर पर कसरत नहीं करते, उन्हें धीमी शुरुआत करनी चाहिए। उन्हें अपनी गति और कसरत का वक्त भी धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए। हफ्ते में ढाई घंटे कोई शारीरिक गतिविधि करने का लक्ष्य बनाएं। इसके लिए चाहें तो वॉकिंग भी की जा सकती है। हफ्ते में पांच दिन रोजाना आधा घंटा पैदल चलना अच्छा रहेगा। इसके साथ ही अगर वक्त की कमी के चलते आप एक साथ तीस मिनट नहीं चल सकते हैं।

नाखून चबाने से होती है ये लाइलाज बीमारी

हम अक्सर अपने आस-पास लोगों को नाखून और उसके आस-पास की स्किन चबाने देखते हैं। वैसे तो नाखून की स्किन चबाना हमें आम सी बात लगती हैं लेकिन शायद आप यह नहीं जानते कि इस गंदी आदत की वजह से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। इससे पेट संबंधी परेशानी होना स्वाभाविक है। इससे पाचन शक्ति भी कमजोर होती है। नाखून चबाने से अन्य भयानक रोग भी हो सकते है।

क्रोध एक प्राकृतिक भावना है। ईसा पूर्व 200 वर्षो से 200 ईसवी तक के काल के बीच लिखे गए नाट्य शास्त्र में क्रोध को एक 'रस' या नैसर्गिक भाव कहा गया है।

आइए समझें गुस्से का मनोविज्ञान

अमेरिकन फिजियोलॉजिकल एसोसिएशसन ने 'गुस्से को विपरीत परिस्थितियों के प्रति एक सहज अभिव्यक्ति कहा गया है। इस उग्र प्रदर्शन वाले भाव से हम अपने ऊपर लगे आरोपों से अपनी रक्षा करते हैं। लिहाजा अपनी अस्तित्व रक्षा के लिए क्रोध भी जरूरी होता है। आधुनिक जीवनशैली किसी भी व्यक्ति को तनाव में धकेल सकती है। अब जबकि हजारों लोगों को अपने रोजगार और घरों से हाथ धोना पड़ रहा है और यहां तक कि सेवानिवृत्त लोगों की सुरक्षित राशियां भी बाजारी उथल-पुथल के कारण गायब होती जा रही हैं - इस लिहाज से इस काल को 'ऐज ऑफ एनग्जाइटी' या व्यग्रता का युग कहा जा सकता है। इसके विपरीत, यह भी सच है कि कुछ लोग चाहे उनकी आर्थिक या पारिवारिक स्थिति कैसी भी हो, हमेशा तनाव में रहते हैं। दरअसल, वह पैदाइशी तनावग्रस्त होते हैं।

क्या आपको गुस्से की समस्या है?

गुस्से को पहचानने की जरूरत है। लोगों को टाइप ए और टाइप बी पर्सनालिटी के आधार पर पहचानें। टाइप ए पर्सनालिटी के लोग वे होते हैं जिनकी किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा ज्यादा तीव्र होती है। ऐसे लोगों को गुस्सा बहुत जल्दी आता है, वह जल्द ही धैर्य खो बैठते है। आप भी इस श्रेणी में आ सकते हैं, अगर आपमें ये बातें है

- धैर्य की कमी
- खाना जल्दी खाना
- बैचेनी
- काम-काज के दौरान चिड़चिड़ापन
- गुस्से के दौरान खुद को नुकसान पहुंचाना

गुस्से पर करें काबू

- गुस्से पर नियंत्रण रखने के लिए बेहतर है कि आप सकारात्मक और क्रिएटिव काम करें
- गुस्सा होने पर किसी म्यूजिकल इंस्ट्रुमेंट को बजाएं
- कमरे को साफ करें, पिक्चर देखने जाएं, थोड़ा घूम आएं
- कुछ भी ऐसा करें जिससे आपका ध्यान कुछ देर के लिए बंट जाएं
- मजाक तनाव दूर करने का सबसे बेहतर तरीका है।
- शोध दर्शाते हैं कि तनाव को दूर करने के लिए पानी पीना चाहिए। यह तनाव को दूर करता है
- समय पर खाना खाने से, कसरत करने से और पर्याप्त आराम करने से गुस्सा कम आता है
- योगा, मेडिटेशन और कांगनेटिव तकनीक भी तनाव और गुस्से को दूर करने में कारगर है

ज्यादा टीवी देखना

हिंसक प्रोगाम देखना, क्राइम शो आदि बच्चों के मन-मस्तिष्क को पूरी तरह प्रभावित करते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि कई बार युवा हिंसा के प्रति संवेदनशील नहीं रहते और उन्हें किसी कार्य का प्रतिरोध करने के लिए गुस्सा नाजायज नहीं लगता।

बेचैनी और तनाव भी बढ़ाते हैं क्रोध

तनाव डर से अलग होता है। इनसान या किसी अन्य जीवित प्राणी को डर उसके सामने मौजूद किसी चीज से लगता है। इसके विपरीत तनाव में व्यक्ति अपनी निर्णय करने की क्षमता को लेकर उलझा रहता है। व्यक्ति इस दौरान 'तब क्या होगा' के भंवर में फंसकर रह जाता है। लेकिन जब डर कामकाज से उलझने लगता है तो तनाव 'क्लीनिकल एनग्जाइटी डिसॉर्डर' का रूप ले लेता है, जिसके अपने कई रूप हैं जिनमें पैनिक, सोशल एनग्जाइटी, फोबिया, ऑब्सेसिव-कम्पलसिव, पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस और सबसे ऊपर एनग्जाइटी डिसॉर्डर हैं। चिंता दिमाग में एमिग्डला में अत्यधिक हलचल के कारण उत्पन्न होती है जो दिमाग के बीच का हिस्सा होता है। दिमाग का यह हिस्सा नएपन और किसी खतरे का सामना होने की सूरत में सजग होता है। अपने साधारण कामकाज के दौरान एमिग्डला नए वातावरण के प्रति शारीरिक क्रियात्मक उत्तर देता है। इस क्रिया में भावनात्मक अनुभवों की स्पष्ट यादें होती हैं। लेकिन कगान के अध्ययनों के मुताबिक विशिष्ट मानसिक बनावट वाले लोगों में एमिग्डला अतिक्रियात्मक होता है।

दिमाग को ठंडा रखें

अकसर गुस्से के दौरान किसी को समझाने के लिए कहा जाता है कि अपने दिमाग को ठंडा रखो। हाल ही एक शोध में एक बात सामने आई है कि अगर दिमाग को ठंडा रखा जा सकें तो हृदय और पक्षाघात के खतरों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। छात्र हैरिस ऐसे ही शोध में लगे हुए है। उन्होंने ऐसा कूल हेलमेट डिजाइन किया है जो कि हाइपरथैमिया को प्रेरित करने के काम आता है। आप भी इस बात से वाकिफ होंगे कि माथे पर ठंडा कपड़ा रखने से सिरदर्द में आराम मिलता है।

ये हैं गुस्से के प्रमुख कारण

नींद

सोना अचेतन की अवस्था होती है। सोने से शरीर के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। सोने के दौरान लगातार इस्तेमाल होने वाले मांसपेशियां और जोड़ रिकवर होते हैं। रक्तचाप कम होता है और हृदय गति कम होती है। उसी दौरान शरीर में ग्रोथ हार्मोन का स्रवण होता है। इस दौरान ही दिमाग रोजमर्रा की सूचनाओं को एकत्रित करने का काम करता है। तनाव, लंबे समय तक कार्य, जीवनशैली के कारण सोने की समस्याएं होती है। बिना पूरी नींद के दिमाग और शरीर सही तरीके से फंक्शन नहीं कर पाता। पर्याप्त नींद न लेने से कई तरह की बीमारियां होती है। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त नींद और आराम आवश्यक है।

पूरी नींद लें

- कॉफी, चाय, कोला, चॉकलेट का सेवन सीमा में करें। निकोटीन, एल्कोहल और कैफीन से आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती।
- अपने दिमाग और शरीर को रिलैक्स होने का समय दें।
- मेडिटेशन करें, किताब पढ़ें, संगीत सुनें और एरोमाथेरेपी करें।
- सोने और जागने की दिनचर्या बनाएं।

शारीरिक अवस्था- कुछ स्थितियां जैसे कि एडीडी (एडिशन डेफिसिट डिअसॉर्डर)की वजह से लोग चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं। हार्मोनल असुंतलन और हृदय रोगों की वजह से भी लोग जल्दी आपा खो बैठते हैं।

अकेलापन

किसी नई जगह पर अकेले रहना गुस्से का एक कारण होता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जिन लोगों के दोस्त कम होते हैं सामान्यतः उन्हें गुस्सा जल्दी आता है। ऐसे बच्चे जो कि न्यूक्लियर फैमिली में पैदा होते हैं और उनके माता या पिता में से कोई एक मानसिक रूप से पीड़ित होता है। मानसिक अनियमितता की वजह से वे गुस्सैल हो जाते हैं। वे गाली देने लगते हैं, भाई-बहन से मारपीट करने लगते हैं, चीजों को तोड़ते हैं। मनोचिकित्सकों का कहना है कि अगर आपका बच्चा गुस्सा ज्यादा करता है मतलब वह कहीं न कहीं हताश है।

महत्वाकांक्षा

कारपोरेट दुनिया ने प्रगति के दो पैमाने बना दिए है पहला प्रदर्शन और दूसरा कम समय में काम को बेहतर तरीके से कर सकने की क्षमता। इस पैरामीटर पर खरा उतरने की कोशिश में कई बार लोग हताश और गुस्सैल प्रवृत्ति के हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि दूसरों की भावनाओं की कद्र न करना, लोगों के अभिवादनों के प्रति संवदेनशीलता कम होना, भौतिक सुख-साधनों को पाने का लालच ज्यादा बढ़ना हमेशा गुस्से का कारण बनता है। आज के दौर में कई प्रोफेशन ऐसे हो गए हैं जिनमें कई बार उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना करना पड़ता है और उनकी सही-गलत बातों को मुस्कराकर सुनना पड़ता है। ऐसे में कई बार कुछ न कह सकने की हताशा गुस्से में परिणित हो जाती है।

गुस्सा बिगाड़ता है सेहत

गुस्सा वातावरण को तो खराब करता ही है। आपकी सेहत को भी नुकसान पहुंचाता है। गुस्सैल लोगों के फेफड़ों का फंक्शन खराब करता है साथ ही इम्यून सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है।

इसकी वजह से आप तनाव से होने वाली बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। गुस्सैल व्यक्ति खुद को तो नुकसान पहुंचाता है, अपने आसपास के माहौल को भी बिगाड़ता है। एक बुरा पहलू ये है कि गुस्सा करने वाले व्यक्ति को इस बात का इल्म तक नहीं होता कि वह गुस्सा है लेकिन सुखद पक्ष ये है कि गुस्से को नियंत्रित और मैनेज किया जा सकता है।

इस पैशन से पचास बीमारियां

नौजवानों का पैशन है बाइक ड्राइविंग। हैवी ट्रैफिक के बीच घंटों तेज रफ्तार में ड्राइविंग जिस्म पर भारी पड़ती है और दिमाग पर भी। शहरी बाइकर्स के लिए तो यह समस्या और अधिक है क्योंकि शहर की भीड़-भाड़ ड्राइविंग को न सिर्फ जोखिम भरा बना रही है, बल्कि सेहत पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। जिस्म और दिमाग दोनों इसके शिकार हो रहे हैं।एक अंदाजा है कि महानगरों में नौजवान रोजाना औसतन 60 से 100 किलोमीटर तक बाइक भगाते हैं। लड़कियां भी इस मामले में कहीं पीछे नहीं हैं। लड़कियां रोजाना 40 से 60 किलोमीटर तक गाड़ी चलाती हैं। अब तो स्कूल-कॉलेज जाने के लिए भी लड़के-लड़कियां दुपहिए दौड़ाने लगे हैं। इन सबका नतीजा यह हो रहा है कि छोटी उम्र में ही दस तरह की शारीरिक व मानसिक परेशानियां होने लगी हैं।

आंखों को लगी नजर

बाइक सवारों की आंखों को बहुत कुछ झेलना पड़ता है जैसे धूप, हवा, धूल, धुआं और यहां तक कि हवा में उड़ने वाले कीट-पतंगे भी। आंखों में बहुत ज्यादा हवा, धूल, धूप लगने से 'टरेजियम' की समस्या पैदा हो जाती है। इससे आंखों से लिसलिसा पदार्थ निकलने लगता है जिसकी वजह से जलन, खुजली और लालिमा की समस्या पैदा हो जाती है। वहीं लगातार ड्राइव करने की वजह से आंखें शुष्क हो जाती हैं और उनमें जलन होने लगती है। कई बार ड्राइव करते समय दिखना भी बंद हो जाता है।

टेढ़े बैठे तो नाजुक गर्दन गई

करीब दस हजार लोगों में शोध करने पर पाया गया कि गर्दन की समस्याएं अक्सर ठीक ढंग से सवारी (बॉडी का सही पॉस्चर न होना) न करने की वजह से होती हैं। इसमें हेल्मेट को ठीक से न पहनना एक बड़ा कारण माना जाता है। इसकी वजह से कभी-कभी गर्दन में दर्द होने लगता है। ऐसा खासकर तब होता है जब हेल्मेट सिर पर काफी आगे की तरफ हो। अगर हेल्मेट आगे की ओर से नीचे झुका हुआ है तो बाइक सवार को सामने देखने के लिए अपना सिर उठाकर रखना पड़ता है।

कॉरपल टनल सिंड्रोम के लक्षण

- सिर एवं अंगुलियों में दर्द, हाथ एवं पैर की अंगुलियों में सिहरन, अंगुलियों का सुन्न होना, ग्रिप (पकड़) का ढीला होना, हाथों और कलाइयों में दर्द की शिकायत का बढ़ना आदि।

बचाव के टिप्स

- लेटते समय अपने हाथ के नीचे तकिया रखें।
- अपने हाथों का अत्याधिक इस्तेमाल न करें।
- केवल एक ही हाथ से काम न करें।

ऐसे करें बचाव

ज्यादा बाइक चलाने से होने वाले पीठ दर्द से बचा जा सकता है। लगातार एक घंटा बाइक चलाने से बचें। अगर किसी वजह से एक घंटे से अधिक बाइक चलानी पड़ भी रही है तो बीच में एक ब्रेक लें। रुक कर अपनी टांगों की स्ट्रैचिंग करें। ड्राइव करते वक्त अपनी पोजीशन समय समय पर बदलते रहें। ध्यान रखें कि ऐसा करते समय वाहन पर आपके नियंत्रण में कोई कमी न आए। रेड लाइट शरीर को आराम देने के लिए सही जगह है, जहां आप अपने हाथों, कंधों और पैरों को हिला-डुला कर उन्हें सुन्न होने से बचा सकते हैं।

क्लच से कलाई का कबाड़ा

यह कलाई और हाथों में होने वाला एक दर्द विकार है। कॉरपल टनल हाथों की पतली हड्डियों और कलाई के ऊतकों द्वारा बनाई गई एक सुरंग है। यह सुरंग आपकी मंझली तंत्रिका की हिफाजत करती है। मंझली तंत्रिका अंगूठे, तजर्नी, मध्यमा और अनामिका तक संवेदन का अहसास कराती है, लेकिन जब कलाई की नाजुक हड्डियों और स्नायु पर दबाव पड़ता है तो सूजन बढ़ने लगती है। दबाव पड़ने की सूरत में इससे संबंधित विभिन्न हिस्से सुन्न पड़ने लगते हैं। बाइक चलाने वालों में यह समस्या अधिक देखने में आती है। अंगुलियों का सुन्न होना एक खतरनाक लक्षण है। अक्सर इसका संबंध कॉरपल टनल सिंड्रोम से होता है। बाइक चलाते समय कलाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कैसे करें बचाव

- ड्राईविंग करते समय अपना पॉस्चर सही रखें।
- यह सुनिश्चित करें कि बाइक चलाते वक्त आपका हेल्मेट आपके सिर पर ठीक तरीके से फिट हो और उसका झुकाव आगे की ओर न हो।
- गाड़ी चलाते वक्त भारी बैग को अधिक समय तक एक ही कंधे पर ना लटकाए रहें। उसे दोनों कंधों पर बारी-बारी से टांगें।
- मसाज कराने और गर्म पानी से नहाने से रोगी को तात्कालिक आराम मिल सकता है।
- पर्याप्त मात्र में कैल्शियम और विटामिन डी लेना चाहिए तथा नियमित रूप से व्यायाम करें।
- यदि आपके कंधे में सूजन, अंगुली में झनझनाहट, गर्दन दर्द या सिर दर्द है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें क्योंकि इसका संबंध आपकी बाइक ड्राइविंग से हो सकता है।

रेसिपी

सोया दही वड़ा!

सामग्री

1 कप सोयाबीन सोया बड़ी, 2 - आलू (उबलें), 1 - प्याज (बारीक कटा हुआ) , 2 - हरी मिर्च (बारीक कटी हुई) , 1 टीस्पून गरम मसाला पाउडर , 1/4 टी स्पून अदरक कूटा हुआ , 1/4 कप ब्रेड , क्रम्ब्स स्वादानुसार,नमक , दही के लिए सामग्री, 1 टीस्पून राई ,1 टीस्पून उडद दाल, 1 टीस्पून अदरक, कद्दूकस किया हुआ, 7-8 करीपत्ते , 2 कप बटरमिल्क ,4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर , आधा टीस्पून चाट, मसाला , तेल व घी

विधि

एक बाउल लें उसमे स्टफिंग की सभी सामग्री को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण के छोटे-छोटे गोले बना लें। अब इन गोलों को सुनहरा होने तक सेंकें। अब तैयार गोलों को अलग रख दें। अब एक पैन ले इसमें घी डालें और गर्म होने पर राई डाले। फिर इसमें उडद दाल, करीपत्ता डालें। फिर इसे भी अलग रख दें। अब दही का मिश्रण तैयार करने के लिए बटरमिल्क को अच्छे से फेंट लें फिर इसमें सभी मसाले और नमक को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को बाउल में डालकर इसमें तैयार गोलों को डालें। ऊपर से इसमें इमली की चटनी डालें और 20 मिनट के लिए फ्रिज में रखे। अब लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला से गार्निशें करके सर्व करें।

आलू की खीर

सामग्री

दूध आधा लीटर
आलू 1
शक्कर स्वादानुसार
थोड़ा सा केसर
मिक्स ड्रायफ्रूट्स 2 टेबलस्पून कटे हुए

विधि

सबसे पहले दूध को गाढा होने तक उबालते रहें। अब आलू को मीडियम साइज में काट लें। आलू को काटने के बाद में इनहें घी में लाइट फ्राई करें। अब इसमें केसर व शक्कर मिलाकर शक्कर के पिघलने तक पकाएं। फ्राई किए हुए आलू व ड्रायफ्रूट्स मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। अब आलू की खीर को फ्रिज में ठंडा करने के लिए रखें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

आरक्षण पर 'सुप्रीम' सवाल

सर्वोच्च अदालत की एक न्यायिक पीठ ने ओबीसी के उन बच्चों को लगातार आरक्षण देने पर सवाल उठाया है, जिनके परिवार शैक्षिक और आर्थिक रूप से उन्नत, समृद्ध हो चुके हैं। जिनके माता-पिता दोनों ही आईएएस अधिकारी हैं अथवा सरकार में उच्च पदों पर हैं या उनकी संयुक्त आय 'मलाईदार तबके' (क्रीमी लेयर) की अधिकृत, अधिकतम सीमा से अधिक है। अर्थात जिन माता-पिता की साझा सालाना आय 8 लाख रुपए से अधिक है, उनके बच्चों को आरक्षण क्यों दिया जाना चाहिए? न्यायिक पीठ ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी यह भी की है-शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण के साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है। यदि आरक्षण हमेशा जारी रहा, तो हम कभी भी इस चक्र से बाहर नहीं निकल पाएंगे। दरअसल आरक्षण आज अपने सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक मायने खो चुका है और इसे 'राजनीतिक हथियार' बना दिया गया है। संविधान तय करने वाले हमारे पुरखों ने अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए 10 साल के आरक्षण की व्यवस्था की थी, लेकिन वीपी सिंह के प्रधानमंत्री काल के दौरान आरक्षण के दायरे में ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) को भी लाया गया। उसके बाद करीब 50 फीसदी आरक्षण आज भी जारी है। कुछ राज्यों ने आरक्षण की अधिकतम सीमा पार करने और मुसलमानों को भी आरक्षण देने का जुगाड़ कर लिया है। वे सर्वोच्च अदालत के फैसले का भी उल्लंघन कर रहे हैं। संविधान लागू हुए भी 76 साल से अधिक वक्त बीत चुका है। आज शीर्ष अदालत को फिर सवाल उठाना पड़ा है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने जो सवाल उठाया है, उसे देश की राजनीतिक व्यवस्था नजरअंदाज कर देगी, क्योंकि वह आरक्षण की समीक्षा तक के पक्ष में नहीं है। 2024 का लोकसभा चुनाव याद कीजिए। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और विपक्ष के कुछ दलों ने संविधान की एक प्रतीकात्मक पुस्तिका लहराते हुए फर्जी नेरेटिव फैला दिया था कि भाजपा सरकार संविधान को बदलने जा रही है, लिहाजा उसने 400 सीट का लक्ष्य तय किया है। यदि संविधान बदलेगा, तो भाजपा आरक्षण भी समाप्त कर सकती है, क्योंकि संघ परिवार मानसिक और वैचारिक तौर पर आरक्षण-विरोधी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को विश्वास दिलाने के खूब प्रयास किए कि न तो संविधान बदलेगा और न ही आरक्षण समाप्त होगा। आरक्षण आज भी जारी है। अंततः नतीजा यह हुआ कि चुनाव में भाजपा को सामान्य बहुमत भी नहीं मिला और वह 240 सीट पर ही ठहर गई। उप्र में भाजपा लक्ष्य से 50 फीसदी से भी कम सीटें जीत पाई और सपा के 37 सांसद जीत कर लोकसभा पहुंचे। कांग्रेस को भी 'रुंगे' में 6 सीट मिल गईं। ऐसा ही नेरेटिव अब फिर शुरू किया जा सकता है। 'आरक्षणवादी विपक्ष' सर्वोच्च अदालत के सवाल की भी राजनीतिक, चुनावी व्याख्या कर सकता है। आरक्षण की व्यवस्था सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं, विसंगतियों से लडने और एक सामाजिक, शैक्षिक समानता का न्याय देने के विचार से की गई थी। एक औसत आईएएस, आईपीएस अधिकारी को करियर की शुरुआत में ही 'इन हैंड सैलरी' 95,000-1 लाख रुपए से अधिक मिलती है। नौकरी के अनुभव और वरिष्ठता क्रम में यह वेतन 2 लाख रुपए या उससे अधिक माहवार हो जाता है। सरकारी आवास और वाहन की सुविधाएं अलग हैं। ऐसे अधिकारियों का सत्ता के गलियारों में 'भौकाल' अलग किस्म का होता है। ऐसे माता-पिता का बच्चा जब किशोर होता है और 10वीं कक्षा तक पहुंचता है, तो गणना कर लीजिए कि ऐसे अधिकारी माता-पिता की सालाना आय कितनी 'मलाईदार' होगी? तो ऐसे बच्चों को 'पिछड़ा' मान कर, सामाजिक विपन्न, वंचित मान कर, क्या आरक्षण की सुविधा देनी चाहिए? न्यायिक पीठ का मानना है कि यदि अगली पीढ़ी भी आरक्षण मांगती रहेगी, तो समाज कभी इस व्यवस्था से बाहर नहीं निकल पाएगा। दरअसल 1992 के ऐतिहासिक 'इंदिरा साहनी' फैसले से 'क्रीमी लेयर' की व्यवस्था अस्तित्व में आई थी। यह मुद्दा अनिवार्य भी है, लेकिन उससे ज्यादा संवेदनशील भी है। शीर्ष अदालत को अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए इस मुद्दे पर फैसला सुनाना चाहिए अथवा भारत सरकार को निर्देश देना चाहिए।

राज्यों ने आरक्षण की अधिकतम सीमा पार करने और मुसलमानों को भी आरक्षण देने का जुगाड़ कर लिया है। वे सर्वोच्च अदालत के फैसले का भी उल्लंघन कर रहे हैं। संविधान लागू हुए भी 76 साल से अधिक वक्त बीत चुका है। आज शीर्ष अदालत को फिर सवाल उठाना पड़ा है। न्यायमूर्ति बी .वी . नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने जो सवाल उठाया है, उसे देश की राजनीतिक व्यवस्था नजरअंदाज कर देगी, क्योंकि वह आरक्षण की समीक्षा तक के पक्ष में नहीं है। 2024 का लोकसभा चुनाव याद कीजिए। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और विपक्ष के कुछ दलों ने संविधान की एक प्रतीकात्मक पुस्तिका लहराते हुए फर्जी नेरेटिव फैला दिया था कि भाजपा सरकार संविधान को बदलने जा रही है, लिहाजा उसने 400 सीट का लक्ष्य तय किया है। यदि संविधान बदलेगा, तो भाजपा आरक्षण भी समाप्त कर सकती है, क्योंकि संघ परिवार मानसिक और वैचारिक तौर पर आरक्षण-विरोधी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को विश्वास दिलाने के खूब प्रयास किए कि न तो संविधान बदलेगा और न ही आरक्षण समाप्त होगा।

कुछ अलग

अदालत में कॉकरोच

उस दिन पूरे अदालत परिसर में स्वच्छता अभियान चला था। सफाई के अभियान में वही थे, जो कोर्ट में हमेशा हाजिर रहते हैं। यानी सबसे अधिक सफाई वे कर रहे थे जो आरोपी थे या अभियुक्त थे, लेकिन वकीलों में भी गजब का जोश था। अदालत के कर्मचारियों को पहली बार पता चला कि वे भी परिसर में साफ सुथरे रह सकते हैं। जज के आसन और आसपास ही काफी कुछ ऐसा मिला कि महोदय खुद हैरान थे कि ऐसा कब और कैसे हुआ, 'वहां तो रोज सफाई होती है और उनके आदेशों-निर्देशों से देश को सफाई की नजर से देखा जाता है, बल्कि अब तो धार्मिक स्थान भी उन्हीं के कहने पर उजले-उजले दिखाई दे रहे हैं। सियासी गलियारों, पुलिस के पिटारों और ब्यूरोक्रेसी के नजारों तक की वह चुटकी में सफाई कर देते हैं। दलील से लेकर कोर्ट में आई हर अपील की सफाई सिर्फ उनके कहने मात्र से हो जाती है।' यह अलग बात है कि सफाई के मामले अब अदालत को कन्फ्यूज कर रहे थे। आदेश देने के बजाय कई बार उपदेश निकल आते हैं और कहीं निर्देश देने से पहले महेश बाहर आ जाते हैं। जज महोदय ने संविधान की किताब, बाबा भीमराव अंबेडकर की तस्वीर और न्याय का तराजू तक को खुद ही साफ किया था, तो आसन के नजदीक कचरा आया कहां से। इन सवालों के बावजूद वह अदालत में मौजूद सभी को सफाई के लिए प्रेरित कर रहे थे कि बेरोजगारी से आरोपित एक युवा ने पूछा, 'जनाब क्या हम आपके आसन की सफाई कर दें।' जज साहब को बेरोजगार युवा का यह सुझाव पसंद नहीं आया। घूरते हुए जवाब दिया, 'हमारे हाथ लंबे हैं। हम बिना कारण भी लंबे हाथों का इस्तेमाल करना जानते हैं।

द्विपक्षीय वार्ता के दौरान वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने की प्रतिबद्धता जताई गई

व्यापार समझौतों में जान फूंकेंगे नए श्रम कानून

इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था से संबंधित वैश्विक आर्थिक संगठनों की रिपोर्टों में दो बातें रेखांकित हो रही हैं। एक, पश्चिम एशिया संकट के कारण देश की विकास दर में तेजी से गिरावट आ रही है। दो, भारत के तेजी से बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भारत के हित में अधिक लाभप्रद बनाने के मद्देनजर हाल ही में गजट अधिसूचना के माध्यम से पूरे देश में जमीनी स्तर पर लागू की गई चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड) जान फूंकते हुए दिखाई दे सकेंगी। इन चार श्रम संहिताओं- मजदूरी संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के तहत नए सरल श्रम कानून उद्योग-कारोबार को मजबूती और विकास की नई संभावनाओं को आकार देते हुए दिखाई दे सकेंगे। उल्लेखनीय है कि इस समय वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के कारण घटती हुई विकास दर को थामने तथा विकास दर को बढ़ाने के मद्देनजर भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और एफटीए की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 22 मई को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के बीच द्विपक्षीय वार्ता के दौरान वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने की प्रतिबद्धता जताई गई है। पिछले एक दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हुआ है। इसी तरह पिछले दिनों 15 से 20 मई तक प्रधानमंत्री मोदी ने पांच देशों- संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की आधिकारिक यात्रा के दौरान इन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार के महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। इनमें सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, रक्षा और क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौते प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के दौरान इन देशों की 50 बड़ी वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के द्वारा भारत में अपनी व्यापार विस्तार योजनाओं के लिए लगभग 40 अरब डॉलर की राशि का निवेश संकल्प जताया गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस यात्रा के दौरान 19 मई को ओस्लो में संपन्न भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन यूरोप के नॉर्डिक क्षेत्र के साथ भारत के रिश्तों को व्यापक बनाने के मामले में अहम रहा है। नॉर्डिक देशों में उत्तरी यूरोप के डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन जैसे देश शामिल हैं। अब भारत इनके साथ पारंपरिक कूटनीतिक रिश्तों के बजाय गहन रणनीतिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रहा है। नार्डिक देशों की कई बड़ी कंपनियों में से कई कंपनियां पहले से ही भारत में काफी अधिक निवेश कर चुकी हैं और उनका भारत में कुल निवेश लगभग 180 अरब डॉलर के आसपास है। नार्डिक देशों ने अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है और

इसके बदले में भारत ने इन देशों की रक्षा कंपनियों को रक्षा उद्योग गलियारे में 100 फीसदी विदेशी निवेश पहुंच प्रदान करना सुनिश्चित किया है। उल्लेखनीय है कि भारत एफटीए की डगर पर भी तेजी से बढ़ रहा है। पिछले माह 27 अप्रैल को भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक एफटीए पर हस्ताक्षर हुए हैं। न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा ब्रिटेन और ओमान के साथ किए गए एफटीए का भी इसी वर्ष 2026 में आगामी महीनों में कार्यान्वयन शुरू होगा। साथ ही भारत-यूरोपीय संघ एफटीए का क्रियान्वयन भी इसी वर्ष संभावित है। इस समझौते को सभी समझौतों की जननी कहा गया है। अब मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। इतना ही नहीं, कनाडा, इजरायल, रूस, पेरू, चिली, दक्षिण अफ्रीका और मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर काम में तेजी आएगी। निश्चित रूप से भारत के बढ़ते हुए व्यापार समझौतों के अत्यधिक सकारात्मक परिदृश्य के बीच भारत में लागू नए सरल श्रम कानूनों की नई लाभप्रद अहमियत दिखाई दे रही है। नए श्रम कानूनों से व्यापार समझौतों का प्रभावी रूप से लाभप्रद क्रियान्वयन होगा। नए श्रम कानूनों से श्रमिकों की सुरक्षा में वृद्धि और बेहतर रोजगार ढांचे के लिए नियमों का आधुनिकीकरण उभर कर दिखाई दे रहा है। वहीं इनसे उद्योग-कारोबार को रफ्तार मिलेगी। ये श्रम कानून देश में स्वतंत्रता के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधार हैं। ये नई श्रम संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और नारी शक्ति व युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों के लिए एक मजबूत नींव के रूप में काम करेंगी। साथ ही भविष्य के लिए एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करेंगी, जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा। निःसंदेह नई श्रम संहिताओं ने श्रम नियमों को सरल, निष्पक्ष और नए दौर के कामकाजी वातावरण के अधिक अनुकूल बना दिया है। ये नई संहिताएं श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा में सुधार करने, व्यवसायों के लिए नियमों का अनुपालन करना आसान बनाने और बढ़ती अर्थव्यवस्था में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के मद्देनजर अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों, उद्योगों और सरकार के हितों से संबंधित बहुआयामी लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अब नियोक्ताओं को सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करना होगा तथा गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित पूरे श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान करना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच प्रदान की जाना भी सुनिश्चित की गई है। अब तय अवधि के लिए ठेके पर काम करने वाले कामगारों को स्थायी श्रमिकों के बराबर सभी लाभ मिलेंगे और वे 5 साल के बजाय सिर्फ एक साल बाद ग्रेच्युटी पाने के हकदार होंगे। नए श्रम नियम महिलाओं को रात की पाली में काम करने और देश भर में कर्मचारियों के राज्य बीमा लाभों का विस्तार करने की अनुमति भी देते हैं। इन सबसे श्रम की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ेगी। अब आत्मनिर्भरता और स्वदेशी को नए श्रम कानून तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। साथ ही नई श्रम संहिताओं से देश सेवा क्षेत्र के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि नए श्रम कानूनों से सेवा निर्यात में भी वृद्धि होते हुए दिखाई देगी। दुनिया में इस समय अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम विश्व आर्थिक परिदृश्य में प्रकाशित सेवा निर्यात से संबंधित अध्ययन रिपोर्ट भी रेखांकित हो रही है। इसमें कहा गया है कि हाल के दशकों में भारत से सेवाओं का निर्यात वस्तुओं की तुलना में कहीं तेजी से बढ़ा है। ये ऐसी सेवाएं हैं जिन्हें बिना भौतिक निकटता के सीमाओं के पार पहुंचाना आसान है। साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म, क्लाउड कंप्यूटिंग और रिमोट वर्क ने कई सेवाओं को व्यापार योग्य बना दिया है। जैसे-जैसे दूरी का महत्त्व कम होता जा रहा है और डिजिटल व्यापार बढ़ रहा है, वैसे-वैसे भारत से सेवाओं का निर्यात बढ़ रहा है। वैश्विक सेवाओं के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी वर्ष 2005 में 1.9 फीसदी से बढक़र इस वर्ष 2025-26 में करीब 4.3 फीसदी हो गई है।

भारत के तेजी से बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भारत के हित में अधिक लाभप्रद बनाने के मद्देनजर हाल ही में गजट अधिसूचना के माध्यम से पूरे देश में जमीनी स्तर पर लागू की गई चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड) जान फूंकते हुए दिखाई दे सकेंगी। इन चार श्रम संहिताओं- मजदूरी संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के तहत नए सरल श्रम कानून उद्योग-कारोबार को मजबूती और विकास की नई संभावनाओं को आकार देते हुए दिखाई दे सकेंगे। उल्लेखनीय है कि इस समय वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के कारण घटती हुई विकास दर को थामने तथा विकास दर को बढ़ाने के मद्देनजर भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और एफटीए की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 22 मई को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के बीच द्विपक्षीय वार्ता के दौरान वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

देश दुनिया से

क्लब संस्कृति, सत्ता नेटवर्क और आम आदमी की दूरी

दिल्ली केवल भारत की राजधानी नहीं, बल्कि सत्ता की वह पुरानी चौसर है जहाँ मोहरे बदलते रहते हैं, पर खेल वही रहता है। यहाँ इतिहास केवल किताबों में नहीं बसता, बल्कि इमारतों की दीवारों, बंद दरवाज़ों और चमचमाते गलियारों में साँस लेता है। इस शहर में कुछ रास्ते जनता के लिए होते हैं और कुछ रास्ते उन लोगों के लिए, जिन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं पड़ती। लोकतंत्र की भीड़ भरी सड़कों के समानांतर यहाँ सत्ता के ऐसे शांत दरबार बसे हुए हैं, जहाँ प्रवेश केवल उन्हीं को मिलता है जिनके पास प्रभाव, वंश, संपर्क और सामाजिक प्रतिष्ठा का अदृश्य पासपोर्ट होता है। दिल्ली जिमखाना क्लब इसी स्थायी सत्ता का एक चमकदार प्रतीक है। हाल के दिनों में जब इस क्लब को खाली कराने और उसकी लीज समाप्त होने की चर्चा तेज हुई, तब पहली बार लगा कि किसी ने उस दुनिया की ओर उंगली उठाई है जिसे अब तक छूना भी असंभव माना जाता था। यह केवल एक भवन का प्रश्न नहीं है; यह उस मानसिकता का प्रश्न है जिसने लोकतंत्र के भीतर भी अभिजात्य साम्राज्य खड़े कर दिए। यह उस व्यवस्था पर सवाल है जिसमें कुछ लोग हमेशा मालिक बने रहते हैं और बाकी लोग केवल दर्शक। दिल्ली जिमखाना क्लब की स्थापना अंग्रेजों ने 1913 में "इम्पीरियल दिल्ली जिमखाना क्लब" के रूप में की थी। वह दौर केवल राजनीतिक गुलामी का नहीं, बल्कि सामाजिक अपमान का भी दौर था। अंग्रेजों ने क्लबों को मनोरंजन स्थल से अधिक सामाजिक छँटनी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया। वहाँ वही व्यक्ति "सभ्य" माना जाता था जो अंग्रेजी जीवन शैली के निकट हो। भारतीयों के लिए ऐसे क्लबों के दरवाज़े या तो बंद रहते थे, या इतने संकरे कि प्रवेश करते हुए भी उन्हें हीनता का अनुभव हो। भाषा, पहनावा, खान-पान और रंग तक से सामाजिक स्तर तय किया जाता था। आजादी आई, तिरंगा लहराया, अंग्रेज चले गए, लेकिन उनकी बनाई हुई सामाजिक संरचनाएँ पूरी तरह नहीं टूटीं। वायसराय हाउस राष्ट्रपति भवन बन गया, आईसीएस का नाम

आईएएस हो गया, पर सत्ता की आत्मा बहुत अधिक नहीं बदली। पहले जिन कुर्सियों पर गोरे साहब बैठते थे, वहाँ बाद में भूरे साहब बैठने लगे। लोकतंत्र आया, लेकिन अभिजात्य संस्कृति जस की तस बनी रही। दिल्ली जिमखाना धीरे-धीरे उस वर्ग का ठिकाना बन गया जिसे लोकतंत्र में भी कभी जनता के बीच जाकर स्वयं को सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। यहाँ सदस्यता मिलना किसी परीक्षा को पास करने से अधिक कठिन माना जाता है। वर्षों का इंतजार, लाखों की फीस और प्रभावशाली संपर्क—ये सब मिलकर इसे सत्ता के एक ऐसे दुर्ग में बदल देते हैं जहाँ केवल वही पहुँच सकता है जिसके पास विशेषाधिकार की चाबी हो। यह क्लब खेल से अधिक सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रमाणपत्र बन गया। विडंबना देखिए कि लोकतंत्र समानता की बात करता है, लेकिन राजधानी के हृदय में ऐसे द्वीप मौजूद हैं जहाँ समानता प्रवेश द्वार पर ही दम तोड़ देती है। देश का सामान्य नागरिक टैक्स देता है, पर जिन जमीनों पर ये क्लब खड़े हैं, वहाँ उसका सहज प्रवेश तक संभव नहीं। गरीब की झुग्गी पर बुलडोज़र चल सकता है, फुटपाथ पर बैठे रेहड़ी वाले को हटाया जा सकता है, लेकिन हजारों करोड़ की सरकारी जमीनों पर फैले इन स्थायी साम्राज्यों से प्रश्न पूछने की हिम्मत बहुत कम लोग कर पाते हैं। दिल्ली की सबसे क्रूर सच्चाई यही है कि यहाँ गरीब आदमी हमेशा अस्थायी होता है और अमीर आदमी हमेशा स्थायी। रिक्शावाले से पूछा जाता है कि "कब हटोगे?", लेकिन दशकों से सरकारी जमीनों पर बने एलीट क्लबों से कोई नहीं पूछता कि उनका अधिकार कब समाप्त होगा। यह केवल आर्थिक असमानता नहीं, बल्कि मानसिक असमानता है। समाज ने इसे प्रतिष्ठा और मर्यादा का नाम देकर सामान्य बना दिया है। लेकिन कहानी केवल जिमखाना तक सीमित नहीं है। दिल्ली गोल्फ क्लब हो, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर हो या इंडिया हैबिटेट सेंटर—ये सभी केवल संस्थान नहीं, बल्कि सत्ता के समानांतर संसार हैं। दिल्ली गोल्फ क्लब में केवल खेल नहीं होता; वहाँ सत्ता और पूँजी का मौन संवाद चलता है। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर बाहर से सांस्कृतिक मंच दिखता है, पर भीतर वह सेवानिवृत्त सत्ता का पुनर्जन्म स्थल बन जाता है। वहाँ वे लोग मिलते हैं जिनके पद समाप्त हो चुके होते हैं, लेकिन प्रभाव अब भी जीवित रहता है। इंडिया हैबिटेट सेंटर में वातानुकूलित सभागारों में गरीबी और सामाजिक न्याय पर चर्चाएँ होती हैं, जबकि उन्हीं चर्चाओं के बाहर खड़ा सामान्य नागरिक उस दुनिया का हिस्सा भी नहीं बन पाता जिसकी बातें उसके नाम पर की जा रही होती हैं। यही स्थायी सत्ता की असली ताकत है। सरकारें बदलती हैं, मंत्री बदलते हैं, राजनीतिक नारे बदलते हैं, लेकिन यह नेटवर्क हर शासन में सुरक्षित रहता है। यह वह वर्ग है जिसे चुनावी हार का भय नहीं होता, क्योंकि उसकी शक्ति केवल राजनीति से नहीं, सामाजिक पहुँच और संस्थागत प्रभाव से आती है। यही कारण है कि दिल्ली को केवल राजनीतिक राजधानी नहीं, बल्कि स्थायी सत्ता की राजधानी भी कहा जा सकता है। इतिहास गवाह है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग भी कई बार इस संरचना को चुनौती देने में असफल रहे। राजीव गांधी के दौर में सुरक्षा कारणों से इस क्लब को हटाने की चर्चा हुई, लेकिन वह संभव नहीं हो पाया।

आप का नज़रिया

पंद्रह सौ रुपए वाली गारंटी

सरकार की घोषणाएं जितनी बड़ी होंगी, विपक्ष का विरोध भी उसी अनुपात में दर्ज होगा। फिर एक मशाल जलाने की कोशिश में हिमाचल सरकार ने हैरत को धुआं-धुआं कर दिया। स्थानीय निकाय चुनाव के आंगन में फैसलों के कयास उस समय भारी पड़ गए, जब सरकार ने अपने थैले से महिला वर्ग के आंचल में पूरी गारंटी रख दी। यानी अब वक्त आ गया है कि सारी हदें खोल दी जाएं। कल तक कुछ कबाइली या कुछ विशेष क्षेत्रों तक बंटी 15 सौ रुपए की गारंटी अब हर उस हिमाचली महिला को नसीब होगी जिसकी आमदनी सालाना दो लाख से कम रहेगी। यानी इतनी महिलाएं लाभान्वित हो जाएंगी कि वोटर लिस्ट में तूफान आ सकता है। यही इशारा, यही इरादा विपक्ष को तीर की तरह लगता है और मंत्रिमंडल की बैठक ने पंचायत राज चुनावों के अंतिम पहर को लिया, तो भाजपा चुनावी गुठलियों के दाम ढूंढने लगी है। बहरहाल अब हिमाचल की हर मंत्रिमंडलीय बैठक को आने वाले विधानसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में तोला जाएगा। सारी खुदाई एक तरफ और चुनाव की तैयारी एक तरफ। सरकार अपनी प्रगति के पथ पर कई अहम फैसले, वक्त की इसी पैमाइश में लेगी और व्यवस्था परिवर्तन के सारे सारांश लिखेगी। यानी अपने ऐतिहासिक दस्तावेजों की जुंबिश लगाकर सुक्खू सरकार अपने अवतरण से अवतार बनने का सारा मसौदा दिखाएगी। सबसे अहम पड़ाव महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए प्रति माह का गारंटी शुदा भुगतान करके, वर्तमान सरकार अपने श्रेय की ईमानदार व्याख्या करेगी। यहां मसला न बजट की सादगी और न ही प्रदेश की प्राथमिकताओं का रहेगा, बल्कि जो कभी चुनावी मंच से कहा गया, उसे अगले चुनावों से पूर्व वादे की तरह निभा दिया गया। जाहिर है पंद्रह सौ का दांव भाजपा की दुकान को कमजोर करेगा। सुक्खू सरकार की काश्तकारी में मंत्रिमंडल की बैठक, प्रदेश की महत्त्वाकांक्षा को खाद पानी का प्रबंध कर रही है, तो अपने विजन की इमारत को भी बुलंद कर रही है। मसलन फैसलों की अहमियत से हर क्षेत्र को फसल उपलब्ध कराने की कोशिश जारी है। नौकरी के दरवाजे से अगर अठारह सौ के करीब पद गुजर रहे हैं, तो युवा वर्ग के माथे पर टीका लगाया जा रहा है। शिक्षा क्षेत्र में हाल की उपलब्धियां और राष्ट्रीय रैंकिंग में आए सुधार आगे बढ़ रहे हैं, तो सरकार हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत तीन सौ स्कूलों के स्तर को सीबीएसई के मानदंडों से तोल कर, सुविधाएं बढ़ाना चाहती है। कारोबारियों के नजरिए में बदलाव लाकर दुकानों को चौबीस घंटे व्यापार के हवाले करने की मंजूरी दे रही है। इससे हाईवे तथा डेस्टिनेशन टूरिज्म के अलावा परिवहन क्षेत्र में परिवर्तन आने की संभावना है। सरकार पिछली सरकार के फैसले को पलटते हुए कांगड़ा से मंडी पहुंचाए गए, शाहनहर के मुख्य अभियंता दफ्तर को पुनः फतेहपुर पहुंचा रही है। कई और अहम बिंदुओं की शिनाख्त में सरकार ने नीतिगत फैसले लिए हैं, लेकिन हर निर्णय में इच्छाशक्ति का प्रदर्शन भी हुआ है। यह हिमाचल के इतिहास में पहली बार हो रहा है कि सरकार अपने फैसलों की धरती को बसाना जानती है। हिम चंडीगढ़ की कल्पना के कार्यान्वयन में कई कदम ले रही सरकार ने अपने रिपोर्ट कार्ड में इसके नाम 8000 बीघा जमीन जुटा ली है। जाहिर है अब स्कूल-कालेज या चिकित्सा संस्थानों के बजाय विकास की उपयोगिता को बड़ी आंख से, बड़ी परियोजनाओं की तलाश में लगाया जा रहा है।

सरकार अपनी प्रगति के पथ पर कई अहम फैसले, वक्त की इसी पैमाइश में लेगी और व्यवस्था परिवर्तन के सारे सारांश लिखेगी। यानी अपने ऐतिहासिक दस्तावेजों की जुंबिश लगाकर सुक्खू सरकार अपने अवतरण से अवतार बनने का सारा मसौदा दिखाएगी। सबसे अहम पड़ाव महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए प्रति माह का गारंटी शुदा भुगतान करके, वर्तमान सरकार अपने श्रेय की ईमानदार व्याख्या करेगी। यहां मसला न बजट की सादगी और न ही प्रदेश की प्राथमिकताओं का रहेगा, बल्कि जो कभी चुनावी मंच से कहा गया, उसे अगले चुनावों से पूर्व वादे की तरह निभा दिया गया। जाहिर है पंद्रह सौ का दांव भाजपा की दुकान को कमजोर करेगा। सुक्खू सरकार की काश्तकारी में मंत्रिमंडल की बैठक, प्रदेश की महत्त्वाकांक्षा को खाद पानी का प्रबंध कर रही है, तो अपने विजन की इमारत को भी बुलंद कर रही है। मसलन फैसलों की अहमियत से हर क्षेत्र को फसल उपलब्ध कराने की कोशिश जारी है। नौकरी के दरवाजे से अगर अठारह सौ के करीब पद गुजर रहे हैं, तो युवा वर्ग के माथे पर टीका लगाया जा रहा है। शिक्षा क्षेत्र में हाल की उपलब्धियां और राष्ट्रीय रैंकिंग में आए सुधार आगे बढ़ रहे हैं, तो सरकार हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत तीन सौ स्कूलों के स्तर को सीबीएसई के मानदंडों से तोल कर, सुविधाएं बढ़ाना चाहती है। कारोबारियों के नजरिए में बदलाव लाकर दुकानों को चौबीस घंटे व्यापार के हवाले करने की मंजूरी दे रही है। इससे हाईवे तथा डेस्टिनेशन टूरिज्म के अलावा परिवहन क्षेत्र में परिवर्तन आने की संभावना है। सरकार पिछली सरकार के फैसले को पलटते हुए कांगड़ा से मंडी पहुंचाए गए।

दृष्टि कोण

ट्रंप को समझ आ गया कि चीन का मुकाबला अकेले नहीं, भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है

अमेरिका को अब इस बात का भलीभांति एहसास हो चुका है कि चीन जैसी उभरती महाशक्ति को रोक पाना उसके अकेले बूते की बात नहीं रह गई है। यही कारण है कि चीन से लगभग खाली हाथ लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब उम्मीद की सबसे मजबूत किरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दरबार में दिखाई दे रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा दरअसल इसी बदली हुई वैश्विक मजबूरी और रणनीति का संकेत है। ट्रंप ने जिस तरह भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से बातचीत के दौरान सार्वजनिक तौर पर कहा कि "मुझे प्रधानमंत्री मोदी बहुत पसंद हैं। मोदी महान हैं और वो मेरे दोस्त हैं।" ट्रंप ने यह तक कहा कि "हम भारत के इतने करीब पहले कभी नहीं थे और भारत मुझ पर तथा अमेरिका पर सौ फीसदी भरोसा कर सकता है।" यह बयान सिर्फ दोस्ती का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उस बदले हुए अमेरिकी रुख का संकेत है जिसमें वॉशिंगटन अब भारत को एशिया में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाले सबसे अहम स्तंभ के रूप में देख रहा है। दिलचस्प बात यह भी रही कि मार्को रुबियो ने अपने भारत दौरे में ताजमहल के दीदार का कार्यक्रम भी रखा। कूटनीतिक गलियारों में इसे केवल पर्यटन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है, मानो अमेरिका भारत को यह भरोसा दिलाना चाहता हो कि वह इस बार दबाव नहीं, बल्कि मोहब्बत और साझेदारी का पैगाम लेकर आया है। देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान "अमेरिका फर्स्ट" की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती

शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं। दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। वह अब वैश्विक सप्लाई चेन, तकनीक, रक्षा उत्पादन और सामरिक निवेश के जरिए दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान तक, बीजिंग का आक्रामक रवैया अमेरिका के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसके पास विशाल बाजार है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करता है। अमेरिका यह भी समझ चुका है कि केवल सैन्य शक्ति से चीन को रोका नहीं जा सकता। इसके लिए आर्थिक नेटवर्क, तकनीकी साझेदारी और भरोसेमंद औद्योगिक ढांचा जरूरी है। यही कारण है कि सेमीकंडक्टर, रक्षा निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उधर, भारत के लिए भी यह अवसर कम महत्वपूर्ण नहीं है। लंबे समय तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता दी। लेकिन अब नई दिल्ली समझ रही है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए बिना अपने हित सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। यही वजह है कि भारत क्वॉड जैसे मंचों में सक्रिय है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत की चुनौती यह है कि वह अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखे।

फ्रेंच ओपन 2026 :नोवाक जोकोविच ने पहले दौर में जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड को हराया

पेरिस

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रिकार्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की अपनी चुनौती की शानदार शुरुआत करते हुए फ्रेंच ओपन 2026 के पहले दौर में रविवार देर रात फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराया।

इस मुकाबले के साथ ही नोवाक जोकोविच पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में सबसे ज्यादा 82 बार खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर का रिकार्ड पीछे छोड़ दिया। हालांकि, रोलां गैरो में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआत में जोकोविच अपने सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए।

फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड ने पहले सेट में शानदार खेल दिखाते हुए 6-5 की बढ़त बनाई और फिर दमदार ऐस लगाकर सेट अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही वह 17 वर्षों में पहले ऐसे खिलाड़ी बने जिन्होंने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में जोकोविच से सेट जीता।

मैच के बाद जोकोविच ने कहा

जियोवानी को बधाई। मैंने पहली बार उनके खिलाफ खेला और उनकी सर्विस को पढ़ना बेहद मुश्किल था। मेरे करियर में मैंने ऐसी सर्विस बहुत कम खिलाड़ियों की देखी है। तीसरे वरीय जोकोविच ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए निर्णायक मौकों का फायदा उठाया और मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने अपना आक्रामक खेल दिखाया और तीसरा सेट आसानी से जीत लिया।

चौथे सेट में जियोवानी म्पेत्शी पेरिकार्ड को कलाई और हाथ में परेशानी के कारण उपचार लेना पड़ा। हालांकि उन्होंने संघर्ष जारी रखा, लेकिन जोकोविच ने 4-3 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण कर लिया और लगातार 22वीं बार फ्रेंच ओपन के पहले दौर में जीत दर्ज की।

जीत के बाद नोवाक जोकोविच ने दर्शकों का अभिवादन करते हुए कहा, यहां का माहौल शानदार था। दर्शकों से मुझे काफी ऊर्जा मिली।

न्यूज ब्रीफ

प्लेआफ के लिए वेंकटेश अय्यर को टीम में बनाए रखें आरसीबी : सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आईपीएल प्लेआफ को लेकर

रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से कहा है कि उसे अंतिम एकादश में वेंकटेश अय्यर बनाये रखना चाहिये। सहवाग के अनुसार फिल साल्ट की संभावित वापसी के बाद भी वेंकटेश को टीम को रखना लाभ दायक रकेगा। साथ ही कहा कि फार्म से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को बाहर रखा जा सकता है। सहवाग का मानना है कि अय्यर के हाल के अच्छे दमदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें बाहर करना सही नहीं है। सहवाग के अनुसार वेंकटेश ने सीमित अवसरों के बाद भी इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस आईपीएल सीजन के 14 मैचों में उन्हें केवल चार बार बल्लेबाजी का मौका मिला, और ज्यादातर मौकों पर आरसीबी प्रबंधन ने उन्हें आपातकालीन स्थिति में मैदान पर उतारा। राजस्थान रायल्स के खिलाफ एक मैच में जब आरसीबी 125 रन पर संघर्ष कर रही थी, ऐसे में इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर इस क्रिकेटर ने 15 गेंदों में तेजी से 29 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया था। इसके अलावा, उन्होंने दो और यादगार पारियां खेली हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ, कप्तान रजत पाटीदार के आउट होने के बाद, उन्हें फिर से कठिन हालातों स्थिति में नंबर चार पर बल्लेबाजी करने का मौका मिला, जहां उन्होंने 40 गेंदों में 73 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। चोटिल जैकब बेथेल की जगह पारी शुरु करते हुए भी वेंकटेश ने अच्छा प्रदर्शन किया और 19 गेंदों में 44 रन बनाकर अपनी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

महिला टी20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलियाई कोच शेली निट्शके ने 2029 तक बढ़ाया कार्यकाल

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की मुख्य कोच शेली निट्शके ने टीम के साथ अपना अनुबंध

तीन साल के लिए बढ़ा लिया है। अब वह 2029 के मध्य तक आस्ट्रेलियाई टीम की मुख्य कोच बनी रहेंगी। यह घोषणा इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप से ठीक पहले सोमवार को की गई है। पूर्व आस्ट्रेलियाई आलराउंडर शेली निट्शके ने वर्ष 2022 में मैथ्यू मोट की जगह मुख्य कोच का पद संभाला था। उनके कार्यकाल में आस्ट्रेलिया ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक और 2023 महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। हालांकि हाल के वनडे और टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल तक ही पहुंच सकी थी। निट्शके के नए अनुबंध के तहत वह अगले चार बड़े टूर्नामेंटों में आस्ट्रेलिया की जिम्मेदारी संभालेंगी। इनमें 2026 और 2028 महिला टी20 विश्व कप, 2027 चैंपियंस ट्राफी और 2028 ओलंपिक शामिल हैं। इसके अलावा आस्ट्रेलिया 2027 में इंग्लैंड दौरे पर एशेज खेलेगा, जबकि 2029 में घरेलू एशेज सीरीज की मेजबानी करेगा। शेली निट्शके ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, इस टीम के साथ काम करना और इतने शानदार खिलाड़ियों व सपोर्ट स्टाफ के साथ आगे बढ़ना मेरे लिए गर्व की बात है। हमने साथ मिलकर काफी उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन आने वाले वर्षों में यह टीम और भी बहुत कुछ कर सकती है। आगे कई बड़े टूर्नामेंट और चुनौतियां हैं, जिनके लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। महिला टी20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन अनौपचारिक अभ्यास मैच खेलेगा। इसके बाद टीम इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ आईसीसी के अभ्यास मुकाबलों में उतरेगी। टी20 विश्व कप में आस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के साथ ग्रुप में रखा गया है।

विराट ने युवा मुकुल चौधरी को मैच फिनिशिंग पर दिये टिप्स

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी को जरुरी सलाह दी है। विराट ने मुकेश को मैच में फिनिशिंग की कला सिखाते हुए कहा है कि केवल छक्के मारना ही सब कुछ नहीं है। असली कौशल कठिन हालातों में लक्ष्य का पीछा करना है। उन्होंने कहा कि दबावा के बीच पारी को नियंत्रित करना और अपनी टीम को जीत तक ले जाना सबसे महत्वपूर्ण है। मुकुल ने कहा है कि कोहली ने उन्हें सलाह दी कि सिर्फ छक्के मारना ही किसी बल्लेबाज को महान नहीं बनाता, क्योंकि आजकल कई युवा खिलाड़ी ऐसा आसानी से कर सकते हैं। विराट ने जोर देकर कहा कि असली कलादबाव में मैच समाप्त करना है, मुश्किल लक्ष्यों का पीछा करते समय शांत रहना, बढ़ते रन रेट को संभालना और विकेट गिरने के बावजूद टीम को जीत की ओर ले जाना ही किसी खिलाड़ी को विशिष्ट बनाता है। चौधरी ने कहा, जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हमारा मैच देखा था और देखा था कि मैंने मैच को कैसे समाप्त किया। उन्होंने कहा कि छक्के मारना अब कोई बड़ी बात नहीं है। इस पीढ़ी का हर युवा बल्लेबाज छक्का मार सकता है। विराट ने साथ ही कहा, असली बात यह है कि मैच को कैसे समाप्त किया जाए।

वरुण चक्रवर्ती की जुझारू भावना को सलाम दर्द में भी टीम के लिए खेले : अजिंक्य रहाणे

कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने खुलासा किया है कि टीम के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने पैर की उंगली में फ्रैक्चर होने के बावजूद खेलने का फैसला खुद लिया था। रहाणे ने कहा कि वरुण की टीम के प्रति प्रतिबद्धता और जुझारूपन काबिल-ए-तारीफ है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को केकेआर के आखिरी लीग मैच के बाद रहाणे ने कहा कि वरुण को खिलाने का फैसला मेडिकल टीम की सलाह के बाद लिया गया था। उन्होंने बताया कि केकेआर के फिजियो, बीसीसीआई की एनसीए टीम और भारतीय टीम के मेडिकल स्टाफ के बीच इस मामले पर विस्तार से चर्चा हुई थी।

रहाणे ने कहा, मैं मेडिकल मामलों में दखल नहीं देता। मेरा काम सिर्फ यह देखना होता है कि खिलाड़ी का मानसिक स्तर कैसा है, वह खेलने के लिए तैयार है या नहीं और कितना जोखिम है। फिजियो का मानना था कि खेलने से वरुण की चोट और नहीं बढ़ेगी।

दरअसल, वरुण चक्रवर्ती को 3 मई को हैदराबाद में मैच के दौरान चोट लगी थी, जब ईशान किशन का सीधा शाट उनके बूट पर जा लगा। इससे उनके बाएं पैर की उंगली में फ्रैक्चर हो गया। आईपीएल 2026 में यह उनका तीसरा फ्रैक्चर था, क्योंकि इससे पहले उनकी दो उंगलियां भी चोटिल हो चुकी थीं।

रहाणे ने कहा कि इतनी गंभीर चोट के बावजूद वरुण लगातार टीम के लिए खेलने को तैयार थे।

उन्होंने कहा, पूरा श्रेय वरुण को जाता है। ऐसी चोट में भी अगर खिलाड़ी खेलने की इच्छा दिखाता है तो यह बताता है कि टीम उसके लिए कितनी मायने रखती है। वह पूरी तरह खेलने के लिए तैयार थे।

उन्होंने आगे कहा, एक मैच में हमें उन्हें आराम देना पड़ा क्योंकि दर्द काफी ज्यादा था, लेकिन फिर भी वरुण का कहना था कि वह खेल सकते हैं। जब कोई खिलाड़ी खुद खेलने की इच्छा जताता है तो यह टीम और फिजियो के लिए सकारात्मक संकेत होता है।

मैं कभी पीछे हटने वालों में नहीं रहा : रहाणे

सीजन के दौरान केकेआर की लगातार हार और अपनी कप्तानी पर उठे सवालों को लेकर भी रहाणे ने खुलकर बात की। उन्होंने साफ कहा कि कप्तानी छोड़ने का विचार कभी उनके मन में नहीं आया।

रहाणे ने कहा, मैंने हमेशा सकारात्मक सोच के साथ क्रिकेट खेला है। मेरा मानना है कि जब टीम मुश्किल में हो, तभी आपके चरित्र की असली परीक्षा होती है। दबाव हर खिलाड़ी पर होता है, लेकिन जरूरी यह है कि आप घबराएं नहीं।

उन्होंने कहा कि लगातार हार के बावजूद टीम ने हार नहीं मानी और यही केकेआर की सबसे बड़ी ताकत रही। रहाणे ने कहा, हमारे लिए सबसे जरूरी था वर्तमान में बने रहना। क्रिकेट में चीजें कभी भी बदल सकती हैं। मैं कभी पीछे हटने वालों में नहीं रहा और कप्तानी छोड़ने का विचार मेरे मन में कभी नहीं आया।

भारतीय गेंदबाजों पर भरोसा करना पड़ा सही फैसला

रहाणे ने यह भी बताया कि सीजन के दौरान कई तेज गेंदबाज चोटिल हुए, लेकिन उन्होंने भारतीय गेंदबाजों पर भरोसा बनाए रखा। इसका फायदा टीम को बाद में मिला।

उन्होंने कहा, मैं भारतीय गेंदबाजों को समय देना चाहता था। मुझे भरोसा था कि अगर हम उनका समर्थन करेंगे तो वे दबाव में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। शुरुआती मैचों में हम कुछ मौकों का फायदा नहीं उठा सके, लेकिन टीम ने जिस तरह वापसी की, उस पर मुझे गर्व है। बता दें कि केकेआर को अपने आखिरी लीग मैच में दिल्ली के खिलाफ 40 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ ही केकेआर ने आईपीएल 2026 में 13 अंकों के साथ सातवें स्थान पर अपना अभियान समाप्त किया।

हेड की पत्नी जेसिका ने आनलाइन उत्पीड़न का आरोप लगाया

हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराद और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच हुए आईपीएल के अंतिम लीग मुकाबले में ट्रेविस हेड और विराट कोहली के बीच हाथ नहीं मिलाने को लेकर हुए विवाद के बाद जो हुआ उससे खेल की छवि को झटका लगा है। इस विवाद के बाद विराट के प्रशंसकों पर ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका को ट्राल करने का आरोप लगा है। इस विवाद के बाद, जहाँ कुछ ने विराट की खेल भावना पर सवाल उठाए तो कुछ ने उनका समर्थन किया, वहीं इसका सबसे शर्मनाक पक्ष ये रहा कि कि बिना किसी कारण के विराट के प्रशंसकों ने हेड की पत्नी जेसिका को आनलाइन उत्पीड़न का शिकार बनाया।

जेसिका ने हाल ही में खुलासा किया है कि इस विवाद के कारण उसे निशाना बनाया गया है। साथ ही कहा कि बिना किसी कारण से उन्हें न केवल व्यक्तिगत रूप से नफरत भरे कमेंट्स और संदेश मिल रहे हैं, बल्कि उनके दोस्त और परिवार के सदस्य भी इन आनलाइन हमलों का निशाना बन रहे हैं। इस घटना से ये भी सवाल उठा है कि प्रशंसकों की सीमाएं क्या होनी चाहिये।

यह पहली बार नहीं है जब जेसिका को इस तरह के खराब व्यवहार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले उन्हें 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल के बाद भी आनलाइन उत्पीड़न झेलना पड़ा था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब भी आस्ट्रेलिया ने भारत को महत्वपूर्ण मैचों में हराया है, चाहे वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल हो या 2024 का बाक्सिंग डे टेस्ट, उन्हें इसी तरह की ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। जेसिका ने कहा कि वह और उनके पति तो इस सब का सामना कर लेते हैं पर जब जब उनके दोस्तों और परिवार को निशाना बनाया जाता है, तो इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

विराट और ट्रेविस हेड के बीच यह विवाद आरसीबी और सनराइजर्स के आखिरी लीग मैच में शुरू हुआ था। आरसीबी के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान कोहली और हेड के बीच जमकर बहस हुई थी। इस दौरान हेड ने कोहली को और अधिक आक्रामक शाट्स खेलने की चुनौती दी थी। इस पर कोहली ने भी पलटवार करते हुए हेड से खुद गेंदबाजी करने को कहा। जब कोहली आउट हुए, तो हेड ने उन पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें गेंदबाजी करने का अवसर ही नहीं मिला, जो शायद कोहली को बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसी घटना के बाद कोहली ने हेड से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था।

आईपीएल में चीयरलीडर्स के साथ अभद्र व्यवहार से खेल की छवि को झटका

लखनऊ। आईपीएल में यहां लखनऊ सुपरजायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए मैच में एक शर्मनाक वाकया भी देखने में आया है। । मैच के उत्साह के बीच, मैदान पर मौजूद चीयरलीडर्स के साथ अभद्र व्यवहार की घटना सामने आई, जिसने सभी स्तब्ध कर गये। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि कुछ शरारती लोगों ने अपनी मोबाइल नंबर लिखी पर्चियां चीयरलीडर्स की ओर फेंकीं। शुरुआत में, पेशेवर गरिमा बनाए रखते हुए चीयरलीडर्स ने इन हरकतों को नजरअंदाज किया पर जब हालत खराब हुए तो उन्होंने इसकी जानकारी सुरक्षाकर्मियों और पुलिस को दी। इस पूरी घटना से आयोजकों की मुश्किलें बढ़ गयीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, महिला पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप किया। न सिर्फ भीड़ में शामिल उन लोगों को समझाने की कोशिश की, बल्कि अभद्र व्यवहार करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी।

कनाडियन ग्रां प्री में किमी एंटोनेली की लगातार चौथी जीत, बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड

नई दिल्ली

मान्ट्रियल के सर्किट गिल्स विलेन्यूव में रविवार को आयोजित कनाडियन ग्रां प्री में किमी एंटोनेली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार चौथी जीत दर्ज की। 19 वर्षीय एंटोनेली ने यह रेस जीतकर इतिहास रच दिया। मर्सिडीज के ड्राइवर एंटोनेली और उनके टीम साथी जार्ज रसेल के बीच रेस के दौरान जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। दोनों कई बार बढ़त बदलते रहे, खासकर 13वें लैप में दोनों के बीच रोमांचक टक्कर रही। हालांकि, 68 लैप की रेस के 30वें लैप में जार्ज रसेल की कार के पावर यूनिट में खराबी आ गई, जिससे उन्हें रेस बीच में छोड़नी पड़ी। एंटोनेली 1952 में अल्बर्टो अस्कारी के बाद लगातार चार रेस जीतने वाले पहले इतालवी ड्राइवर बन गए हैं। इसके साथ ही वह अपने करियर की शुरुआती चारों रेस लगातार जीतने वाले पहले फार्मूला-1 ड्राइवर भी बन गए हैं।

रेस जीतने के बाद एंटोनेली ने कहा, मैं इस तरह जीतना नहीं चाहता था। जार्ज के साथ शानदार मुकाबला चल रहा था, लेकिन जीत तो जीत होती है।

एंटोनेली ने 1 घंटा 28 मिनट 15 सेकंड में रेस पूरी की और फेरारी के लुईस हैमिल्टन को लगभग 11 सेकंड से पीछे छोड़ दिया। रेड बुल के मैक्स वर्स्टेपेन तीसरे स्थान पर रहे।

अब तक इस सीजन की पांचों ग्रां प्री रेस मर्सिडीज ने जीती हैं। ड्राइवर्स चैंपियनशिप में एंटोनेली 131 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि जार्ज रसेल 88 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

अपनी कार में आई खराबी पर रसेल ने निराशा जताते हुए कहा, अचानक सब कुछ बंद हो गया। इंजन रुक गया, इलेक्ट्रानिक्स काम नहीं कर रहे थे और ब्रेकिंग भी सही नहीं थी। यह बेहद निराशाजनक है।

कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप में मर्सिडीज 219 अंकों के साथ पहले स्थान पर है। फेरारी 147 अंकों के साथ दूसरे और मैकलारेन 106 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

भारतीय क्रिकेटरों की बहनें: स्टारडम और स्टाइल में किसी से कम नहीं

मुम्बई

आधुनिक क्रिकेट के इस दौर में खिलाड़ी सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी अपनी जिंदगी के हर पहलू को साझा करते हैं। वहीं प्रशंसक भी अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की जिंदगी से लेकर परिवार से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात की जानकारी रखना पसंद करते हैं। ऐसे में खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य भी अक्सर सुर्खियां बटोरते नजर आते हैं। आज हम बात करेंगे भारतीय क्रिकेट जगत के ऐसे पांच सितारों की बहनों की, जिनकी लोकप्रियता और स्टारडम किसी बालीवुड अभिनेत्री से कम नहीं है और जिनकी अपनी एक अलग पहचान है। इसमें शुभमन गिल की बहन शहनील गिल से लेकर तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बड़ी बहन मालती चाहर और श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर व अर्जुन तेंदुलकर की बहन सारा तेंदुलकर शामिल है और अभिषेक शर्मा की बहन कोमल शर्मा शामिल हैं ।

शुभमन गिल की बहन शहनील गिल – शहनील अपने ग्लैमरस लाइफस्टाइल और शानदार फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी तगड़ी फैन फालोइंग है और वह एक सफल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की तरह लोकप्रिय हैं। शुभमन और शहनील का रिश्ता भाई-बहन से ज्यादा बेस्ट फ्रेंड्स जैसा है। दोनों अक्सर साथ में विदेश में छुट्टियां मनाते, स्टाइलिश तस्वीरें शेयर करते और एक-दूसरे के पोस्ट पर मजेदार कमेंट करते नजर आते हैं।

तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बड़ी बहन मालती चाहर – मालती चाहर एक

जानी-मानी माडल और एक्ट्रेस हैं। आईपीएल के दौरान स्टैंड्स में अपनी दिलकश अदाओं से वे रातों-रात मिस्ट्रि गर्ल के रूप में इंटरनेट सेंसेशन बन गई थीं। मालती ने कुछ फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम किया है, जिससे उनकी पहचान और भी मजबूत हुई है। दीपक और मालती के बीच का बान्ड बेहद शरारती और प्यारा है। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की टांग खींचते हुए फनी वीडियो पोस्ट करते हैं, जो उनके फैंस को खूब हंसाते हैं और उनके रिश्ते की गर्मजोशी दिखाते हैं।

श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर – श्रेष्ठा एक पेशेवर डांसर और कोरियोग्राफर हैं, जिनकी सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फालोइंग है। उनके डांस वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं और प्रसंसको को खूब पसंद आते हैं। श्रेयस और श्रेष्ठा के बीच का रिश्ता बेहद मजेदार और दोस्ताना है। दोनों भाई-बहन अक्सर एक-दूसरे के साथ मस्ती करते, प्रैंक करते और इंस्टाग्राम रील्स बनाते देखे जाते हैं, जो उनकी केमिस्ट्री को बखूबी दर्शाता है।

अर्जुन तेंदुलकर की बहन सारा तेंदुलकर – सारा अपनी खूबसूरती, आकर्षक व्यक्तित्व और बेहतरीन फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर एक बड़ी स्टार हैं। उनके इंस्टाग्राम पर लाखों फालोअर्स हैं और वह कई बड़े ब्रांड्स के लिए माडलिंग भी करती हैं। अपने छोटे भाई अर्जुन के साथ सारा की बान्डिंग बेहद खास, प्यार भरी और काफी प्रोटेक्टिव है। वह अक्सर अर्जुन के मैचों के दौरान उन्हें सपोर्ट करती नजर आती हैं।

अभिषेक शर्मा की बहन कोमल शर्मा – कोमल भी सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। पेशे से डाक्टर (फिजियोथेरेपिस्ट) कोमल अपनी साधारण लेकिन आकर्षक पर्सनालिटी के लिए जानी जाती हैं। फैंस उन्हें खूब पसंद करते हैं और अक्सर आईपीएल मैचों के दौरान कोमल को सनराइजर्स हैदराबाद की जर्सी में अपने भाई को चीयर करते देखा जाता है, जो भाई-बहन के इस प्यारे रिश्ते की मिसाल है। ये पांचों बहनें सिर्फ अपने भाई के नाम से नहीं जानी जातीं, बल्कि इन्होंने अपनी मेहनत, प्रतिभा और व्यक्तित्व के दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

युग एडवांस्ड हो गया, लेकिन जीवनशैली बैकवर्ड हो गई : सुधीर कुलकर्णी

भारतीय योग संस्थान के 5 दिवसीय मोटापा निवारण शिविर का हर्षोल्लास के साथ समापन

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय योग संस्थान द्वारा आयोजित 5 दिवसीय मोटापा निवारण शिविर का समापन संजीवैया पार्क में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिविर के पांचवें दिन 145 साधकों की उपस्थिति रही।

उदय आदिति अपार्टमेंट शाखा के योग शिक्षक सूर्यकांत माडेकर, पायल जी, कीर्ति जी, जय लक्ष्मीजी, पद्मजा जी एवं ज्योति जी ने साधकों को विभिन्न योगाभ्यास कराए तथा स्वस्थ जीवनशैली पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। योग शिक्षकों ने कहा कि योग सिर्फ शरीर को मोड़ना नहीं सिखाता, बल्कि जीवन को सही दिशा में मोड़ना सिखाता है। योग को हंस पक्षी के समान बताते हुए कहा गया कि जैसे हंस नकारात्मकता छोड़कर सकारात्मकता ग्रहण करता है, वैसे ही योग व्यक्ति को जीवन में संतुलन और सकारात्मक सोच प्रदान करता है। शिविर में शिक्षकों ने कहा कि वजन कम करने का सबसे अच्छा तरीका अपने आप से प्रेम करना है। जब व्यक्ति स्वास्थ्य पर ध्यान देता है, तब दिखावे की प्रवृत्ति स्वतः कम होने लगती है। माइंडफुल ईटिंग पर विशेष बल देते हुए बताया गया कि तनाव में भोजन करना तथा बिना जागरूकता के खाना मोटापे का प्रमुख कारण है। वक्ताओं ने कहा कि शांति के साथ खाया हुआ साधारण भोजन भी अमृत बन जाता है तथा आज का पसीना कल के आंसू बहाने से बचाता है।शिविर में यह भी बताया गया कि मोटापा केवल शरीर का अतिरिक्त भार नहीं, बल्कि मन पर जमा तनाव और चिंता का परिणाम भी है। साधकों को सूर्यानमस्कार, उत्तानपादासन एवं शावासन जैसे आसनों के साथ मानसिक शांति के अभ्यास भी कराए गए।शिविर में नए एवं पुराने सभी साधकों ने नियमित योगाभ्यास जारी रखने का संकल्प लिया। संस्थान के जोनल अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने साधकों से दैनिक योग कक्षाओं से भी जुड़े रहने की अपील की, ताकि स्वास्थ्य लाभ स्थायी रूप से प्राप्त हो सके। भारतीय योग संस्थान तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष सुधीर कुलकर्णी ने मोटापा निवारण हेतु 20 सूत्रीय कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज का युग एडवांस्ड है, लेकिन जीवनशैली बैकवर्ड हो गई है। उन्होंने कहा कि जीवन का उद्देश्य केवल धन कमाना नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीना भी है। उन्होंने मोटापे के प्रमुख कारणों में गलत खानपान, निरंतर खाते रहना, शारीरिक श्रम की कमी, धूम्रपान, शराब सेवन, तनाव, अनुवांशिकता एवं थायरॉइड जैसी समस्याओं को बताया। खानपान संबंधी नियमों में उन्होंने भूख लगने पर ही भोजन करना, भोजन को कम से कम 12 बार चबाना, जूस के स्थान पर फल खाना, पैक्ड फूड से बचना, मौसमी फल खाना तथा भोजन के तुरंत बाद न लेटने की सलाह दी।योगाभ्यास के अंतर्गत ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, भुजंगासन, कमर चक्रासन, त्रिकोणासन, नवासन, कोणासन, योग मुद्रा एवं उष्ट्रासन के साथ दीर्घ श्वास, अग्निसार, कपालभाति एवं भस्त्रिका प्राणायाम के लाभ बताए गए।

सुधीर कुलकर्णी ने कहा कि मोटापा केवल शरीर की समस्या नहीं है, बल्कि इससे हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ों का दर्द, सांस की तकलीफ एवं ब्रेन ब्लॉकेज जैसी गंभीर बीमारियां भी उत्पन्न होती हैं।

यादगिरी मंदिर के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) जे. भवानी शंकर ने श्रीराम भद्र क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक एवं आध्यात्मिक प्रचारक ब्रह्मश्री संतोष पंडारी शर्मा तथा प्रसिद्ध कर्नाटक शास्त्रीय संगीत गायक सुब्रमण्य कारंत का मंदिर में विशेष सम्मान किया। दोनों अतिथियों ने श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के विशेष दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा मंदिर की धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं की सराहना की। इस अवसर पर मंदिर के कार्यकारी अधिकारी जे. भवानी शंकर द्वारा उन्हें श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी का पवित्र प्रसाद एवं आशीर्वाद भेंट किया गया।

गोहत्या रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाऊंगा : राज्यपाल

अवैध गोहत्या रोकने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व हिंदू परिषद तेलंगाना के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार दोपहर तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात कर राज्य में अवैध गोहत्या रोकने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य में अवैध गोहत्या रोकने के लिए अपने स्तर पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कानून का उल्लंघन दंडनीय है तथा समाज में सभी की आस्थाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल में विश्व हिंदू परिषद के गोरक्षा एवं साधु-संत विभाग के पदाधिकारी शामिल थे। उन्होंने राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में आरोप लगाया कि राज्य में अवैध बाइंडओवर कार्रवाई के माध्यम से विहिप कार्यकर्ताओं को भयभीत किया जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति को प्राथमिकता देते हुए पुलिस तंत्र मजलिस पार्टी के पक्ष में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि बकरीद के अवसर पर बलि के लिए हजारों गोमाताओं को पहले से एकत्रित किया जा चुका है, लेकिन उन्हें मुक्त कर गोशालाओं तक पहुंचाने में पुलिस प्रशासन विफल साबित हो रहा है। विहिप नेताओं ने कहा कि तेलंगाना राज्य में हिंदुओं की भावनाओं एवं धार्मिक आस्थाओं का सम्मान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हजारों गोमाताओं की हत्या हो रही है, लेकिन सरकार की ओर से अपेक्षित संवेदनशीलता दिखाई नहीं दे रही।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले पशुओं तथा मात्र तीन वर्ष आयु के बछड़ों को भी क्रूरता के साथ प्रताड़ित कर वध किया जा रहा है।

इन विषयों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत गौ संरक्षण हेतु आवश्यक कदम उठाने का प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के नेता यदागिरि राव, रमेश, पगुडाकुला बालस्वामी, सुभाष चंद्र, दुर्गानंदपुरी स्वामी, विशोक तीर्थ स्वामी, श्रीकांत इंद्र स्वामी, कृष्ण चामुंडेश्वरी नाथ स्वामी, हरि किशन शर्मा एवं रेगु अनिल उपस्थित रहे।

पैंटम इंडिया ने विशाल पेरीफेरल्स के साथ रणनीतिक साझेदारी कर भारत में अपनी उपस्थिति को किया मजबूत

हैदराबाद। प्रिंटिंग सॉल्यूशंस (मुद्रण समाधान) के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर नवाचार करने वाली प्रमुख कंपनी पैंटम ने आज भारत के अग्रणी आईटी रिटेल और वितरण ब्रांड्स में से एक, 'विशाल पेरीफेरल्स' के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों चैनलों पर पैंटम की उपस्थिति का बड़े पैमाने पर विस्तार करना है। साथ ही, इसके जरिए ग्राहकों तक पहुंच, रिटेल विजिबिलिटी और बिक्री के बाद दी जाने वाली (आफ्टर-सेल्स) सर्विस सपोर्ट को भी मजबूत किया जाएगा।

इस रणनीतिक जुड़ाव के तहत, विशाल पेरीफेरल्स को पैंटम इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट www.Pantum.in पर एक अधिकृत ऑनलाइन बिक्री भागीदार के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। अब देशभर के ग्राहक विशाल पेरीफेरल्स के भरोसेमंद रिटेल और ऑनलाइन चैनलों के माध्यम से पक्के वारंटी, प्रामाणिकता और सर्विस सपोर्ट के साथ असली पैंटम प्रिंटर और उसके पार्ट्स (कंज्यूमबल्स) खरीद सकेंगे।

ग्राहक पैंटम के उत्पादों को विशाल पेरीफेरल्स की आधिकारिक वेबसाइट www.vishalperipherals.com के साथ-साथ एंड्रॉइड प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध विशाल पेरीफेरल्स के मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए भी आसानी से खरीद सकते हैं। इससे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को बेहद सहज अनुभव मिलेगा।

इसके साथ ही, विशाल पेरीफेरल्स अपने मजबूत चैनल पार्टनर इकोसिस्टम और ग्राहक-केंद्रित रिटेल संचालन के माध्यम से हैदराबाद और दक्षिण भारत के प्रमुख बाजारों में पैंटम के रिटेल विस्तार का नेतृत्व करेगा। इस साझेदारी का उद्देश्य छोटे कार्यालयों व घरेलू उपयोगकर्ताओं , छोटे और मध्यम व्यवसायों से लेकर बड़े कॉर्पोरेट ग्राहकों तक बेहतर उत्पाद उपलब्धता, शानदार अनुभव, त्वरित डिलीवरी और विश्वसनीय आफ्टर-सेल्स सर्विस सुनिश्चित करना है।

इस साझेदारी पर बात करते हुए पैंटम इंडिया के कंट्री मैनेजर श्री नितीश ने कहा, ''भारत पैंटम के वैश्विक विकास के लिए एक आधारशिला बाजार है। विशाल पेरीफेरल्स के साथ हमारा यह जुड़ाव हमारी 2026 की विस्तार रणनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो हमें एक मजबूत और भरोसेमंद रिटेल इकोसिस्टम के माध्यम से ग्राहकों के और करीब लाएगा। विशाल पेरीफेरल्स की गहरी बाजार विशेषज्ञता, व्यापक पार्टनर नेटवर्क और मजबूत रिटेल उपस्थिति, विश्वसनीयता व सेवा उत्कृष्टता के प्रति पैंटम की प्रतिबद्धता के बिल्कुल अनुकूल है। हम मिलकर भारतभर के व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले लेजर प्रिंटिंग समाधानों को अधिक सुलभ बनाना चाहते हैं। विशाल पेरीफेरल्स के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री विकास हिसारिया ने कहा, हम पैंटम इंडिया के साथ साझेदारी करके और उनके अभिनव व विश्वसनीय प्रिंटिंग समाधानों को देश के व्यापक ग्राहक वर्ग तक पहुंचाकर बेहद उत्साहित हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब्राहम ट्रंप...

हालांकि ट्रंप की इस मांग पर कोई प्रतिक्रिया मुस्लिम देशों से नहीं आई है।

ट्रंप ने कहा कि अब्राहम समझौते में शामिल देशों (संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मोरक्को, सूडान और कज़ाकिस्तान) के लिए यह समझौता, संघर्ष और युद्ध के इस दौर में भी, एक वित्तीय, आर्थिक और सामाजिक वरदान साबित हुआ है। इसके मौजूदा सदस्य देशों ने न तो कभी इसे छोड़ने का सुझाव दिया है और न ही इसमें जरा सा भी विराम लेने की बात कही है। इसका कारण यह है कि अब्राहम समझौते उनके लिए बहुत फायदेमंद रहे हैं, और भविष्य में यह सभी के लिए और भी बेहतर साबित होंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर अरब के मुस्लिम देश इस समझौते में शामिल होते हैं तो यह 5000 वर्षों में पहली बार मध्य पूर्व में सच्ची शक्ति, मजबूती और शांति लेकर आएगी। यह एक ऐसा दस्तावेज होगा जिसका सम्मान दुनिया में कहीं भी सबसे ज्यादा किया जाएगा। इसका महत्व और इसकी प्रतिष्ठा बेजोड़ होगी।

ट्रंप ने कहा कि इसकी शुरुआत सऊदी अरब और कतर द्वारा तत्काल हस्ताक्षर किए जाने से होनी चाहिए, और बाकी सभी देशों को भी उनका अनुसरण करना चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्हें इस समझौते का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसा न करना उनकी बुरी नीयत को दर्शाता है।

ट्रंप ने आगे कहा कि वह ईरान को भी इन समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए साथ ला सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर ईरान, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर मेरे साथ अपने समझौते पर हस्ताक्षर करता है, तो इस बेमिसाल वैश्विक गठबंधन का हिस्सा बनना उनके लिए भी एक सम्मान की बात होगा।

अब्राहम अकॉर्ड को लेकर अरब-पाकिस्तान में गुस्सा क्यों?

अब्राहम अकॉर्ड पर अरब दुनिया में खासकर आम जनता में काफी नाराजगी है। अब ट्रंप ने अरब देशों को इस समझौते में शामिल होने का दबाव डालकर इन देशों को दुविधा में डाल दिया है। पाकिस्तान में भी यही स्थिति है। फिलिस्तीन को समर्थन इन देशों में न सिर्फ राजनीतिक बल्कि धार्मिक मुद्दा है।

अरब देशों का कहना है कि अब्राहम अकॉर्ड में फिलिस्तीन मुद्दे को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है। दशकों से अरब देशों की नीति थी कि इजरायल की मान्यता तभी मिलेगी जब फिलिस्तीन समस्या का न्यायपूर्ण समाधान होगा। अब्राहम अकॉर्ड ने इस अरब शांति पहल को कमजोर किया, जिसे कई अरब और फिलिस्तीनी धोखा या पीठ में छुरा मानते हैं। इस समझौते ने इजरायल को बिना कोई रियायत दिए अरब का समर्थन दिला लिया, जिससे फिलिस्तीनियों की ताकत घटी है।

ईरान को भी शामिल करने की संभावना

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि अगर ईरान किसी समझौते पर हस्ताक्षर करता है, तो उसे भी भविष्य में अब्राहम समझौते में शामिल किया जा सकता है। उनका दावा है कि इससे पश्चिम एशिया में स्थिरता, शक्ति और आर्थिक विकास को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि, अभी तक संबंधित देशों की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

होर्मुज पर टोल लगाने की तैयारी में ईरान

इसी बीच ईरान ने संकेत दिए हैं कि वे होर्मुज में टोल लगा सकते हैं। हालांकि ईरान के विदेश मंत्रालय ने टैक्स लगाने की बात से इनकार किया है, लेकिन कुछ ऐसा कह दिया है, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ईरान फिलहाल टैक्स लगाने से भले ही इनकार कर रहा है, लेकिन भविष्य में टैक्स लगा सकता है। दरअसल ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोमवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रबंधन तटीय देशों के अधिकार में है, यहां ईरान टोल नहीं वसूलेगा, लेकिन जो सेवाएं दी जाएंगी उनके लिए उचित मूल्य लेना सामान्य बात है।

धर्मेंद्र सहित...

इस साल 131 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से नवाज़ा जाना है। कुल पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 हस्तियों को पद्म श्री से सम्मानित किया जाना है, लेकिन सोमवार को पहले चरण के तहत 66 हस्तियों को ही पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र (मरणोपरांत) और एन. राजम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, उदय कोटक और पीयूष पांडेय समेत छह हस्तियों को पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया।

पहले चरण के तहत किन्हें-किन्हें सम्मानित किया गया- पद्म विभूषण- धर्मेंद्र (मरणोपरांत) और एन. राजम। पद्म भूषण: कोश्यारी, कोटक और पांडेय समेत छह हस्तियां सम्मानित

पद्म भूषण - शतावधानी डॉ. आर गणेश, भगत सिंह कोश्यारी, उदय कोटक, विजय कुमार मल्होत्रा, डॉ. कल्लिट्टि रामासामी पलनिस्वामी, पीयूष पांडेय (मरण-ोपरांत)। पद्म श्री: हरमनप्रीत कौर और प्रोसेनजीत चटर्जी सहित 50 से अधिक हस्तियों को सम्मान। जिनमें-विश्वबंधु (मरणोपरांत), भरत सिंह भारती, तगा राम भील, हरमनप्रीत कौर, रतिलाल बोरीसागर, कुमार बोस, जनार्दन बापूराव बोथे, स्वामी ब्रह्मदेव, प्रोसेनजीत चटर्जी, देवकी अम्मा जी, डॉ. रामचंद्र गोडबोले, सुनीता गोडबोले, तेची गुबिन, एच. वी हंडे, गफरूद्दीन मेवाती जोगी, मीर हाजी कासम, रघुवीर खेडकर, आर. कृष्णन किटना (मरणोपरांत), डॉ. लार्स क्रिश्चियन कोच, एम. जगदीश कुमार, प्रवीण कुमार, के. विजय कुमार, श्रीरंग देवबा लाड, अंकेगौड़ा एम, प्रोफेसर सरोज मंडल, बुद्ध रश्मि मणि, निलेश विनोदचंद्र मांडलेवाला, महेंद्र कुमार मिश्र, तृप्ति मुखर्जी, हरिमाधब मुखोपाध्याय, ए.ई मुथुनायगम, सत्यनारायण नंदलाल नुवाल, के. पजानिवेल, धार्मिकलाल चुनीलाल पंडया, कैलाश चंद्र पंत, गरिमेल्ला बालकृष्ण प्रसाद (मरणोपरांत), डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. गुडुरु वेंकट राव, दीपिका रेड्डी, पलकोंडा विजय आनंद रेड्डी, हरिचरण शइकीया, वेम्पटि कुटुंब शास्त्री, शफी शौक, बलदेव सिंह, युमनाम जात्रा सिंह (मरणोपरांत), अशोक कुमार सिंह, शिवशंकरी, डॉ. आर. शीधर, प्रो. श्याम सुंदर, डॉ. एस.जी. सुशीलम्मा, एन. स्वामिनादन, डॉ. केवल कृष्ण ठकराल, गोपाल जी त्रिवेदी (मरणोपरांत), अरविंद वैद्य, प्रो. जुजर वासी, डॉ. नारायण व्यास, हैली वार, गम्बीर सिंह योंजन शामिल हैं। बता दें कि राष्ट्रपति ने जनवरी में 2026 के पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया था।

इथेनॉल-आधारित...

साल 2014 में जहां पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण महज 1.5% के आसपास था, वहीं सरकार की नीतियों और बायोफ्यूल बुनियादी ढांचे में भारी निवेश के कारण साल 2025 तक यह आंकड़ा लगभग 20% तक पहुंच गया है। अब तक सरकार का फोकस वाहनों में इथेनॉल के उपयोग पर था। लेकिन अब कुकिंग फ्यूल के तौर पर इस्तेमाल का प्लान बनाया जा रहा है।

एलपीजी से बेहतर विकल्प?

बता दें, इथेनॉल एक अल्कोहल-आधारित जैव ईंधन है, जो मुख्य रूप से गन्ने से तैयार किया जाता है।

गडकरी के मुताबिक यह तकनीक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की तुलना में काफी सस्ती पड़ेगी, जिससे आम परिवारों और होटल व्यवसायों का मासिक खर्च घटेगा। केरोसिन, लकड़ी या कोयले के मुकाबले इथेनॉल पूरी तरह से स्वच्छ जलता है। इससे कार्बन मोनोऑक्साइड और बिना जले हाइड्रोकार्बन का उत्सर्जन नगण्य होता है, जिससे घर के भीतर की हवा शुद्ध रहती है।

विदेशी आयात घटेगा, किसानों की आय बढ़ेगी

भारत अपनी कच्चे तेल और एलपीजी की ज़रूरतों का लगभग 85% हिस्सा विदेशों से आयात करता है। हर साल आयात बिल के रूप में लाखों करोड़ रुपये देश से बाहर जाते हैं। इथेनॉल के इस्तेमाल से इस भारी आर्थिक बोझ को कम किया जा सकता है।

इथेनॉल का उत्पादन गन्ने और मक्के से होता है, इसलिए इसकी मांग बढ़ने से देश के गन्ना और मक्का उत्पादक किसानों की आय में भारी इजाफा होगा।

सुरक्षा मानक: बड़े पैमाने पर अपनाने की चुनौती

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इथेनॉल स्टोव को बड़े पैमाने पर भारतीय घरों में स्थापित करने के लिए सरकार के सामने कई चुनौतियाँ होंगी। क्योंकि घरों के अंदर इथेनॉल जैसे अत्यधिक ज्वलनशील तरल ईंधन का उपयोग करने के लिए सख्त सुरक्षा मानकों की आवश्यकता होगी ताकि किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके।

सीएम की ...

सूत्रों के मुताबिक बैठक में कर्नाटक की लीडरशिप और 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी पर बात होगी। हाईकमान को लग रहा है कि सरकार में एक नई शुरुआत की जरूरत है ताकि 2028 तक सब कुछ पटरी पर रहे।

तीन रास्ते जो मेज पर हैं-

पहला रास्ता ` सरकार वैसी ही, बस मंत्री बदलें

सबसे कम उथल-पुथल वाला तरीका यह है कि सिर्फ कैबिनेट में फेरबदल हो। जो मंत्री ठीक से काम नहीं कर रहे उन्हें हटाया जाए। जातीय समीकरण को बेहतर बनाने के लिए अहिंदा को और जगह दी जाए। शिवकुमार की राय भी इसमें शामिल हो। यानी यह ऊपर से थोपा गया बदलाव नहीं बल्कि दोनों नेताओं की सहमति से होने वाला बदलाव होगा।

दूसरा रास्ता ` शिवकुमार बनें मुख्यमंत्री

यह सबसे ज्यादा चर्चा में है। डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाए और सिद्धारमैया को राज्यसभा भेजा जाए। शिवकुमार के साथियों को नई कैबिनेट में जगह मिले। इससे एक साफ राजनीतिक संदेश जाएगा कि जिसने पार्टी के लिए मेहनत की, उसे इनाम मिला। साथ ही 2028 से पहले पार्टी के दोनों गुटों को एक साथ लाने की कोशिश भी होगी।

तीसरा रास्ता ` मल्लिकार्जुन खड़गे का कर्नाटक आना

यह सबसे कम संभावना वाला विकल्प है। अगर बात दोनों नेताओं के बीच नहीं बनी, तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को ही कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया जाए। खड़गे खुद कर्नाटक के हैं और वहां के मुख्यमंत्री बनने की इच्छा लंबे समय से रखते हैं। लेकिन इसमें दिक्कत है। अगर खड़गे कर्नाटक चले जाते हैं तो दिल्ली में कांग्रेस का पूरा ढांचा हिल जाएगा और राहुल गांधी को नई राष्ट्रीय लीडरशिप टीम बनानी पड़ेगी। इसीलिए यह तीसरा रास्ता बहुत कम संभव है।

इसी बीच कर्नाटक में राज्यसभा की तीन सीटों और नौ विधान परिषद सीटों को लेकर भी राजनीतिक हलचल बढ़ी हुई है। उम्मीदवारों के चयन को लेकर पार्टी के भीतर समीकरण और गुटबाजी फिर सामने आ सकती है। कर्नाटक कांग्रेस में पहले भी नेतृत्व को लेकर कई बार बयानबाजी, अटकलें और अंदरूनी खींचतान देखने को मिल चुकी है। ऐसे में दिल्ली में होने वाली यह बैठक बेहद अहम मानी जा रही है। पार्टी के सामने चुनौती सिर्फ नेतृत्व तय करने की नहीं, बल्कि जातीय समीकरण, संगठनात्मक संतुलन और 2028 चुनाव की तैयारी को साथ लेकर चलने की भी है।

एडवोकेट...

वर्तमान में पुलिस की कई टीमें उन भाड़े के हत्यारों की तलाश में जुटी हैं, जिनके हत्या के तुरंत बाद शहर से भाग जाने की आशंका है। दिवंगत अधिवक्ता के बेटे और हाई कोर्ट के वकील ख्वाजा फरहान ने आरोप लगाया कि वक्फ भूमि और संपत्तियों से जुड़े विवादों के कारण उनके पिता को महीनों से धमकियां मिल रही थीं। फरहान ने अपनी शिकायत में कहा कि महबूब आलम खान और मुजाहिद आलम खान ने पहले भी उनके पिता को डराने-धमकाने की कोशिश की थी, जिसकी शिकायतें विभिन्न थानों में दर्ज कराई गई थीं। फरहान ने अपनी सुरक्षा को लेकर भी डर जताया और हत्या से पहले बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद कड़ी कार्रवाई न होने पर सवाल उठाए।

मॉर्निंग रूटीन बना जानलेवा

एफआईआर के अनुसार, यह घटना शनिवार सुबह करीब 5:45 बजे की है, जब मोइजुद्दीन अपने नियमित मॉर्निंग स्विम (सुबह के तैरने के नियम) के लिए बाहर निकले थे। जैसे ही वह नामपल्ली में विजया टावर्स के पास खड़ी अपनी कार के पास पहुंचे, एक तेज रफ्तार एसयूवी ने उन्हें जानबूझकर टक्कर मार दी, जिससे वह करीब 10 मीटर दूर जा गिरे।

टक्कर की आवाज सुनकर बेटा फरहान तुरंत बाहर भागा और अपने पिता को सड़क पर गंभीर रूप से घायल पाया। मोइजुद्दीन को पहले महावीर अस्पताल ले जाया गया और बाद में आबिड्स के ओम्नी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने शुरुआत में भारतीय न्याय संहिता के तहत हत्या के प्रयास, लापरवाही से वाहन चलाने, आपराधिक साजिश और मानव जीवन को खतरे में डालने की धाराओं में मामला दर्ज किया था, जिसे अधिवक्ता की मौत के बाद हत्या (मर्डर) की धारा में बदल दिया गया। एफआईआर में साफ तौर पर कहा गया है कि सीसीटीवी फुटेज और प्रारंभिक जांच एक स्पष्ट सुनियोजित हत्या की ओर इशारा करती है। साजिश के करीब छह महीने पहले से रचे जाने की आशंका है, जिसमें आबिड्स की आलिया मस्जिद में नमाज के दौरान मोइजुद्दीन को दी गई धमकी का भी जिक्र है। इस क्रूर हत्याकांड से हैदराबाद के कानूनी और राजनीतिक हलकों में आक्रोश है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 26 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

चातुर्मास 2026: खरतरगच्छ जैन श्री संघ फीलखाना में ऐतिहासिक आयोजन की रूपरेखा तय

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महावीर भवन, फीलखाना में खरतर गच्छ जैन श्री संघ के साथ चातुर्मास 2026 के भव्य आयोजन को लेकर कोर कमेटी, स्वागत समिति एवं अन्य विभिन्न समितियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में चातुर्मास कार्यक्रम की रूपरेखा एवं तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दादावाड़ी ट्रस्ट के प्रचार-प्रसार विभाग की ओर से बताया गया कि खरतर गच्छाधिपति, राष्ट्रसंत पूज्य गुरुदेव आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. का चातुर्मास श्री जिनकुशल दादावाड़ी, कारवान स्थित मंदिर परिसर में दिनांक 26 जुलाई 2026 से आयोजित होना सुनिश्चित हुआ है।

इस अवसर पर आयोजित बैठक का संचालन करते हुए रमेश पारख ने चातुर्मास 2026 के प्रमुख संयोजक कुशल कांकरिया, प्रशांत श्रीमाल, पन्नालाल नाहटा, अमरचंद श्रीमाल, मोतीलाल ललवानी, रायचंद छाजेड़, ओमप्रकाश हुंडिया एवं कांतिलाल संकलेचा का मंचासीन स्वागत किया। सर्वप्रथम मंगलाचरण के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ।

तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का और जैन रत्न मीना मुथा का खरतर गच्छ जैन संघ की ओर से तिलक, दुपट्टा एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। श्री संघ शास्ता वर्षावास समिति के प्रमुख संयोजक कुशल कांकरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह त्रयनगर का चातुर्मास है, ऐतिहासिक चातुर्मास है। सभी को संगठित होकर कार्य करना है तथा इस चातुर्मास को स्मरणीय बनाना है।

दादावाड़ी के अध्यक्ष प्रशांत श्रीमाल ने कोर कमेटी की ओर से अपनी बात रखते हुए कहा कि फीलखाना संघ की सहभागिता से वे अत्यंत प्रभावित हुए हैं। दादावाड़ी का यह ऐतिहासिक एवं गौरवशाली आयोजन पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी रहेगा। रायचंद छाजेड़ एवं ओमप्रकाश हुंडिया ने बताया कि वर्ष 2007 में भी श्री संघ फीलखाना को चातुर्मास लाभ मिला था और 19 वर्ष बाद

पुनः सामूहिक भावनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। यह फीलखाना संघ के लिए गौरव की बात है। संघ निष्ठा, सहयोग एवं समर्पण भावना से सभी कार्यों में सहभागिता निभाएगा। बैठक में हस्तीमल हुंडिया, उत्तमचंद संकलेचा, रमेश संकलेचा, विक्रमसिंह ढड्ढा सहित अनेक गणमान्य सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मीना मुथा ने संक्षिप्त में चातुर्मास आयोजन की रूपरेखा साझा करते हुए कहा कि गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वर जी का नगर प्रवेश दिनांक 14 जुलाई को रिसाला बाजार स्थित तेरापंथ भवन में होगा। दिनांक 15 जुलाई को आप श्री जैन श्वेतांबर पार्श्वनाथ मंदिर होते हुए पतासी भाई गुलाबचंद स्थानक में पधारेंगे। प्रातः 10:00 बजे से 11:15 बजे तक गुरुदेव का प्रवचन होगा, तत्पश्चात स्वामीवात्सल्य की व्यवस्था रहेगी। इस कार्य की जिम्मेदारी प्रदीप सुराणा को सौंपी गई है। 15 जुलाई को शाम बिहार करके पैगाह कॉलोनी स्थित महेंद्र गोलेच्छा के निवास स्थान पर आचार्य श्री की स्थिरता रहेगी। 16 जुलाई से 19 जुलाई आपकी स्थिरता हैदरगुड़ा सुखसागर मंदिरजी में रहेगी। अवंती नगर में भगवान शांतिनाथ जी की अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव आचार्य श्री की पावन निश्रा में संपन्न होगा। 20 जुलाई को कोठी मंदिर और 21 जुलाई को चार कमान मंदिर में पधारेंगे। 22 व 23 जुलाई को आचार्य श्री की स्थिरता फीलखाना शहर में रहेगी। 24 जुलाई को बांठिया गार्डन में स्थिरता रहेगी। सभी जगह आचार्य श्री का प्रवचन सुबह 9:30 से 10:30 तक रहेगा और प्रवचन के बाद स्वामीवात्सल्य रहेगा।

25 जुलाई को सिकंदराबाद दादावाड़ी में श्री जिनदत्तसूरीजी की पूजा के बाद मासाब टैंक सज्जनराज नाहर के घर में स्थिरता रहेगी। 26 जुलाई को सुबह मासाब टैंक स्थित महावीर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर से सभी संघों, मंडलों, श्रावक-श्राविकाओं के साथ भव्य वरघोड़ा के साथ कारवान दादावाड़ी में मंगल प्रवेश होगा। दादावाड़ी में आचार्य श्री करकमलों से उपाश्रय का उद्घाटन करेंगे। प्रवचन के पश्चात् स्वामीवात्सल्य रहेगा।

गुरु पूर्णिमा, नेमिनाथ भगवान जन्म कल्याणक, पारसनाथ भगवान मोक्ष कल्याणक, कृष्ण जन्माष्टमी, स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, ओसवाल स्थापना दिवस, हरियाली अमावस, खरतरगच्छ दिवस, मणिधारी दादा की पुण्यतिथि, जिनचंद्रसूर-ीजी की पुण्यतिथि, 2 से 4 अक्टूबर को खरतर-गच्छ युवा परिषद, महिला परिषद एवं ज्ञान वाटिका का अधिवेशन, 11 अक्टूबर को सूरी मंत्र जाप, 1 नवंबर को महामंगलिक प्रदान की जाएगी। माणिक्य स्वामी तप 28 जुलाई से 24 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। यह तप संपूर्ण भारतवर्ष में इसी कालावधि में किया जाएगा। अधिक से अधिक संख्या में अपने नाम लिखाने का अनुरोध किया गया है। सिद्धि तप 4 अगस्त से 16 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा।

पर्व परषण के समय 8 सितंबर से 15 सितंबर तक अठ्ठाई महोत्सव का आयोजन होगा। इसी के साथ उपद्यान तप के आयोजन की भी संभावना है।

इस अवसर पर खरतर गच्छ जैन श्री संघ, फीलखाना के अध्यक्ष रायचंदजी छाजेड़, उपाध्यक्ष मूलचंदजी बाफना और रतनलालजी बोथरा, महासचिव ओमप्रकाश हुंडिया, सहसचिव किशोर कटारिया संघवी और सुखराज कांकरिया, कोषाध्यक्ष कांतिलाल संकलेचा, कार्यकारिणी सदस्य मेघराजजी गोलेच्छा, प्रवीणजी संकलेचा, राणमलजी बोकड़िया, बाबूलालजी ललवानी, उत्तमकुमार संकलेचा, कुंदनमल छाजेड़, संदीप तातेड, मीठालालजी बाफना, उगमराजजी हुंडिया, ललितजी संकलेचा, सुरेशकुमारजी संकलेचा, भंवरलालजी छाजेड़, जुगराजजी संकलेचा, अशोकजी छाजेड़, शांतिलालजी बाफना और चंपालाल फोफलिया आदि उपस्थित रहे।

दादावाड़ी के प्रधान संयोजक कुशल कांकरिया, दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रशांत श्रीमाल, मार्गदर्शक समिति के पन्नालाल नाहटा, अमरचंद श्रीमाल, मोतीलाल ललवानी, स्वागत समिति से विमल नाहटा, महावीर चोपड़ा, कोर कमेटी सदस्य महेंद्र गोलेच्छा, अशोक कटारिया, राजेश पोकरण, प्रवीण नाहटा, मनोज नाहटा, हस्तीमल हुंडिया, बाबूलाल संकलेचा, रमेश पारख, रमेश संकलेचा की उपस्थिति रही। प्रचार-प्रसार समिति की ओर से जैन रत्न मीना मुथा, प्रीतेश बोहरा, पदमा जैन उपस्थित थे। आय-व्यय समिति से पूनम नाहटा, पूजन समिति से दिलीप झाब, भोजन समिति से ललित संकलेचा, संतोष कटारिया, विहार समिति से विक्रमसिंह ढड्ढा, मनीष श्रीमाल, जैन रत्न मीना मुथा की उपस्थिति रही।बैठक में फीलखाना की ओर से आभार व्यक्त किया गया तथा बैठक संपन्न के पश्चात भोजनालय में स्वामीभक्ति की व्यवस्था रखी गई। 17 मई को चातुर्मास समिति पदाधिकारी एवं समिति सदस्यों ने सूरत के गच्छाधिपति से भेंट की एवं संपूर्ण रूपरेखा उनसे प्राप्त हुई। प्रवेश के अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं अन्य मंत्रियों के आने की संभावना व्यक्त की गई है।

जन सेवा संघ की अलवाल क्षेत्रीय बैठक संपन्न

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ की अलवाल क्षेत्रीय बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अलवाल क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह पितावत के नेतृत्व में और नार्थ जोन के जोनल प्रेसिडेंट श्री राधे श्याम राय यादव के मार्गदर्शन में यह बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रत्येक महीने ज्यादा से ज्यादा सदस्य जोड़ने के लक्ष्य के साथ ही विभिन्न बिंदुओं और महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर जन सेवा संघ उत्तर संभाग के संभागीय अध्यक्ष श्री राधेश्याम राय यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में अन्य प्रमुख पदाधिकारी और सदस्यों की भी सक्रिय भागीदारी रही, जिनमें श्री धर्मा राम, श्याम सुंदर, मुकेश नाटू, सुनील पवार, बबन सिंह आदि शामिल थे।

अग्रवाल समाज अत्तापूर शाखा की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज अत्तापूर शाखा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार, 24 मई 2026 को तेजस्वी नगर स्थित मित्तल निवास में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ हुआ। शाखा अध्यक्ष सत्यनारायण फोगला ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए शाखा के सभी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया।

शाखा के मानद मंत्री अशोक जालान ने वर्षभर में आयोजित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की

जानकारी सभा के समक्ष प्रस्तुत की। सभा में कोषाध्यक्ष प्रीति पोद्दार, अमावस्या प्रसादी संयोजक मनोज गोयल तथा शीतल पेयजल संयोजक एवं केंद्र समिति सदस्य संजय कुमार भालवाले ने अपने-अपने विभागों का वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे सभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया।

युवा समिति प्रभारी देवेश अग्रवाल ने समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत करते हुए समाजबंधुओं से समिति को आर्थिक सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया। सभा ने महिला समिति को भी विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया।

सभा में शाखा अध्यक्ष सत्यनारायण फोगला, उपाध्यक्ष नंदा अग्रवाल, मंत्री अशोक जालान, सहमंत्री अंकुर बंसल, कोषाध्यक्ष प्रीति पोद्दार, केंद्र समिति सदस्य हनुमान दास भालवाले एवं संजय कुमार भालवाले, परामर्शदाता रामावतार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, योगेश जैन, कार्यकारिणी सदस्य श्याम अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, सुनील संघी, गोविंदराज अग्रवाल सहित अनेक शाखा सदस्य उपस्थित रहे।

वार्षिक साधारण सभा का एजेंडा पूर्ण होने के पश्चात एजीएम संयोजक देवेश अग्रवाल एवं लोकेश पित्ती सहित सभी उपस्थित सदस्यों का मानद मंत्री द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

राधे-राधे ग्रुप से जुड़ना सेवा, संस्कार और पुण्य का संगम : रोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास रविवार को आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा, समर्पण और मानवता की प्रेरणादायी मिसाल बन गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवाभावी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जरूरतमंद लोगों को प्रेम और सम्मान के साथ भोजन वितरण किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सेवा, सहयोग और अपनत्व का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रोहित अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप एक परिवार की

तरह कार्य कर रहा है, जहां हर व्यक्ति प्रेम, सहयोग और सेवा की भावना से जुड़ता है। उन्होंने कहा कि यह समूह एक ऐसे संगम के समान है, जिसमें जो भी व्यक्ति शामिल होता है, वह मानव सेवा के साथ-साथ पुण्य का भी भागीदार बनता है। आज के समय में निस्वार्थ सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है और राधे-राधे ग्रुप इसी उद्देश्य को लेकर समाज में लगातार कार्य कर रहा है।

रोहित अग्रवाल ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसके सेवा कार्यों से होती है। जब समाज का सक्षम वर्ग जरूरतमंदों के लिए आगे आता है, तब सामाजिक समरसता और भाईचारा मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सदस्य सेवा को केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि अपनी जिम्मेदारी मानता है। यही कारण है कि समूह के सभी सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सेवा कार्यों में भाग लेते हैं। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, जगन गुप्ता, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत एवं गजराज श्रीश्रीमाल सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

बेगम बाजार निवासी गवली समाज के मार्गदर्शक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता भवानी शंकर चौधरी (उस्ताद) की धर्मपत्नी स्व. पार्वती बाई चौधरी के घाट कार्यक्रम में उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि करते हुए पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री व अखिल भारतीय ओबीसी चेयरमैन हंसराज अहीर, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डॉ के. केशव राव। साथ में हैं भवानी शंकर चौधरी, सुरेश बी गोप, सत्यनारायण भगत, धनराज यादव, विजय शंकर चौधरी व अन्य।

भाजपा नेता सपना-विमल गुप्ता की वैवाहिक वर्षगांठ पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए तनिष्क शोरूम मैनेजर किरण।

गौ-हत्या रोकने की मांग तेज, तेलंगाना गोशाला फेडरेशन ने जताया आक्रोश

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन ने बकरीद पर्व से पूर्व राज्य में कथित अवैध गौ-हत्या, पशु तस्करी एवं अनधिकृत बूचड़खानों की गतिविधियों पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की है।

फेडरेशन ने अध्यक्ष महेश अग्रवाल एवं न्यासियों जसमत पटेल तथा रिदेश जागीरदार (लव फॉर काउ) के नेतृत्व में जारी वक्तव्य में कहा कि तेलंगाना प्रतिबंध अधिनियम गौ-वध एवं पशु संरक्षण अधिनियम, 1977 का हैदराबाद एवं आसपास के क्षेत्रों में खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है, जो बकरीद के निकट आते ही और अधिक बढ़ जाता है। फेडरेशन के अनुसार कानून में गाय, बछड़े एवं मादा भैंस के बच्चों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध है तथा किसी भी वैध पशु-वध के लिए प्रमाणपत्र एवं निर्धारित स्थल अनिवार्य हैं। इसके बावजूद राजधानी क्षेत्र में अवैध पशु परिवहन, तस्करी एवं अनधिकृत वध की घटनाओं में वृद्धि होने का आरोप लगाया गया है। फेडरेशन अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कहा कि बकरीद पर्व की आड़ में कुछ तत्व बड़े पैमाने पर अवैध गौ-वध एवं पशु तस्करी को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अवैध पशु बाजारों, पड़ोसी जिलों एवं राज्यों से अनधिकृत परिवहन तथा छिपे हुए वध स्थलों के संबंध में चिंताजनक जानकारियां प्राप्त हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि 1977 अधिनियम के तहत यह गंभीर अपराध है, जिसके लिए कारावास एवं जुर्माने का प्रावधान है। महेश अग्रवाल ने प्रशासन की कथित निष्क्रियता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे अपराधियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी एवं सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण आधार है।

न्यासी जसमत पटेल एवं रिदेश जागीरदार ने कहा कि लव फॉर काउ गौ-रक्षा हेतु सभी कानूनी एवं शांतिपूर्ण प्रयासों में सक्रिय भागीदारी करेगा तथा सरकार को समय रहते निर्णायक कदम उठाने चाहिए।

फेडरेशन ने कहा कि विभिन्न हिंदू संगठनों एवं अन्य पक्षों द्वारा इस विषय पर कड़े प्रवर्तन की मांग को लेकर कई अभ्यावेदन एवं याचिकाएं दायर की गई हैं। वक्तव्य में दावा किया गया कि तेलंगाना उच्च न्यायालय ने भी इस संवेदनशील विषय पर संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं।

फेडरेशन ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा निगरानी एवं चेकपोस्ट व्यवस्था के दावों के बावजूद पशु तस्करी एवं अवैध वध की गतिविधियां जारी हैं।

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, गृह विभाग एवं पुलिस प्रशासन से मांग की कि अवैध बूचड़खानों एवं अनधिकृत पशु व्यापार केंद्रों को तत्काल बंद किया जाए, पशु परिवहन मार्गों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाए, उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए तथा पशुपालन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

श्री अयोध्या राम चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी कमलेश महाराज ने समान विचारधारा वाले संगठनों, पशु कल्याण कार्यकर्ताओं एवं जागरूक नागरिकों से कानून की पालना एवं पशु संरक्षण के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फेडरेशन एवं लव फॉर काउ पकड़े गए पशुओं के बचाव एवं पुनर्वास में प्रशासन की सहायता के लिए तैयार हैं। साथ ही चेतावनी दी कि यदि प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन शांतिपूर्ण आंदोलन एवं कानूनी लड़ाई को आगे बढ़ाने पर विवश होंगे।

सुंदरकांड एवं भजन संध्या का आयोजन

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मैलारदेवपल्ली, काटेदान स्थित तुलसी कुंज में प्रदीप एवं छवि पाण्डेय के तत्वावधान में सुंदरकांड एवं भजन संध्या का आयोजन भक्तिभाव एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सुंदरकांड पाठ एवं भजन-कीर्तन का आनंद लिया।

इस अवसर पर कमलेश त्रिपाठी स्वामीजी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, सचिव अवधेश द्विवेदी, नीरज तिवारी, विनीत द्विवेदी, अनिल कुमार पाण्डेय, विनय पाण्डेय एवं इन्द्रमणि पाण्डेय उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री, पुष्पेंद्र शुक्ला, शिवनारायण त्रिपाठी, शशिकांत द्विवेदी, जीवेश द्विवेदी, अरुण द्विवेदी, मनीष द्विवेदी, अजय शुक्ला, ओपी गौतम, रवि पाण्डेय, नितिन ऊरमालिया, सूरज तिवारी, भूपेंद्र गौतम एवं आनंद सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

महिला श्रद्धालुओं में आयुषी पाण्डेय, आकृति पाण्डेय, सपना एवं षष्ठी पाण्डेय सहित अन्य भक्तगणों ने भी भजन संध्या में सहभागिता निभाई।सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम एवं हनुमानजी के भजनों का सामूहिक गायन कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया। आयोजन के अंत में सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

राजभाषा के प्रयोग में प्रतिभूति मुद्रणालय का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केन्द्रीय सकारी उपक्रमों के मध्य उत्कृष्ट हिन्दी कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2025-26 के दौरान प्राप्त की गई असाधारण उपलब्धि के लिए राजभाषा शील्ड तथा उत्तम गृह पत्रिका सम्मान, राजभाषा उपक्रम रत्न पुरस्कार, नगर राज भाषा कार्यान्वयन की 63वीं अर्द्धवार्षिक बैठक के दौरान प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद को सम्मान स्वरूप प्रदान किए गए।

लघु एवं मध्यम उद्योग संस्थान, यूसुफगुड़ा में आयोजित नराकास की 63वीं अर्द्धवार्षिक बैठक में उक्त पुरस्कार समिति के अध्यक्ष श्री अनीश शर्मा सीएमडी ईसीआईएल एवं श्री प्रकाश राम, अनुसंधान अधिकारी, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के कर कमलों से श्री सुनील यादव, अपर महाप्रबंधक(त.प्र) एवं श्री मेहुल राठोड़, प्रबंधक (मा.सं.) एवं प्रभारी राजभाषा, प्रतिभूति मुद्रणालय ने प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त नराकास उपक्रम द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभूति मुद्रणालय के श्री जे. श्रीहर्षा, श्री स्नेहाशीष अधिकारी, श्री गजानन मौर्य, सुश्री सिद्धि पी ने पुरस्कार प्राप्त किए। इस अवसर पर प्रतिभूति मुद्रणालय में राजभाषा क्रियान्वयन से संबंधित एक प्रदर्शनी का आयोजन सभा गृह में किया गया जिसकी सभी सहयोगी उपक्रमों से पधारे अधिकारियों ने सराहना की।

प्रतिभूति मुद्रणालय को राजभाषा के क्षेत्र में दिए गए सम्मान के प्रति श्री दुर्गा प्रसाद, अपर महाप्रबंधक(मा.सं.) एवं कार्यालय प्रमुख ने सभी सहयोगी संस्थानों, नराकास व हिन्दी कर्मियों एवं अधिकारियों के लिए आभार व्यक्त किया और हिन्दी के प्रचार पसार और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन: दोहराया।

संवेदना ही धर्म का वास्तविक प्राण है : राष्ट्रसंत कमल मुनि 'कमलेश'

अहिंसा सम्मेलन में मानव एवं पशु मात्र के प्रति करुणा का दिया संदेश

बेंगलूरु, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कमल मुनि 'कमलेश' ने कहा कि संवेदनाहीन एवं निष्ठुर व्यक्ति चाहे कितनी भी उपासना और साधना कर ले, वह आत्मकल्याण में सहायक नहीं बन सकती। ऐसी साधना पत्थर पर पानी डालने के समान है। अहिंसा सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत कमल मुनि ने कहा कि अंतरमन में उठने वाली संवेदना ही धर्म का वास्तविक प्राण, साधना का राजमार्ग तथा मोक्ष रूपी मंजिल तक पहुंचने के लिए ऑक्सीजन के समान आवश्यक तत्व है।

उन्होंने कहा कि जब स्वार्थ, लोभ एवं मोह की पूर्ति नहीं होती, तब व्यक्ति की संवेदना समाप्त होने लगती है और धार्मिक व्यक्ति भी राक्षसी प्रवृत्ति अपनाकर शैतान के समान व्यवहार करने लगता है।

मुनि कमलेश ने कहा कि प्राणी मात्र के प्रति निस्वार्थ भाव रखते हुए, स्वयं का नुकसान सहकर भी संवेदना की धारा प्रवाहित करना ही सच्चा धर्म है। उन्होंने कहा कि संवेदना के भाव से आत्मा में निर्मलता आती है, सद्भाव का निर्माण होता है तथा कर्मों की जंजीरें टूटने लगती हैं, जिससे व्यक्ति विश्व पूजनीय बन जाता है।

राष्ट्रसंत ने कहा कि संवेदना ही परमात्मा है और परमात्मा ही संवेदना है। संवेदना में पूर्ण रूप से समर्पित व्यक्ति ही तीर्थंकर बनने की क्षमता प्राप्त करता है।

उन्होंने कहा कि केवल मनुष्यों में ही नहीं, बल्कि पशुओं में भी संवेदना का अद्भुत संचार होता है। कई बार पशु अपने प्राणों की परवाह किए बिना दूसरों की रक्षा करते हैं और ऐसे जीव भी मोक्ष के अधिकारी बन सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता अमृत दलाल, पिंटू पिछोलिया, हेमंत मेहता, जसवंत गन्ना, सुनील नंदावत, रितेश पामेचा एवं रूपचंद लोढ़ा ने मानव एवं पशु मात्र के प्रति समान भाव एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा सिकंदराबाद की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा सिकंदराबाद की वार्षिक साधारण सभा एवं अध्यक्षीय चुनाव/मनोनयन प्रक्रिया तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में सभा अध्यक्ष सुशील संचेती की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण एवं सभा गीत के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया।

सभा में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि, मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुति, कोषाध्यक्ष द्वारा अंकेक्षित आय-व्यय विवरण प्रस्तुत कर स्वीकृति प्राप्त की गई। साथ ही विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए आगामी वर्ष हेतु अंकेक्षक नियुक्ति एवं प्राप्त प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लिया गया। अध्यक्षीय चुनाव/मनोनयन प्रक्रिया के अंतर्गत सत्र 2026-28 के लिए सुशील संचेती को पुनः अध्यक्ष पद हेतु मनोनीत किया गया। चुनाव अधिकारी बाबूलाल बैद एवं सह चुनाव अधिकारी लक्ष्मीपत बैद ने चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नवमनोनीत अध्यक्ष ने अपनी टीम में हेमंत संचेती को पुनः मंत्री तथा मुकेश चोरड़िया को पुनः कोषाध्यक्ष नियुक्त किया। सभा में उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों ने नवमनोनीत टीम का स्वागत करते हुए संगठन की एकता, सक्रियता एवं सेवा भावना को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में मंत्री हेमंत संचेती द्वारा आभार ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

शिवशक्ति महिला शाखा मोती नगर की ओर से मोती नगर चौराहे के पास स्थित हनुमान मंदिर परिसर में संतरे के जूस वितरण किया गया। कार्यक्रम में शाखा की पदाधिकारी दीपा जी, संध्या जी, किरण जी, पायल जी एवं सुमन जी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

SHED on RENT

FACTORY SHED
lease /Rent. 5000 sq feet
TIN SHED with 10 hp power
at JIYAGUDA.
Good for Wood furniture,
Iron furniture, Steel
furniture, Packing etc.

Contact:
9848225473,
9948137195
(9am to 9pm)

सेवा और मानवता के कार्यों से समाज को मिल रही नई प्रेरणा : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, समर्पण और सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। पूरे वातावरण में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना देखने को मिली।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप आज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा और संस्कारों का ऐसा परिवार बन चुका है, जो निरंतर समाजहित में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची मानव सेवा है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में सेवा के लिए समय अवश्य निकालना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब किसी भूखे व्यक्ति को सम्मानपूर्वक भोजन कराया जाता है, तब केवल उसका पेट ही नहीं भरता बल्कि आत्मा को भी संतोष मिलता है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारा और सकारात्मक सोच को मजबूत करना भी है।

कार्यक्रम के दौरान सभी सेवकों ने पूरे समर्पण और अनुशासन के साथ व्यवस्थाएं संभालीं। भोजन वितरण के समय जरूरतमंदों के चेहरों पर दिखाई दे रही खुशी और संतोष ने सभी सेवकों को भावुक कर दिया। उपस्थित लोगों ने कहा कि आज के समय में ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं और युवाओं को भी इससे जुड़कर मानवता की सेवा करनी चाहिए।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे सामाजिक और धार्मिक सेवा कार्यों की लोगों ने सराहना करते हुए कहा कि यह समूह निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। सेवा, सहयोग और समर्पण की इसी भावना के कारण राधे-राधे ग्रुप समाज में एक विशेष पहचान बना चुका है। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदूजा, मनोज डालमिया आदि उपस्थित रहे।

सुखी दाम्पत्य, सशक्त समाज विषयक प्रेरणादायी समाज सुधारक कार्यक्रम संपन्न

बेंगलूरु, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

समाज में पारिवारिक मूल्यों एवं संस्कारों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सुखी दाम्पत्य, सशक्त समाज विषयक समाज सुधारक कार्यक्रम मेवाड़ भवन में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष ललित मांडोत ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि सशक्त समाज की आधारशिला सुदृढ़ एवं संस्कारित परिवार होते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्राप्त प्रेरणा पारिवारिक जीवन को अधिक सुखी एवं सफल बनाने में सहायक सिद्ध होती है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक विकास मेहता एवं राजेश चावत का विशेष योगदान रहा, जबकि संगठन मंत्री प्रवीण दक ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। मंत्री सुरेश गन्ना ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य परिवार और समाज को मजबूत बनाने का सार्थक प्रयास है। साथ ही दाम्पत्य जीवन के मूल्यों को समझना, पारिवारिक रिश्तों को सुदृढ़ बनाना तथा समाज में प्रेम, सामंजस्य और संस्कारों का संदेश प्रसारित करना है।

मुख्य वक्ताओं में राजेन्द्र जैन, गौतम जैन, सुष्मिता सेठिया एवं दिनेश बुरड़ ने सुखी दाम्पत्य, सशक्त समाज विषय पर अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। राजेन्द्र जैन ने कहा कि सुखी एवं सफल जीवन के लिए सही समय पर सही निर्णय लेना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं विवेकपूर्ण निर्णय क्षमता को सुखी दाम्पत्य, सफल परिवार एवं सशक्त समाज की आधारशिला बताया।

सुष्मिता सेठिया ने कहा कि बच्चों के जीवन में माता-पिता ही उनके प्रथम एवं श्रेष्ठ मित्र होते हैं। उन्होंने कहा कि जब माता-पिता व्यस्तता के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते, तब बच्चे भावनात्मक जुड़ाव के लिए मित्रों एवं सोशल मीडिया की ओर आकर्षित होने लगते हैं।

उन्होंने परिवार में प्रेम एवं एकता बनाए रखने का सरल सूत्र बताते हुए कहा कि यदि परिवार के सभी सदस्य प्रतिदिन एक भजन और एक भोजन साथ करें, तो परिवार में आध्यात्मिकता, प्रेम एवं सौहार्द का वातावरण बना रहता है।

दिनेश बुरड़ ने कहा कि परिवार की एकता एवं सौहार्द बनाए रखने में सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि विवाह के बाद नए संबंध जुड़ते हैं और ऐसे समय में समन्वय, समझदारी एवं त्याग की भावना आवश्यक होती है। उन्होंने कहा कि रिश्तों को बचाने के लिए कभी-कभी स्वयं को भी यू-टर्न लेना पड़ता है।

उन्होंने माता-पिता के निर्णयों एवं अनुभवों के सम्मान पर बल देते हुए कहा कि जिस प्रकार खेल में अंपायर का निर्णय स्वीकार किया जाता है, उसी प्रकार परिवार में भी माता-पिता के निर्णयों का आदर करना चाहिए। गौतम जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि दाम्पत्य जीवन एक पौधे के समान होता है, जिसे निरंतर प्रेम, सम्मान, विश्वास एवं सहयोग की आवश्यकता होती है।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा की वार्षिक साधारण सभा शाखाध्यक्ष अनिल धर-सूवाला की अध्यक्षता में बोगुलकुंटा स्थित ताजा टिफिन्स के प्रथम माला के वातानुकूलित सभागार में सम्पन्न हुई। सभा का शुभारंभ शाखाध्यक्ष एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात शाखाध्यक्ष अनिल धरसूवाला ने आगंतुक सदस्यों का स्वागत करते हुए शाखा की गतिविधियों एवं सामाजिक एकजुटता पर प्रकाश डाला।

सभा में शाखा के मानद मंत्री मनोज मीत्तल ने विगत वर्ष के दौरान आयोजित विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं शाखा के कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल सौलानावाला ने शाखा का वार्षिक आय-व्यय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने ध्वनि मत से पारित किया। साथ ही आगामी वर्ष के लिए 10 प्रतिशत अधिक खर्च के प्रावधान को भी सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

अवसर पर शाखा के प्रचार-प्रसार प्रभारी योगेन्द्र कटारुका ने आगामी 16 अगस्त को आयोजित होने वाले शाखा के रजत जयंती समारोह की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शाखा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि शाखा में अब तक 900 से अधिक सदस्य पंजीकृत हो चुके हैं, लेकिन आवश्यकता इस बात की है कि सभी सदस्य सक्रिय रूप से समाज की गतिविधियों से जुड़ें। इसके लिए सदस्यों को अपनी प्रोफाइल समाज की वेबसाइट या मोबाइल एप के माध्यम से अपडेट कर प्रिविलेज कार्ड डाउनलोड करने का आग्रह किया गया।

सभा में शाखा के उपाध्यक्ष शिव भगवान अग्रवाल बॉयवाला, सहमंत्री मनोज अग्रवाल पचेरिया, केंद्रीय समिति सदस्य सज्जन अग्रवाल बॉयवाला, भूतपूर्व अध्यक्ष श्रीकिशन अग्रवाल, शिवकुमार जाखणीवाला, पवन अग्रवाल सौलाणावाला, राजेश अग्रवाल सौलाणावाला, प्रकाश चंद नारनौली, अनिल टाटाराजा, गौपाल अग्रवाल एवं गोवर्धन दास अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्री बीरप्पा स्वामी मंदिर का उद्घाटन

बांसवाड़ा, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री बीरप्पा स्वामी मंदिर के नवनिर्मित मंदिर का उद्घाटन बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के पोथंगल मंडल स्थित कल्लुरु गांव में विधायक पोचारम द्वारा श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ किया गया। मंदिर उद्घाटन के पश्चात विधायक पोचारम ने श्री बीरप्पा स्वामी के कल्याण महोत्सव में भाग लिया। इस दौरान भगवान की विशेष पूजा-अर्चना कर मंगलकामनाएं की गईं तथा प्रसाद अर्पित किया गया।

कार्यक्रम में पोथंगल मंडल के विभिन्न नेताओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, कुरुमा संगम के वरिष्ठजनों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुए इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।कार्यक्रम के दौरान गांववासियों ने विधायक पोचारम का पारंपरिक एवं भव्य स्वागत किया। मंदिर उद्घाटन एवं कल्याण महोत्सव को लेकर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.